Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 18 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 02 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार
नाकामिया आपको अपनी गलती सुधारने और वापस दोगुनी ताकत से सफल होने के लिए प्रेरित करती है।

पंडया को मिल रही शिवम से...
09

SHARE

संसेक्स	:	71,500.76
निफ्टी	:	21,571.95

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	77.40

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

राज्य सरकार को समन जारी करने का कारण पूछने का कोई अधिकार नहीं : ईडी

एजेंसी ने वंदना डाडेल के पत्र का भेजा जवाब

PHOTON NEWS RANCHI : इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने झारखंड कैबिनेट की सचिव वंदना डाडेल के पत्र का जवाब भेजा है। जिस पत्र में वंदना डाडेल ने ईडी को राज्य के सरकारी अधिकरियों को भेजे गये समन के पीछे के पूरे मामले को स्पष्ट करने को कहा था। ईडी ने वंदना डाडेल को भेजे पत्र में कहा है कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज्य के किसी भी अधिकारी से जानकारी मांगने और समन जारी करने का कारण पूछने का राज्य सरकार को कोई अधिकार नहीं है। ईडी भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच करता है। इसे जांच के लिए राज्य सरकार की मंजूरी की जरुरत नहीं है।

अफसरों को किस आधार पर पूछताछ के लिए बुलाया

झारखंड कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने ईडी को पत्र लिखकर यह जानकारी मांगी थी कि वह राज्य सरकार के अफसरों को किस आधार पर पूछताछ के लिए समन कर रही है। इस पत्र में उन्होंने सरकारी पदाधिकारियों पर दर्ज प्रेडिकेट ऑफेंस और उनके खिलाफ किन मामलों में पूछताछ होनी है, इसकी जानकारी ईडी से मांगी थी। उन्होंने अपने पत्र में यह भी जानना चाहा था कि इन अधिकारियों से संदिग्ध के तौर पर पूछताछ होगी या गवाह के तौर पर। इसके अलावा ईडी से कई अन्य बिंदुओं पर भी जानकारी मांगी गयी थी। गौरतलब है कि कैबिनेट ने अपनी बैठक में राज्य के बाहर की एजेंसियों से समन या नोटिस से जुड़े मामलों में मंत्रिमंडल, सचिवालय व निगरानी विभाग को नोडल एजेंसी बनाया है। नोडल एजेंसी के सचिव के तौर पर वंदना दादेल ने ईडी से पत्राचार किया था।

कई अफसरों को ईडी ने किया था समन : गौरतलब है कि ईडी ने हाल के दिनों में साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद पिंटू, उत्पाद विभाग के अधिकारी गजेंद्र सिंह, साहिबगंज के पूर्व एसपी और वर्तमान में डीआईजी कार्मिक नौशाद आलम को पूछताछ के लिए समन किया था। सूत्रों के अनुसार, इन अधिकारियों को समन के बाद पुलिस मुख्यालय और उत्पाद विभाग ने ईडी को पत्र लिखकर यह जानना चाहा था कि इन अफसरों के खिलाफ दर्ज प्रेडिकेट ऑफेंस क्या है और किन मामलों में इन अधिकारियों से पूछताछ होनी है।

सीएम के प्रेस सलाहकार ने ईडी को लिखा पत्र

RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि उनकी पत्नी की तबीयत खराब है, इसलिए पूछताछ के लिए उन्हें 22 जनवरी के बाद का समय दिया जाये। इससे पहले ईडी ने बीते छह जनवरी को अभिषेक प्रसाद को समन भेजकर 16 जनवरी को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था। हालांकि वो ईडी ऑफिस नहीं जा पाए थे। उनसे 1250 करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले में पूछताछ की जानी थी। गौरतलब है कि ईडी ने बीते तीन जनवरी को कुल 12 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

साहिबगंज डीसी को ईडी ने भेजा दूसरा समन

RANCHI : साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव को ईडी ने बुधवार को दूसरा समन भेजा है। ईडी ने रामनिवास यादव को 19 जनवरी को पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले डीसी रामनिवास यादव को बीते 6 जनवरी को समन भेजकर 11 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था, हालांकि वह ईडी के समक्ष पर उपस्थित नहीं हुए थे।

डीसी के यहां हुई थी ईडी की रेड : बीते तीन जनवरी को ईडी ने साहिबगंज डीसी के आवास, कार्यालय और उनके राजस्थान स्थित आवास पर एक साथ छापेमारी की थी। रेड के दौरान साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के पास से रिश्वत में मिले आठ लाख रुपए के साथ-साथ नाइन एमएम पिस्टल की 14 कारतूस भी मिले थे।

कोई भी कानून से ऊपर नहीं : राज्यपाल राधाकृष्णन

RANCHI : झारखंड में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट की कार्रवाई लगातार जारी है। एक कार्यक्रम के बाद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मीडिया ने सवाल किया कि ईडी की कार्रवाई का झारखंड के लॉ एंड ऑर्डर पर असर पड़ेगा क्या? इस पर राज्यपाल ने कहा कि आखिर क्यों लॉ एंड ऑर्डर पर असर पड़ेगा। ईडी अपना काम कर रही है। सीएम को ईडी को सही जवाब देना है। इसमें लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ने की बात कहां से आ गयी है। राज्यपाल ने कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। इसलिए लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ने की बात ही नहीं है। राधाकृष्णन ने दूसरे सवाल के जवाब में कहा कि आखिर जनता गुस्सा क्यों करेगी। जनता को गुस्सा होने की जरूरत ही क्या है। लोकतंत्र में इन सब बातों के लिए कोई जगह नहीं है। कहा कि प्रधानमंत्री ने भी जांच एजेंसियों (एसआईटी) को सवालों के जवाब दिये हैं। अगर जन नेता

ईडी जांच में खुलासा : इजहार अंसारी ने मंडियों में ज्यादा कीमत पर बेचा था लिंकेज का कोयला

PHOTON NEWS RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हजारीबाग के चर्चित कोयला कारोबारी इजहार अंसारी को गिरफ्तार किया है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि इजहार अंसारी ने लिंकेज (सब्सिडी दर) का 86568 टन कोयला वाराणसी और धनबाद की कोयला मंडियों में ज्यादा कीमत पर बेचा था। जिसकी कीमत बाजार मूल्य 71 करोड़ रूपया है। ईडी की जांच से पता चला है कि इजहार अंसारी ने कोयला लिंकेज नीति का दुरुपयोग किया है। जिसके तहत कैप्टिव खपत के लिए छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) को सब्सिडी वाला कोयला आवंटित किया जाता था। इजहार अंसारी की 13 ऐसी एसएमई फर्मों को 71 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाला लगभग 86568 टन कोयला आवंटित किया गया था। हालांकि इजहार अंसारी ने उद्योग में उपयोग करने के बजाय कोयले को खुले बाजार में बेच दिया और इससे बड़े पैमाने पर लाभ कमाया।

ट्रक ड्राइवर के खिलाफ दर्ज मामले की ईडी ने शुरू की जांच

ईडी ने ट्रक ड्राइवर के सैय्यद सलमानी खिलाफ झारखंड पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। सैय्यद सलमानी जो इजहार अंसारी के लिए काम करते हैं। इस मामले में अवैध रूप से ट्रांसपोटिंग किये गये 19 टन कोयले के साथ ट्रक को भी झारखंड पुलिस ने जब्त कर लिया था।

कई अफसरों को इजहार अंसारी ने दी थी रिश्वत

ईडी की जांच से संकेत मिला कि ऐसे सब्सिडी वाले कोयला आवंटन के बदले इजहार अंसारी कुछ अफसरों को रिश्वत भी देता था। ईडी ने 16 जनवरी को इजहार अंसारी के हजारीबाग और रामगढ़ स्थित तीन ठिकानों पर छापेमारी की थी। जिसके बाद 17 जनवरी को ईडी ने इजहार अंसारी को रांची में पीएमएलए की विशेष अदालत में पेश किया और छह दिनों की रिमांड पर लिया है।

कोयला कारोबारी इजहार अंसारी से छह दिनों तक पूछताछ करेगी ईडी, कोर्ट ने दी अनुमति

PHOTON NEWS RANCHI : हजारीबाग के चर्चित कोयला कारोबारी इजहार अंसारी को आज बुधवार को रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। ईडी की ओर से इजहार को छह दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की इजाजत मांगी गयी। इसके बाद अदालत ने छह दिनों की रिमांड की अनुमति दे दी।

क्यों गिरफ्तार हुए इजहार अंसारी : ईडी ने 70 करोड़ रुपये के कोल लिंकेज की हेराफेरी के आरोप में इजहार अंसारी को गिरफ्तार किया है। 16 जनवरी की सुबह ईडी ने उनके हजारीबाग और रामगढ़ स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने सुबह करीब 7:00 बजे हजारीबाग स्थित इजहार के आवास और रामगढ़ स्थित फैक्टरी पर छापा मारा था।

BRIEF NEWS

रिश्वत का आरोपित आरपीएफ के पूर्व सिपाही को पांच साल की जेल

NEW DELHI : आरपीएफ के पूर्व सिपाही को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के विशेष न्यायाधीश की एक अदालत ने पांच साल की जेल की सजा सुनाई है। यह सजा पीसी एक्ट मामले में कुदुर्वाड़ी, सोलापुर के आरपीएफ के पूर्व सिपाही गणेश सतपुते को सुनाई गई है। इसके ऊपर 4,500 रुपये का जुमार्ना लगाया है। सीबीआई ने आरोपित के खिलाफ पिछले वर्ष मार्च में मामला दर्ज किया था। सीबीआई का आरोप था कि सिपाही ने एक टूर एंड ट्रैवल कंपनी के कर्मचारी से 10 हजार रुपये लिए थे। इस कंपनी द्वारा बुक किए गए रेलवे टिकटों पर प्रतिदिन प्रति यात्री 100 रुपये की रिश्वत ले रहा था। जांच के बाद अगस्त 2023 को आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया गया। जिसके बाद ट्रायल कोर्ट ने उक्त आरोपी को दोषी पाया और उसे दोषी ठहराया।

गोविंदपुर थाना का एएसआई 15 हजार घूस लेते गिरफ्तार

DHANBAD : एसीबी धनबाद ने साल का दूसरा ट्रैप करते हुए धनबाद के गोविंदपुर थाना में एएसआई के पद पर तैनात विक्रम कुमार को 15 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ धर दबोचा। गिरफ्तार एएसआई एक केस मैनेज करने के नाम पर रिश्वत ले रहा था। बताया जाता है कि आवेदक भूली निवासी रौशन लाल अग्रवाल जो नीलामी की गाड़ियां खरीदा और बेचा करते है। उन्हें गोविंदपुर थाने में कांड संख्या 410/22 के संदर्भ में मोटरसाइकिल से सम्बंधित नोटिस देकर एएसआई विक्रम कुमार ने थाने बुलाया। इसी दौरान एएसआई विक्रम कुमार ने रौशन को उक्त मामले में मदद करने के नाम पर उनसे 20 हजार रुपये बतौर रिश्वत की मांग की। इसके बाद रौशन लाल अग्रवाल ने इसकी लिखित शिकायत एसीबी धनबाद को दी। जिसके बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन के बाद आज बड़े ही नाटकीय ढंग से एएसआई विक्रम कुमार को धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र से आवेदक रौशन लाल अग्रवाल से 15 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम ने एएसआई को गिरफ्तार करने के बाद उसे लेकर गोविंदपुर थाना और उसके आवास पर गई। मामले की छानबीन के बाद गिरफ्तार एएसआई को टीम एसीबी कार्यलय लेकर चली गई, जहां से उसे जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

92 पेटी अवैध शराब जब्त, एक गिरफ्तार

GIRIDIH : पुलिस ने शराब के अवैध कारोबार में शामिल केटरिंग के सामानों के साथ मालवाहक पिकअप वैन से 92 पेटी अवैध शराब बरामद की है। बताया गया कि बुधवार को नगर थाना इलाके में वाहन जांच के क्रम में नगर थाना प्रभारी राम नारायण चौधरी ने वैन से बड़े पैमाने पर ब्रांडेड शराब के स्टॉक को जब्त किया है। पुलिस ने केटरर संजय प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है। जब्त शराब की कीमत तीन लाख के करीब है। गिरफ्तार संजय प्रसाद बेरमो के सुभाष नगर का रहने वाला है। हालांकि, ये अभी स्पष्ट नहीं हुआ है केटरिंग सामानों से लोड पिकअप वैन उसी का है या शराब के अवैध स्टॉक की आपूर्ति के लिए पिकप वैन का इस्तेमाल कर रहा था या फिर सामानों के आड़ में केटरर मालिक संजय प्रसाद के अवैध शराब का स्टॉक पहुंचा रहा था।

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों के मोर्टार हमले में दो जवान शहीद, दो घायल

घायल को ले जाते जवान। ● फोटोन न्यूज

AGENCY IMPHAL : भारत-म्यांमार सीमा पर तेंगनोपाल जिले के मोरेह शहर के पास सिक्किम गांव और कानानवेंग में सुरक्षा बलों पर संदिग्ध हथियारबंद कुकी आतंकवादियों के मोर्टार हमले में दो जवान बलिदान हो गए। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मणिपुर सरकार ने तत्काल लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। भारत-म्यांमार सीमा पर तेंगनोपाल जिले के मोरेह शहर में बुधवार की सुबह करीब 3 बजे के आसपास कुकी आतंकवादियों के मोर्टार हमले में दो जवान बलिदान हो गए, जबकि दो और सैनिक घायल हो गए। शहीदों में एक 6वीं मणिपुर राइफल्स का जवान ओयांगखेम समरजीत मैतेई है। इसके अलावा एक अन्य की पहचान का खुलासा नहीं हुआ है। इलाके में अर्धसैनिक बलों ने कुकी उग्रवादियों के विरूद्ध तलाशी अभियान चला रखा है। मणिपुर के गृह आयुक्त टी रणजीत सिंह ने बताया कि आज सुबह करीब 3 बजे के आसपास संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने तेंगनोपाल जिले के अंतर्गत मोरेह शहर के इमा कोंडोंग लैरेम्बी देवी मंदिर के पास आईआरबी शिविर पर मोर्टार से हमला किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 22 साल की कैद

DHANBAD : नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने झरिया निवासी चंदन साव को22 वर्ष कैद एवं पंद्रह हजार रुपये जुमार्ना से दंडित किया है। मंगलवार को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था। प्राथमिक की पीड़िता के दादा की शिकायत पर धनसार थाने में दो फरवरी 2023 को दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक दो फरवरी 23 के सुबह 8:00 बजे पीड़िता गोल बिल्डिंग ट्यूशन जाने के लिए घर से निकली थी। परंतु लौट कर वापस नहीं आई काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला। बाद में उसे पता चला कि चंदन कुमार झारिया रजवाड़ी निवासी उसे अपने साथ ले गया है। इसके पूर्व भी चंदन उसके घर में घुसकर गलत हरकत किया था। अनुसंधान के बाद पुलिस ने 9 अप्रैल 23 को आरोप पत्र दायर किया था। 20 अप्रैल 23 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी।

अनिल गोयल समेत धनबाद के बड़े कोयला कारोबारियों के ठिकानों पर आईटी के छापे

PHOTON NEWS DHANBAD : झारखंड और छत्तीसगढ़ के करीब 40 ठिकानों पर इनकम टैक्स की टीम ने छापा मारा है। मामला टैक्स चोरी से जुड़ा है। झारखंड में जिनके यहां छेपामारी चल रही है, उनमें दीपक पोद्दार, अनिल गोयल, सुशील अग्रवाल, नीतिन अग्रवाल और साबिर आलम के नाम शामिल हैं। ये सभी धनबाद के बड़े कोयला कारोबारी हैं। कोयला कारोबारी के ठिकाने पर रेड कर रही आईटी की टीम ने अभी तक 3 करोड़ नकद बरामद किया है। मिली जानकारी के मुताबिक यह बरामदगी धनबाद से की गई है। जानकारी के मुताबिक, कोयला कारोबारी अनिल गोयल के दामाद रायपुर में रहते हैं। उनके यहां भी ईआईटी की टीम ने रेड की है। इन सभी लोगों पर टैक्स चोरी का आरोप है।

अहले सुबह ही पहुंची टीम, दूधवाले से भी की पूछताछ : बुधवार की अहले सुबह आयकर विभाग की टीम धनबाद के कोयला कारोबारी अनिल गोयल, होटल व कोयला कारोबारी दीपक पोद्दार, कोयला कारोबारी राणा जनार्दन सिंह सहित कई स्थानों पर रेड करने पहुंची। इस कार्रवाई में पटना और रांची की आयकर विभाग काम कर रही है। कड़ाके के ठंड में आईटी विभाग की टीम धनबाद में छापामारी करने पहुंची। जिन कोल कारोबारियों के कार्यालय में टीम गयी। वहां पर उसके स्टॉफ के अलावा कोई नहीं मिला। अनिल गोयल के कार्यालय में सुबह सुबह दूध पहुंचाने आये ग्वाला से भी आईटी विभाग की टीम पूछताछ करती दिखी है।

अलग-अलग टीम बनाकर की जा रही है छापामारी : आईटी विभाग की टीम अलग अलग टीम बनाकर एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापामारी चल रही है। इसमें पुराना बाजार टिकिया पाड़ा में रहने वाले कोल कारोबारी अनिल गोयल के आवास, कार्यालय, उसके भाई के होटल के अलावा कई स्थानों पर आईटी की छापामारी चल रही है। जबकि दीपक पोद्दार के जोड़ाफाटक स्थित घर, गोविंदपुर स्थित वेडलॉक होटल, उसके गोदाम, फैक्ट्री में छापामारी चल रही है। जनार्दन सिंह के शास्त्री नगर स्थित घर पर छापामारी चल रही है। इस संबंध में आइटी विभाग के कोई भी अधिकारी और कर्मचारी जानकारी देने से कतरा रहे हैं।

अंदर आने की अनुमति नहीं, बाहर जाने की भी मनाही : छापेमारी करने आई आयकर विभाग की टीम के साथ सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) भी मौजूद है। रेड के दौरान किसी को भी

शक्तिकेंद्र इन-चार्ज सम्मेलन में भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी को मेमोरेंडम के तौर पर दिया तीर-धनुष

हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला बाहर : प्रधानमंत्री

AGENCY KERAL : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 17 जनवरी को आंध्र प्रदेश-केरल दौरे पर हैं। बुधवार (17 जनवरी) की सुबह पीएम मोदी ने केरल के गुरुवायूर मंदिर और त्रिप्रयार श्रीराम मंदिर में पूजा की। दोपहर करीब 1 बजे उन्होंने कोच्चि में कोचीन शिपयार्ड से जुड़े 4000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने एनार्कुलम में भाजपा के शक्ति केंद्र प्रभारियों के सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा- हमें वोटर को बताना होगा कि 10 साल पहले देश में एक कमजोर सरकार थी। तब आए दिन आतंकी हमले होते थे। आज भारत को दुनिया विश्व मित्र के रूप में देख रही है। गल्फ देशों में भारतीयों का सम्मान बढ़ा है।

पीएम ने कहा- कांग्रेस ने पांच दशकों तक सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया। पिछले 9 सालों के दौरान हमारी सरकार में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। इससे पता चलता है कि हमने विकास के लिए जो रास्ता चुना है वो सही है। मोदी ने भाजपा कार्यकताओं को जीत का फॉमूर्ला देते हुए कहा- हमारा संकल्प होना चाहिए हम अपना बूथ जीतेंगे। हम एक बूथ जीत सकते हैं तो केरल में चुनाव जीत सकते हैं। आपको अधिक मेहनत करनी होगी और हर मतदाता पर ध्यान देना होगा। केरल में सत्तारूढ़ छउ्न्र और विपक्षी गठबंधन वउ्न्र का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्टाचार के इतिहास का पर्याय है। हमें ये लोगों तक पहुंचाना होगा।

मोदी के भाषण की पांच अहम बातें

- भाजपा सरकार की प्राथमिकता है कि देश के सामान्य नागरिकों की कमाई के साथ बचत भी बढ़े। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलने से देश के लोगों को 1 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है।
- दस साल पहले 2 लाख रुपए से ज्यादा की इनकम पर टैक्स लगता था। भाजपा सरकार ने तय किया 7 लाख रुपए तक की इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। दस साल के दौरान टैक्स पेयर के लगभग ढाई लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है।
- भाजपा सरकार ने मोबाइल और मोबाइल डेटा सस्ता किया है। दस साल पहले मोबाइल डेटा की जो कीमत थी, आज भी वही रहती तो आपका मोबाइल बिल 5 हजार रुपए हर महीने आता। हमारी सरकार में देश के लोगों को हर महीने मोबाइल बिल पर चार से साढ़े चार हजार रुपए की बचत हो रही है।
- कुछ ही दिन पहले अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण करते हुए मैंने केरल में रामायण से जुड़े 4 पवित्र मंदिरों की बात की थी। केरल के बाहर बहुत लोग नहीं जानते कि ये मंदिर राजा दशरथ के पुत्रों से जुड़े हैं। ये सौभाग्य की बात है कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतीष्ठा से कुछ दिन पहले ही मुझे श्री रामास्वामी मंदिर में दर्शन करने का अवसर मिला।
- भारत जब समृद्ध था, जब ग्लोबल ऋछ्ठ में हमारी भागीदारी बहुत बड़ी थी। तब हमारी ताकत हमारे बंदरगाह थे, हमारी बंदरगाह शहर थीं। आज जब भारत फिर से वैश्विक व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन रहा है, तो हम फिर से अपनी समुद्र शक्ति को बढ़ाने में जुटे हैं।

डीईओ व कंप्यूटर ऑपरेटर एक लाख घूस लेते गिरफ्तार

PHOTON NEWS GUMLA : एसीबी रांची की टीम ने बुधवार को गुमला में बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी सुनील शेखर कुजूर और कंप्यूटर ऑपरेटर अनूप किंडो को एक लाख रुपये रिश्वत लेते कार्यालय से रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम दोनों को अपने साथ रांची ले गई। जानकारी के अनुसार माघी उच्च विद्यालय सिसई की एचएम कुंती देवी की शिकायत पर एसीबी की टीम ने यह कार्रवाई की।

बता दें कि जिला शिक्षा पदाधिकारी सुनील शेखर कुजूर ने पिछले 12 मई 23 को माघी बालिका उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया था और निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर स्पष्टीकरण मांगा था। वादिनी ने 12 दिसंबर 23 को स्पष्टीकरण समर्पित करते हुए दोषमुक्त करने का आग्रह किया था। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने दोषमुक्त करने के लिए एचएम कुंती देवी से एक लाख रुपये की मांग की थी। विधिवत सत्यापन के बाद वादिनी की शिकायत पर एसीबी थाना रांची में कांड दर्ज किया गया और गुरुवार को एसीबी की टीम ने एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी सुनील शेखर कुजूर और कंप्यूटर ऑपरेटर अनूप किंडो को गिरफ्तार कर लिया।

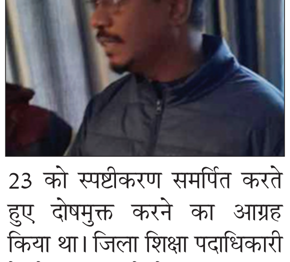

गौरवशाली पर्यटक स्थल आगरा

कैसे जाएं - यहां के लिए विमान सेवा की सुविधा है। 7 किलोमीटर की दूरी पर हवाई अड्डा है। आगरा के समीप 4 रेलवे स्टेशन हैं-आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ईदगाह आगरा जंक्शन और राजा की मंडी। सड़क मार्ग द्वारा देश के विभिन्न भागों से जुड़ा है।

अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर आगरा देश-विदेश में लोकप्रिय पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां की प्राचीन धरोहर मुगल काल की याद ताजा कर देती हैं। बात चाहे मो हब्बत की निशानी ताजमहल की हो या आगरा के किले की या फिर फतेहपुर सीकरी की, आगरा और उसके आसपास सारी ऐतिहासिक इमारतें एक से बढ़कर एक हैं। आगरा में विश्व की तीन सांस्कृतिक धरोहरें हैं। ताजमहल, आगरा का किला और फतेहपुर सीकरी। यह शहर यमुना नदी के तट पर बसा है। आगरा शहर को सकिंदर लोदी ने 1506 ई. में बसाया था। आगरा लंबे समय तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। इसकी लोकप्रियता के कारण ताजनगरी आगरा सिर्फ उत्तर प्रदेश का ही नहीं बल्कि भारत का गौरव है। इस गौरवशाली शहर की ऐतिहासिक इमारतों का दीदार करने चलें-

ताजमहल

विश्व के सात अजूबों में ताजमहल एक महत्वपूर्ण अनोखा स्थान रखता है। यह खूबसूरत प्यार का महल शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का मकबरा विश्व के सबसे मशहूर इमारतों में से एक है। इसे बनाने में बाइस वर्ष (1630-1652) लगे। इसे बनाने में 20,000 कारीगरों की अथक मेहनत लगी थी। इसका निर्माण 1653 में पूरा हुआ। पूरे संगमरमर में तराशा हुआ यह भारत का ही नहीं विश्व की भी अति उत्तम कृति है। यह मुगल शैली के चार बाग के साथ स्थित है जिसे फारसी वास्तुकार उस्ताद ईसा खां के दिशा निर्देश में यमुना नदी के किनारे बनवाया गया। इसके ऊपर 22 छोटे गुम्बद हैं जो इसके निर्माण वर्षो की संख्या बताते हैं। ताजमहल को एक लाल बलुआ पत्थर के चबूतरे पर बने सफेद संगमरमर के चबूतरे पर बनाया गया है। ताज की सर्वा धिक सुंदरता इसके इमारत के बराबर ऊंचे महान गुंबद में बसी है। यह 60 फीट व्यास का 80 फीट ऊंचा है। इसके नीचे मुमताज की कब्र है। इसके बराबर ही शाहजहां की भी कब्र है। अंदरूनी क्षेत्रों में रत्नों और बहुमूल्य पत्थरों का काम है। इसके साथ एक खबर- पर्य टकों के लिए शुक्रवार को बंद रहता है।

आगरा का किला

आगरा का दूसरा विश्व धरोहर है- आगरा का किला। जो शहर के बीचोंबीच सर उठाए खड़ा है। इसे लोग लाल किला भी कहते हैं। यह अकबर द्वारा 1565 में बनवाया गया था। बाद में शाहजहां ने इस किले का पुनरुद्धार बलुआ पत्थर से करवाया था। इस किले की मुख्य इमारतों में मोती मस्जिद, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल और मुसम्मन बुर्ज हैं। इसकी पूरी परिधि 24 किलोमीटर की है, जो दोहरे पर कोटेवाली किलेनुमा चहारदीवारी से घिरी है। शिवाजी 1666 में पुरंदरपुर संधि हेतु यहां आये थे। उनकी याद में एक बड़ी मूर्ति यहां स्थपित है। किले को देखने में आप का अच्छा-खासा समय लगेगा।

फतेहपुर सीकरी

मुगल सम्राट अकबर ने फतेहपुर सीकरी बसाई व अपनी राजधानी स्थानांतरित की। यह आगरा से 35 किलोमीटर दूर है। यहां अनेकों भव्य इमारतें बनवाई। यहां का बुलंद दरवाजा एक विश्व धरोहर स्थल है। बुलंद दरवाजा 53.63 मीटर ऊंचा और 35 मीटर चौड़ा है। यह लाल और शौकीन बलुआ पत्थर से बना है। जो नक्काशी और काले व सफेद संगमरमर से सजाया गया है। यहां पर दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास एवं पचीसी दरबार के अद्भुत प्राचीन वास्तुशिल्प को पर्यटक देखकर आनंदित और रोमांचित हो जाते हैं। मान्यता है कि सूफी संत शेख सलीम चिश्ती का घराना यहां पर ही था।

एतेमादुल्ला मकबरा

नूरजहां ने एतेमादुल्ला का मकबरा बनवाया था। यह उनके पिता ग्यासुद्दीन बेग, जो जहांगीर के दरबार में मंत्री थे, की याद में बनवाया गया था। मुगल काल के अन्य मकबरों सें अपेक्षाकृत छो टा हो ने से इसे श्रृंगारदान भी कहा जाता है। यहां के बाग, पीट्रा ड्यूरा पच्चीकारी व कई कलाकारी ताजमहल से मिलते हुए हैं।

जामा मस्जिद

जामा मस्जिद विशाल मस्जिद है। जो शाहजहां की पुत्री जहांआरा बेगम को समर्पित है। इसका निर्माण 1648 में हुआ था। यह अपने मीनार रहित ढांचे तथा विशेष प्रकार के गुंबद के लिए मशहूर है।

चीनी का रोजा

चीनी का रोजा शाहजंहा के मंत्री अल्लामा अफजल खां शकराउल्ल शिराज को समर्पित है। पारसी शिल्पकारी वाले चमकीले नीले रंग के गुम्बद के लिए यह जानी जाती है।

मेहताब बाग

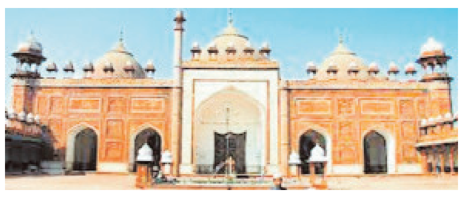

मेहताब बाग ताजमहल के विपरीत यमुना के किनारे उत्तर में स्थित है। यह सबसे पुराना मुगल उद्यान है। इसे बाबर ने सन 1528 में बनवाया था। यह उद्यान ताजमहल से 2.34 किलोमीटर दूर है।

स्वामी बाग

स्वामी बाग समाधि हुजूर स्वामी महराज शिवदयाल सिंह सेठ का स्मारक है। यह शहर के बाहरी क्षेत्र में है जिसे स्वामी बाग कहते हैं। वे राधास्वामी मत के संस्थापक थे। इसका निर्माण 1908 में आरंभ हुआ था। कहते हैं कि यहां कार्य कभी समाप्त नहीं होगा। इसमें`त संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

सकिंदरा

आगरा से 13 किलोमीटर दूरी पर महान मुगल सम्राट अकबर का मकबरा है। यह मकबरा उनके व्यक्तित्व की पूर्णता को दर्शाता है। अकबर ने स्वयं ही अपने मकबरे की रूपरेखा तैयार करवाई थी। उसी स्थान का चुनाव उसने स्वयं ही किया था। अपने जीवन काल में ही अपने मकबरे का निर्माण करवाना एक तुर्की प्रथा थी। जिसका मुगल शासक ने धर्म की तरह पालन किया। अकबर के पुत्र जहांगीर ने इस मकबरे का निर्माण 1613 में करवाया।

मरियम मकबरा

मरियम मकबरा अकबर की इसाई बेगम का मकबरा है। जो आगरा और सिकन्दराबाद के बीच में है। मुहम्मद कामिल खां कब जाएं कभी भी आगरा जा सकते हैं। वैसे नवम्बर से मार्च में जाना बेहतर है। सर्दियों के मौसम में घूमने और भी आनन्द आता है। आजकल आगरा में 'ताज महोत्सव' चल रहा है। इसकी शुरुआत 18 फरवरी को हो गई है , जो 27 फरवरी तक चलेगा। महोत्सव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होंगे।

केरल में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

आप प्रकृति प्रेमी हैं और प्रकृति की गोद में समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए केरल सबसे अच्छा जगह है। अगर छुट्टी की योजना बना रहे हैं तो केरल में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है जैसे बीच (समुद्र तट) और जंगल के रंगबिरंगे प्राकृतिक नजारे। केरल में कई आकर्षण है जैसे पर्वत-पहाड़, घास के मैदानों, चाय के बगान और वन्यजीव। केरल में इन जगहों पर यात्रा कर आप जोश और उत्साह से भर जाएंगे। क्योंकि यहां कि प्राकृतिक सुंदरता को देखकर आपको काफी संतुष्टि और आनंद मिलता है। केरल में ट्रैकिंग का आनंद उठाने के इन जगहों पर जाया जा सकता है।

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। मुन्नार में दक्षिणी भारत की सबसे ऊंची चोटी अनामुडी है जिसकी ऊंचाई लगभग 2695 मीटर है। यह चोटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ट्रैकिंग के लिए सही स्थान है। यहां ट्रैकिंग के रास्ते में इराविकुलम नेशनल पार्क है। यह अभयारण्य नीलगिरी की जाति को बचाने के लिए स्थापित किया गया था। मुन्नार में चाय की खेती सर्वाधिक रूप से की जाती है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है। यह फूल बारह वर्षो में केवल एक बार पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। वन विभाग से अनुमति लेकर अनामुडी पर चढ़ाई की जाती है।

अगस्त्यकूडम

पश्चिमी घाट का शानदार चोटी अगस्त्यकूडम एक तीक्ष्ण शंकु के रूप में 1890 मी. की ऊंचाई पर स्थित है। बोनाकॉड से लगभग 61 किमी की दूरी तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके चारों ओर घने वन घिरे हैं। एक मान्यता के अनुसार यह चोटी ऋषि अगस्त्य का निवास स्थल हुआ करता था। इस शिखर यानी चोटी पर महिलाओं को चढ़ने की अनुमति नहीं है। इस चोटी पर दुर्लभ जड़ी-बूटियां तथा वनस्पतियां पाई जाती हैं। इसकी ढालों पर नीलकुरंजी के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। नीलकुरंजी एक ऐसा फूल है जो बारह वर्षो में एक बार खिलता है।

चेंब्रा

चेंब्रा चोटी वायनाड जिले में मेप्पड्या शहर के पास स्थित है और यह इस जिले की सबसे ऊंची चोटी है। यह चोटी समुद्र स्तर से 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाटी का एक हिस्सा है। इस चोटी को वायनाड के किसी भी हिस्से से देखा जा सकता है। यह पर्यटकों का पसंदीदा ट्रैकिंग जगह है। कुछ जंगली जानवरों इस शिखर पर होते हैं। ट्रेकर को उन्हें देखने का मौका मिल सकता है।

चिम्मिनी

केरल के त्रिशूर जिले स्थित चेम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य पक्षियों पर नजर रखने का सही ठिकाने है। ट्रेकर अभयारण्य के बाहरी इलाके से यात्रा कर सकते हैं। घने जंगलों के माध्यम से यात्रा करना जंगल प्रेमियों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यहां पुंडा चोटी उच्चतम बिंदु है। चिम्मिनी में ट्रैकिंग कार्यक्रम वन विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। यहां अक्टूबर-मार्च यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है।

पयथल माला

केरल के कन्नूर जिले में एक हिल स्टेशन पयथल माला स्थित है जो घने जंगलों से पूरे तरह घिरा हुआ है। यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां पशुओं और पेड़-पौधों की कई विविध प्रजातियां पाई जाती हैं। इस क्षेत्र में पर्यटक 6 किमी. की दूरी तक चोटी से पहाड़ी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। पर्यटकों को घाटियों पर दिखने वाले अद्भुत नजारे प्राकृति शांति का अनुभव कराता है। यहां एक प्राचीन महल है जो पुराने जमाने के आदिवासी शासक (वैथलकॉन) के नाम पर है। इसी के नाम पर हिल स्टेशन पर स्थित है। पयथल माला को वैटल माला के नाम से भी जाना जाता है।

पहाड़ियों से घिरा इटली का खूबसूरत शहर ट्यूरिन

ट्यूरिन एक घनी आबादी वाला शहर है यह पहले कभी इटली की राजधानी हुआ करता था। यहां की सभ्यता, भाषा, खानपान बिल्कुल अलग है। इस शहर की गगनचुंबी इमारतें बहुत पुरानी हैं। इटली की मुद्रा लीरा है जिसका दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर से बहुत कम है इसलिए यहां वस्तुओं की कीमत हजारों, लाखों से शुरू होती है। मसलन खाने के लिए एक पिज्जा लगभग 10 से 12 हजार लीरा का आता है। यदि आप मकान खरीदने जाएंगे तो कम से कम तीनल्चार करोड़ लीरा देने पड़ेंगे। यदि आप घर का कुछ हल्काल्फुल्का सामान खरीदने जाएंगे तो कम से कम पचास हजार लीरा तो खर्च हो ही जाएंगे। यहां अधिकांश वस्तुएं उपयोग करो और फेंक दो वाली होती हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इटली में बाल कटवाने के लिए 20 हजार लीरा तक आपको देने पड़ेंगे।

ट्यूरिन के लोग इटालियन भाषा बोलना पसंद करते हैं। यहां शिक्षा भी इटालियन भाषा में दी जाती है। इटालियन भाषा के कुछ शब्द तो भारतीय बोलचाल की भाषा से काफी मिलतेल्जुलते हैं। जैसे कमीज को कमीचा, आज को ओज्जी व तुम को तू बोला जाता है। आधुनिकता के मामले में यहां के लोग अन्य यूरोपीय देशों से पीछे नहीं हैं।

ट्यूरिन पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इनमें प्रमुख है आल्पस। इटली के दक्षिण भाग में स्थित सिसली में विश्व प्रसिद्ध एटन नामक ज्वालामुखी है। यहां के लोग संगीत के शौकीन हैं। यहां लगभग हर घर में प्यानो होता है। यहां का मौसम अन्य यूरोपीय देशों की तरह परिवर्तनशील है। यहां पांच दिनों का सप्ताह होता है।

यहां के चौराहे बड़ेल्बड़े हैं जिन्हें प्रियात्सा कहा जाता है। यहां कई प्राचीन मीनारें हैं इनमें प्रसिद्ध पालातिनि टावर, प्रियात्सा कास्तेलो स्थित पलाजो मदामा व पुराने महलों में विक्टोरिया अमीदियो द्वारा बनाए गए हंटिंग लाज प्रसिद्ध हैं। ट्यूरिन का वानस्पतिक उद्यान बोटेनिकल गार्डन ट्यूरिन विश्वविद्यालय के मत्तीओली मार्ग पर है।

ट्यूरिन एक हराभरा शहर भी है। यहां पर अनेक पार्क और बागल्बगीचे हैं। उदाहरण के लिए वेलेंटिना पार्क जो पिछली शताब्दी के मध्य में इटली का पहला पार्क था। शहर के बाहरी छोर पर ला मंदरीना पार्क भी है इसका क्षेत्रफल 6,500 हेक्टेयर है।

ट्यूरिन के दर्शनीय स्थलों में यहां के संग्रहालय सबसे आकर्षक हैं। इंजिप्शियन संग्रहालय में लगभग 30 हजार देखने योग्य चीजें हैं। यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा संग्रहालय है। रायल आरमोरी यूरोप के बड़े संग्रहालयों में से एक है जिसमें 14 से 20वीं शताब्दी तक के हथियार रखे हुए हैं।

यहां का आटोमोबाइल संग्रहालय लगभग 10 हजार वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें पुरानी से पुरानी कारों का इतिहास है। इसमें इटली की पहली कार भी रखी हुई है। ट्यूरिन इटली का ऐतिहासिक शहर है जोकि विश्व भर के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

BRIEF NEWS

राज्यपाल से मिले विधानसभा अध्यक्ष

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने राज भवन में मुलाकात की। दोनों ने एक-दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल को विधानसभा अध्यक्ष ने झारखंड विधानसभा की ओर से प्रकाशित डायरी एवं वार्षिक कैलेंडर भेंट की।

मुना मुंडा ने झारखण्ड बिरसा सेना पार्टी का थामा दामन

RANCHI : इटकी रोड स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष रवि कुमार ने मुना मुंडा एवं उनके साथ आए युवा साथियों को माला पहना कर झारखण्ड बिरसा सेना पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मिलन समारोह कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के प्रधान महासचिव अभिषेक कुमार, जिला कमिटी के मुख्य सदस्य राजन तिर्की, विकाश कुमार, सदस्य अर्जुन लोहारा, आनंद शंकर, रामचरित्र महतो, राहुल सिंह, चिंटू उरांव, गौरव मुंडा, सनी मुंडा, प्रवीण मुंडा, अर्जुन मुंडा, विनायक मिश्रा, आदि सदस्य मौजूद थे।

24 घंटे में पांच मवेशियों का निधन, पशुपालक परेशान

RANCHI : पिठोरिया थाना क्षेत्र के राढ़हा गांव के पशुपालक किसान इन दिनों खासे परेशान हैं। जानकारी के अनुसार राढ़हा गांव के सिमलबेड़ा के किसान रामदेव महतो के पांच मवेशी का आकस्मिक निधन 24 घंटे के अंदर हो गया है। पीड़ित रामदेव महतो ने बताया कि सभी मवेशी स्वस्थ थे। किन कारणों से मवेशी की मौत हुई या किसी को समझ में नहीं आ रहा है। मवेशी की मौत से पीड़ित को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस आकस्मिक घटना से क्षेत्र के पशुपालक खासे चिंतित नजर आ रहे हैं। इस संबंध में पशुपालकों का कहना है कि स्थानीय जिला प्रशासन मवेशियों की चिकित्सा का उचित प्रबंध करें ताकि पशुपालकों को आर्थिक क्षति उठाना नहीं पड़े।

भाजपा नेताओं ने एयरपोर्ट पर रघुवर दास का किया स्वागत

RANCHI : ओड़िशा के राज्यपाल रघुवर दास के मुंबई से रांची आने पर बुधवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालों में हेमन्त दास, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल, महानगर अध्यक्ष केके गुप्ता, वरुण साहू, रिद्धि राज, रोमित नारायण सिंह, उमेश यादव, शुभम कुमार जायसवाल, संकेत तिवारी, अभिषेक कुमार, संजीव चौधरी सहित अन्य लोग शामिल थे।

atomy 美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हाईकोर्ट : धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम पर हुई सुनवाई

जुटेंगे दो लाख लोग, सुरक्षा बड़ी चुनौती : डीजीपी-सीएस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में बाबा बागेश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम मामले में बुधवार को सुनवाई हुई। इस सुनवाई में झारखंड के मुख्य सचिव और डीजीपी वर्चुअल मोड में हाजिर हुए। सुनवाई के दौरान पूरे मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने श्री हनुमंत कथा आयोजन समिति को दोबारा याचिका दायर करने को कहा। साथ ही दोनों अधिकारियों से हाई कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी है। हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की अदालत में सुनवाई हुई।

धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बाबा बागेश्वर का कार्यक्रम 10 से 15 फरवरी के बीच पलामू में तय था। बुधवार को हाई कोर्ट में सुनवाई के

बाद यह कार्यक्रम लगभग रद्द माना जा रहा है। जिला प्रशासन ने पहले बाबा बागेश्वर का कार्यक्रम रद्द कर दिया था, जिसके बाद प्रशासन के फैसले को चुनौती दी गई है।

प्रशासन की ओर से हाई कोर्ट में बताया गया कि कार्यक्रम में करीब दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने की बात कही जा रही है। इतनी बड़ी भीड़ के लिए सीसीटीवी, पार्किंग, शौचालय उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती होगी। प्रशासन का पक्ष सुनने के बाद हाई कोर्ट ने आयोजन समिति से कहा कि यदि आप कार्यक्रम की अनुमति के साथ श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं की मांग कर रहे हैं तो पूरी सूची के साथ नई याचिका दाखिल करें। हाई कोर्ट ने गुरुवार दोपहर 12 बजे तक याचिका दाखिल करने का समय दिया है।

पलामू में बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम को लेकर श्री हनुमंत कथा आयोजन समिति हाई कोर्ट गयी है। आयोजन को लेकर पिछले कई दिनों से हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिसंबर के पहले सप्ताह में बाबा बागेश्वर का कार्यक्रम पलामू के खनवा में आयोजित होना था। शुरूआत में जिला प्रशासन ने अनुमति दे दी थी। बाद में पर्यावरण को नुकसान का हवाला देते हुए अनुमति रद्द कर दी गई। बाद में आयोजन समिति ने कार्यक्रम स्थल बदलकर चैनपुर के ओडनार कर दिया, जहां बाबा बागेश्वर का कार्यक्रम 10 से 15 फरवरी तक निर्धारित किया गया।

हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक संजीव सिंह के एम्स में इलाज पर राज्य सरकार से मांगा जवाब

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या के मामले में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह की जमानत याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। मामले में जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की कोर्ट ने राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि एम्स में संजीव सिंह का इलाज शुरू हुआ है या नहीं। यदि इसका जवाब नहीं आया तो आईजी जेल को कोर्ट में हाजिर होना होगा। कोर्ट ने मामले की सुनवाई गुरुवार को निर्धारित की है। याचिकाकर्ता संजीव सिंह ने बीमारी का हवाला देते हुए 30 दिन के प्रोविजनल बेल का आग्रह कोर्ट से किया है। कोर्ट को बताया गया था कि संजीव सिंह गंभीर रूप से बीमार हैं। नीरज सिंह की हत्या के मामले में पूर्व विधायक संजीव सिंह 11 अप्रैल, 2017 से जेल में बंद हैं। इससे पूर्व भी हाई कोर्ट से संजीव सिंह की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है।

21 मार्च, 2017 को सरायढेला में नीरज सिंह समेत चार की हत्या हुई थी। 23 मार्च, 2017 को सरायढेला थाना में नीरज के भाई अभिषेक सिंह की लिखित शिकायत पर संजीव सिंह, मनीष सिंह, पिंटू सिंह, महंत पांडेय और गया प्रताप सिंह के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

खबरें राउरकेला की

जनसुनवाई में 115 शिकायतें प्राप्त, 19 का तत्काल समाधान

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के लाठीकाटा ब्लॉक में संयुक्त जनसुनवाई बुधवार को हुई। सुंदरगढ़ जिलापाल डॉ. पराग हर्षद गभली, एसपी मित्रवाणु महापात्र ने उपस्थित होकर लोगों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान ग्रामीणों ने अलग अलग तरह की 115 शिकायतें की। इसमे 19 शिकायतों का तत्काल समाधान किया गया। वहीं दूसरी ओर अन्य शिकायतों का 7 दिन में समाधान का आश्वासन दिया गया है।

आभूषण दुकान में डकैती की योजना बनाते छह धराये तीन पिस्तौल व छह जिंदा गोलियां जब्त

ROURKELA : उदितनगर पुलिस ने शहर में एक आभूषण दुकान को लूटने की योजना बनाते समय 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 3 पिस्तौल, एक खिलौना पिस्तौल, 6 राउंड जिंदा कारतूस, भुजाली, रॉड आदि बरामद किया गया है। पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि ये अपराधी बीती रात डीएवी तालाब के पास मैदान में योजना बना रहे थे। इसी दौरान पुलिस जब पहुंची तो 4 बदमाश मौके से भाग गए और 6 बदमाशों को पकड़ लिया गया। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल गोप, रोहित नायक, सोनू साहू, राजा यादव, सूरज महतो और मोहम्मद इरसाद शामिल हैं। सभी आरोपी प्लांटसाइट और उदीतनगर थाना क्षेत्र के है।

ऐतिहासिक श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना का उद्घाटन हुआ, एलईडी स्क्रीन से हुआ लाइव प्रसारण

ROURKELA : श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, 5 चेयरमैन वीके पांडियन और मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे।श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना का उद्घाटन सीएम नवीन पटनायक ने किए और हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना को जनता को समर्पित किया। श्रीमंदिर परिक्रमा' परियोजना का शुभारंभ को राउरकेला महानगर निगम द्वारा समारोह के सीधे प्रसारण के लिए विशेष व्यवस्था की है। इसी वजह से शहर के विभिन्न मंदिरों में 20 एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं।इन सभी मंदिर में सेक्टर 3 जगन्नाथ मंदिर, बसंती कॉलोनी जगन्नाथ मंदिर,देवगांव जगन्नाथ मंदिर,देवगांव जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-6 जगन्नाथ मंदिर, छेंड जगन्नाथ मंदिर,उदितनगर जगन्नाथ मंदिर,कोयल नगर में स्थित जगन्नाथ मंदिर,बंडामुंडा जगन्नाथ मंदिर, हनुमान बाटिका, लेबर टेनेमेंट शारला मंदिर। इन सभी मंदिरों में एलईडी टीवी के माध्यम से सबेरे 10 बजे से सीधा प्रसारण किया गया है।

बाबूलाल मरांडी ने की अपनी टीम की घोषणा

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के करीब साढ़े छह महीने बाद बाबूलाल मरांडी ने अपनी कार्यसमिति की घोषणा की है। बाबूलाल की नई टीम में 44 पदाधिकारियों को शामिल किया गया है। इनमें 12 प्रदेश उपाध्यक्ष, चार महामंत्री, 10 मंत्री, दो कोषाध्यक्ष, एक मीडिया प्रभारी, दो सह मीडिया प्रभारी, दो आईटी संयोजक, एक सोशल मीडिया प्रभारी और नौ प्रदेश प्रवक्ता रखे गये हैं। बाबूलाल मरांडी की नई कार्यसमिति में अधिकांश पुराने चेहरे हैं, लेकिन कुछ नए नेताओं को भी जगह दी गई है।

प्रदेश उपाध्यक्ष : नीलकंठ सिंह मुंडा, राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, भानू प्रताप शाही, विकास प्रीतम, जवाहर पासवान, लुईस मरांडी, बडकुंवर गगराई, अशोक भगत, कालीचरण सिंह, आरती कुजूर।

प्रदेश महामंत्री : आदित्य साहू, डॉ. प्रदीप वर्मा, मनोज सिंह, कर्मवीर सिंह (संगठन)

प्रदेश मंत्री : गणेश मिश्रा, मुनेश्वर साहू, सरोज सिंह, नंदजी प्रसाद, दुर्गा मरांडी, सुनीता सिंह, मुन्ना मिश्रा, दिलीप वर्मा, मनोज वाजपेयी, सीमा पासवान।

प्रदेश प्रवक्ता : प्रतुल शाहदेव, राफिया नाज, कुणाल षाडंगी, रमाकांत महतो, अरूण उरांव, जेबी तुबिद, अमित मंडल, विनय सिंह, अविनेश कुमार। प्रदेश कोषाध्यक्ष-दीपक बंका, मनीष जायसवाल। **प्रदेश कार्यालय मंत्री**-हेमंत दास। **प्रदेश मीडिया प्रभारी**-शिवपूजन पाठक। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी-योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाईक। प्रदेश आईटी संयोजक-विवेक विकास, अमर झा। प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी- राहुल अवस्थी।

अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में खेले गए चार मैच

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की मेजबानी में बुधवार को हुए 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2023-24 के अंतर्गत अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में कुल चार मैच खेले गए। प्रतियोगिता का आयोजन रांची के खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम के अलावा मोरहाबादी के मंदिर मैदान और फुटबॉल स्टेडियम में हुआ।

पहला मैच तेलंगाना बनाम विद्याभारती के बीच संपन्न हुआ, जिसमें विद्याभारती की टीम ने तेलंगाना को 1-0 से पराजित किया। दूसरा मैच छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु की बालिका टीम के बीच हुआ। इसमें तमिलनाडु की बालिका टीम ने छत्तीसगढ़ की टीम को 5-0 से पराजित किया। तीसरा मैच महाराष्ट्र बनाम विद्याभारती के बीच हुआ। इस मैच में महाराष्ट्र की टीम ने विद्याभारती की टीम को 8-0 के बड़े अंतर से पराजित किया।

केरल और छत्तीसगढ़ के बीच हुए मुकाबले में केरल ने दो गोल कर जीत अपने नाम की जबकि एक गोल कर छत्तीसगढ़ रनरअप रहा। आज का अंतिम मैच महाराष्ट्र और आंध्रा प्रदेश के बीच हुआ। इस मैच में महाराष्ट्र की टीम ने आंध्रा प्रदेश को 3-0 से पराजित किया।

दुमका की ताइक्वांडो खिलाड़ी ने रांची में की आत्महत्या

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएसपीएस) की ताइक्वांडो खिलाड़ी ने मंगलवार देर रात आत्महत्या कर ली है। खेलगांव थाना क्षेत्र के मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स परिसर में झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसाइटी के गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में खिलाड़ी का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पाकर जेएसएसपीएस के अधिकारी और खेलगांव पुलिस मौके से घटनास्थल पर गर्ल्स हॉस्टल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक की पहचान दुमका की रहने वाली कल्पना कुमारी के रूप में हुई है और वह पिछले पांच वर्षों से खेल गांव स्पोर्ट्स कंपलेक्स स्थित हॉस्टल में रहकर ताइक्वांडो की प्रैक्टिस कर रही थी। अंतरराज्यीय प्रतियोगिता में चयन नही होने से उदास थी।

रिम्स में हुआ तीन किलो के ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स के न्यूरोसर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने 17 वर्षीय बच्ची के सिर से करीब तीन किलो का ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया है। जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) निवासी इस बच्ची को जन्म से सिर और गर्दन के पीछे के एक ट्यूमर की वजह से चलने, सिर तथा गर्दन हिलाने में काफी परेशानी होती थी। इसे मेडिकल की भाषा में प्लेक्सीफॉर्म फॉर्म न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस कहते हैं। परिजनों ने कई अस्पतालों में इलाज के लिए भाग दौड़ की लेकिन ऑपरेशन की जटिलता को देखते हुए सभी ने इलाज करने से

इनकार कर दिया। अंततः यह बच्ची रिम्स के न्यूरोसर्जरी विभाग में प्रो (डॉ) सीबी सहाय की यूनिट में भर्ती हुई। न्यूरो सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी की टीम ने बुधवार को कई घंटों तक चले इस जटिल ऑपरेशन से ट्यूमर को हटाया। यह ट्यूमर काफी बड़ा था और रक्तस्राव वाला ट्यूमर होने की वजह से टीम को ऑपरेशन करने में काफी जटिलता का सामना करना पड़ा।

दो दिवसीय समीक्षा सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का शुभारंभ

कुपोषित बच्चों की पहचान व उपचार कार्य में तेजी लाएं अधिकारी : राजेश्वरी बी

PHOTON NEWS RANCHI : महिला बाल विकास समाज कल्याण विभाग की दो दिवसीय समीक्षा सह उन्मुखीकरण कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को किया गया। कार्यशाला में राज्य के 12 जिलों में समर अभियान कार्यक्रम के क्रियान्वयन की समीक्षा की गयी। विभाग की महानिदेशक राजेश्वरी बी ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका एवं मेडिकल पदाधिरियों को कुपोषित बच्चों की पहचान और उपचार कार्य में तेजी लाने निर्देश दिया।

कार्यशाला में उपस्थित राजेश्वरी बी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

समाज कल्याण निदेशक शशि प्रकाश झा ने समय पर कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उपचार पर जोर देने की बात कही। उन्होंने टीएचआर वितरण, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा अति गंभीर कुपोषित बच्चों को समर कार्यक्रम के तहत ससमय डिजिटल प्लेटफार्म पर तय मानक पर उपचार एवं परामर्श-सुविधा पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समर कार्यक्रम के तहत अबतक 25 हजार से अधिक चिन्हित अति गंभीर कुपोषित बच्चों को आंगनबाड़ी स्तर पर एसटीएस से सफल प्रबंधन कर उपचार किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि समर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान छह माह से छोटे शिशुओं का प्रबंधन सहित समर अभियान के विभिन्न अवयवों पर यूनिसेफ, एससीओई, रिम्स द्वारा तकनीकि प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

मंत्री ने खुद बहाल कर दिया अपने विभाग का सचिव, लेटर पैड वायरल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का एक लेटर पैड सोशल मीडिया पर वायरल है। इस लेटर पैड पर लिखा है कि आईएएस आलोक त्रिवेदी जो फिलहाल अभियान निदेशक के पद पर कार्यरत हैं, उन्हें अगले आदेश तक स्वास्थ्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है। इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के सचिव अरुण कुमार थे, जो 31 दिसंबर को सेवानिवृत हुए हैं। इसके बाद से ही यह पद खाली था। लेकिन मंत्री बन्ना गुप्ता ने खुद ही आलोक त्रिवेदी को उस पद का प्रभार दे दिया है। बताया जाता है कि मंत्री बन्ना गुप्ता या कोई भी मंत्री किसी भी आईएएस अधिकारी का तबादला नहीं कर सकते हैं। मुख्य सचिव अगर चाहे तो 30 दिनों के लिए किसी भी आईएएस को किसी दूसरे विभाग का या पद

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता

का प्रभार दे सकते हैं। बाकी आईएएस अधिकारियों के तबादले से जुड़ा कोई भी आदेश मुख्यमंत्री ही दे सकते हैं। लेकिन बन्ना गुप्ता ने अपने लेटर पैड पर आदेश जारी करते हुए आलोक त्रिवेदी को अगले आदेश तक स्वास्थ्य सचिव का प्रभार सौंप दिया है। इस मामले को लेकर पूर्व मंत्री सरयू राय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने इस आदेश का विरोध किया है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मिला अंजुमन फरोग ए उर्दू का प्रतिनिधिमंडल

PHOTON NEWS RANCHI : अंजुमन फरोग ए उर्दू का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल के नेतृत्व में शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार से मिला। यह शिकायत थी कि झारखंड सरकार उर्दू को खत्म करने की तैयारी कर रही है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर उर्दू शिक्षकों के 3712 पद को समाप्त करने की तैयारी में है। इस खबर से उर्दू भाषा से प्यार करने वाले लोगों और उर्दू में अपना भविष्य तलाश रहे छात्रों में गुस्से और निराशा की लहर फैल गई। इस संबंध में अंजुमन फरोग ए उर्दू के प्रतिनिधियों ने अपनी चिंता व्यक्त की। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में यह मामला उठा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि उर्दू के

लोगों को इस बात से खुश होना चाहिए कि सीटें पहले की तुलना में दोगुनी हो गई हैं। इस खबर को सुनकर अंजुमन फरोग ए उर्दू के प्रतिनिधि भी खुश हुए और शिक्षा विभाग और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उर्दू को लेकर हमें इस सरकार से निराश होने की कतई जरूरत नहीं है। इस मौके पर अंजुमन फरोग ए उर्दू के सदस्य डॉ. शगुफ्ता बानो, राशिद जमाल, कोषाध्यक्ष दानिश अयाज शिबली समेत अन्य मौजूद थे।

इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए सीपी राधाकृष्णन, 196 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

चुनौतियों को अवसर के रूप में देखें और आगे बढ़ें : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि यह समारोह न केवल हमारे उपाधिधारकों की शैक्षणिक उपलब्धियों का प्रतीक है बल्कि उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत का भी प्रतीक है। जीवन में चुनौतियों को अवसर के रूप में देखे और आगे बढ़ने का प्रयास करें। उन्होंने उपाधिधारक से जीवन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों का सामना भी उत्साहपूर्वक करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता दोनों जीवन में आएंगे, यदि सफल होना है तो अफलता का भी डटकर सामना करना है।

राज्यपाल बुधवार को रांची के आर्यभट्ट सभागार, रांची में आयोजित इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जितने भी

दीक्षांत समारोह में बोलते राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन। ● फोटोन न्यूज

महापुरुष हुए हैं उन्हें भी असफलता का सामना करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। स्वामी विवेकानंद ने कहा है-ह्यउठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक सफलता न मिलेह्ण। पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने भी कहा था ह्यसपने बड़े देखे और उसे पूरा करने के लिए आगे बढ़ते रहेंह्ण।

राज्यपाल ने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़े। टीम भावना के साथ कार्य करें। दूसरों की अच्छाई को देख कर अपने जीवन में उसे उतारने का प्रयास करें। अपनी दिनचर्या का पालन करें। सही दिशा में बढ़ते रहने के लिए अपनी दिनचर्या में एक घंटा का समय पुस्तकों के अध्ययन के लिए भी रखें। एक ही साथ कई लक्ष्य निर्धारित करने से दुविधा उत्पन्न होती है और लक्ष्य के प्राप्ति में कठिनाई होती है। अपने आचरण एवं सोच को संयमित रखे, इससे परिस्थिति आपके वश में रहेगा और उसे नियंत्रित किया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध रहें। यह सीख हमें प्रधानमंत्री से लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री लक्ष्य निर्धारित कर उसे कार्यान्वित करने के लिए लगातार प्रयास करते हैं। इसी का प्रतिफल है कि भारत विश्व में 5वीं अर्थव्यवस्था का देश बन गया है और तीसरी अर्थव्यवस्था का देश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के ह्यविकसित भारत 2047ह्ण दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए आगे बढ़ें। अपनी शिक्षा का उपयोग न केवल व्यक्तिगत उन्नति के लिए, बल्कि समाज के भलाई के लिए भी करें।

दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय ने 2023 में स्नातक करने वाले छात्रों को कुल 196 डिग्रियां दी गई,जिनमें 10 पीएचडी के छात्र शामिल हैं। आठ स्वर्ण पदक और आठ रजत पदक भी दिया गया।

लालू बोले राम मंदिर के उद्घाटन में नहीं जाएंगे

नीतीश से नाराजगी के सवाल को टाल गए : सीट शेयरिंग पर कहा इतनी जल्दी नहीं होता ये सब

एजेंसी

पटना । राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में 22 जनवरी को अयोध्या नहीं जाएंगे। लालू प्रसाद ने साफ शब्दों में ये बातें बुधवार को कही हैं। बीजेपी गठबंधन इंडिया के अंदर शीट शेयरिंग के सवाल पर लालू प्रसाद ने कहा कि शीट शेयरिंग इतनी जल्दी हो जाती है? सब हो रहा है। नीतीश कुमार से नाराजगी के सवाल पर कि आपने नीतीश कुमार को दही का टीका इस बार नहीं लगाया, लालू प्रसाद ने कुछ साफ नहीं कहा।राम मंदिर को लेकर सियासत तेज राम मंदिर को लेकर देश भर में सबसे अधिक राजनीति तेज है क्योंकि 2024 का साल लोकसभा चुनाव का साल है। इस पर लालू प्रसाद की पार्टी राम,

रामचरित मानस और मंदिर को लेकर तरह-तरह के बयान दे रही है। सावित्री बाई फुले जैसी समाजसेविका के बयान को सामने रखकर राजनीतिक लड़ाई लड़ने की कोशिश की गई। शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर, आरजेडी विधायक फतेह बहादुर सिंह और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के बयान इस बीच काफी चर्चा में रहे हैं। तेजस्वी ने तो यहां तक कह दिया था कि भूख लगेगी तो मंदिर जाएंगे क्या? वहां जाएंगे तो आपसे दान लिया जाएगा। राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह राम के अस्तित्व पर सवाल उठा चुके हैं, मंदिर पर सवाल उठा चुके हैं और मां सरस्वती सहित ब्रह्मा जी पर सवाल उठा चुके हैं। प्रो. चंद्रशेखर ने रामचरित मानस को उन्माद फैलानेवाला ग्रंथ कहा था। इस सब के बीच लालू प्रसाद ने अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि वे राम मंदिर उद्घाटन में नहीं जाएंगे। लालू प्रसाद की छवि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ देश में सबसे बड़ी रही है। उन्होंने आडवाणी का राम रथ रोका था। आडवाणी को गिरफ्तार किया था। इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग पर फंसा है पेंच इंडिया गठबंधन बनाने में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की बड़ी भूमिका रही है। इसकी सभी बैठकों में लालू प्रसाद मौजूद रहे हैं। अब शीट शेयरिंग की बारी है और इसको लेकर पेंच फंसा हुआ है। नीतीश कुमार की पार्टी की जिद लगातार दिख रही है कि वह 16 सीट की मांग कर रही है। माले और सीपीआई ने भी अपनी मांग रख दी है। आरजेडी ने अब तक इस बारे में कुछ नहीं कहा है। तेजस्वी यादव के साथ माले नेताओं की जो बैठक कुछ दिनों पहले हुई उसके बाद माले नेताओं का कड़ा बयान जेडीयू को लेकर आया था कि जेडीयू इस तरह का बयान न दे कि वह कितनी सीट लेगी। बता दें कई ऐसी सीटें है जिसे जेडीयू को इस बार छोड़नी पड़ी सकती है।

उसके बदले दूसरी सीटों पर समझौता करना पड़ सकता है। असली पेंच यहीं

संक्षिप्त डायरी

शिक्षक संघ 9 फरवरी को विधानसभा के बाहर देगा धरना

मुजफ्फरपुर । सीपीआई एमएलसी प्रो. संजय सिंह के पेंशन पर लगी रोक को लेकर अब शिक्षक संगठनों ने अपने आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया है। जहां शिक्षा और शिक्षकों के सम्मान को लेकर सूबे के विश्वविद्यालय स्तरीय शिक्षक और कर्मचारी संगठन आगामी 9 और 10 फरवरी को विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन करेंगे।विधान पार्षद प्रो. संजय कुमार सिंह ने बताया कि आन्दोलन की तैयारी के लिए आगामी 24 जनवरी को समन्वय समिति की विशेष बैठक पटना में बुलाई गयी है। समन्वय समिति की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी के बारे में एमएलसी प्रो. संजय कुमार सिंह ने बताया कि बिहार राज्य शिक्षक-कर्मचारी समन्वय समिति के नेतृत्व में बिहार विश्वविद्यालय समेत सभी विश्वविद्यालयों के शिक्षक और कर्मचारी 9 और 10 फरवरी को विधानसभा के समक्ष धरना देंगे।समिति के संयोजक व एमएलसी प्रो.संजय सिंह के अनुसार शिक्षा, संस्थान और संगठन की रक्षार्थ और शिक्षा-कर्मियों की सम्मानजनक स्थिति कायम करने के लिए समिति के नेतृत्व में अनुदानित माध्यमिक, इंटर, डिग्री महाविद्यालय, अंगीभूत महाविद्यालय व विश्वविद्यालय स्तरीय शिक्षक और कर्मचारी संयुक्त रूप से विधानसभा के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर मिलेगी वाई फाई की सुविधा

पटना । पटना नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस बात का फैसला निगम की बैठक में लिया जाएगा। दरअसल, शनिवार को पटना नगर निगम द्वारा सशक्त स्थाई समिति की 8वीं साधारण बैठक होनी है। मीटिंग में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाएंगे। कई एजेंडों पर मुहर भी लगेगी। कई मार्गों के नामकरण पर भी चर्चा होगी।राजीव नगर रोड नंबर-6 का नाम बदलकर सुशांत सिंह राजपूत मार्ग रखा जाएगा। वार्ड संख्या-45 अवस्थित विजय नगर 90 फीट सड़क से लेकर मिश्रा जी ट्रांसफार्मर तक सड़क का नाम राज नारायण राय पथ रखा जाएगा। पूर्वी बोरिंग रोड नागेश्वर कॉलोनी, वार्ड संख्या-25 स्थित कवि रमण पथ को स्व. ठाकुर प्रसाद के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा मालसलामी स्थित चौक चौराहे का नाम लहरी बाबा के नाम से नामकरण किया जाएगा। इसके साथ ही दलदली रोड का नाम स्व. कंसी साव के नाम पर रखा जाएगा।वहीं, भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 243 फीट आदमकद प्रतिमा गंगा घाट के नजदीक लगाई जाएगी। अब यह प्रतिमा किस घाट किनारे लगेगी इसका फैसला सशक्त स्थाई समिति की बैठक में लिया जाएगा। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 और आगामी त्योहार को देखते हुए हर एक वार्ड में 20-20 अतिरिक्त मजदूर रखे जाएंगे। वार्ड संख्या-70 के अन्तर्गत विभिन्न 5 स्थलों पर सबमर्सिबल बोरिंग के साथ 5 शीटेड शौचालय का निर्माण भी कराया जाएगा।

मोबाइल चोर को 500 मीटर तक ट्रेन से लटकाया

भागलपुर । भागलपुर में एक महिला ट्रेन में फोन से बात कर रही थी, तभी मोबाइल झपटमार मोबाइल लेकर भागने लगा। ट्रेन में बैठे लोगों ने मोबाइल चोर को पकड़ लिया। यात्रियों ने चोर को ट्रेन से लटका दिया। करीब 500 मीटर तक यात्री चोर को थप्पड़ मारते रहे। चोर ट्रेन से लटककर छोड़ने की गुहार लगता रहा। वो कहता रहा कि छोड़ दो भइया, मर जाएंगे, हाथ टूट जाएगा।घटना 16 जनवरी की बताई जा रही है। इसका वीडियो अब सामने आया है।मंगलवार को भागलपुर स्टेशन से खुलने वाली ट्रेन पर सवार होकर महिला सुल्तानगंज की ओर जा रही थी। इसी दौरान स्टेशन से जैसे ही ट्रेन खुली वैसे ही झपटमार ने मोबाइल झपट लिया, लेकिन ट्रेन में सवार यात्रियों ने उसे पकड़ लिया और ट्रेन में लटकाते हुए पांच सो मीटर तक लेते गए।वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि बोगी के अंदर से चोर का हाथ यात्री ने पकड़ रखा है। झपटमार बार-बार कह रहा है कि हाथ टूट जाएगा, लेकिन यात्रियों का गुस्सा नहीं थम रहा था।बार-बार उसे थप्पड़ पर थप्पड़ जड़ रहे थे।

सड़क पर हेलीकॉप्टर देखने जुटी भीड़

एजेंसी

अररिया ।अररिया के चांदनी चौक पर सड़क पर फराटे भरने वाली हेलीकॉप्टर को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। शहर के चांदनी चौक पर विधि व्यवस्था साधारण को लेकर नगर थाना पुलिस के एस आई बीपी मंडल व ट्रैफिक पुलिस के एस आई शाहिद खान के नेतृत्व में वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान नगर थाना पुलिस व ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सड़क पर फराटा भर रहे मॉडिफाई किए गए बिना नंबर के हेलीकॉप्टर को रोका गया। हालांकि हेलीकॉप्टर रोकने के बाद पुलिस ने हेलीकॉप्टर के पीछे नंबर प्लेट लगा देखा, जिसके बाद पुलिस के द्वारा मॉडिफाई किए गए हेलीकॉप्टर की कागजात सहित अन्य चीजों की जांच की गई। बारात लेकर सुपौल जा रहे थे इस दौरान पुलिस ने मॉडिफाई किए गए हेलीकॉप्टर के अंदर दूल्हे व दूल्हे के दोस्त को बैठा देखा जो अपनी दुल्हन को लाने सुपौल कि और जा रहे थे। इस दौरान मॉडिफाई किए गए हेलीकॉप्टर को देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और लोग सेल्फी लेते नजर आए। जिससे सड़कों पर हर तरफ जाम की समस्या उत्पन्न होने लगी।जिसके बाद नगर थाना पुलिस व ट्रैफिक पुलिस के द्वारा आनन-फानन में मॉडिफाई किए गए हेलीकॉप्टर को छोड़ दिया गया। वही मॉडिफाई किए गए हेलीकॉप्टर के चालक समीर ने बताया कि यह गाड़ी किशनगंज जिले के टेढ़ा गाछ की है। जो अररिया जिले के सिकटी प्रखंड से बारात ल] ही हेलीकॉप्टर का रूप दे दिया, जो हवा में तो नहीं उड़ सकी पर सड़कों पर हवा में फराटे जरूर भर रही है।

किताब लाने गया छात्र हुआ लापता

एजेंसी

गया । गया में 12 साल का बच्चा लापता हो गया है। पिता का कहना है कि उनका बेटा शुभम कुमार(12) मंगलवार की दोपहर किताब लाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। घर वाले किसी अनहोनी की आशंका से परेशान हैं। इस मामले को लेकर डोभी थाना में आवेदन दिया गया है।किताब लाने की बात कह निकला थाफल

विक्रेता पिता शंभू केसरी ने बताया कि उनकी डोभी के चतरा मोड़ पर फल की दुकान है। दोपहर लगभग 3 बजे जब वे घर से अपनी फल दुकान पर आए, तब उनका बेटे ने कहा कि पापा हम गया मोड़ से स्कूल के लिए दुकान से किताबें लेकर आ रहे हैं। लेकिन वह देर शाम तक नहीं लौटा तो परिजन काफी परेशान हो गए। उसे चारों ओर ढूंढने लगे,जान पहचान वाले से लेकर रिश्तेदारों से भी संपर्क किया गया। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका।

देर रात डोभी थाने लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत के बाद डोभी थाने की पुलिस फल विक्रेता शंभू केसरी के पुत्र शुभम कुमार की तलाश में जुट गई है। डोभी थाना क्षेत्र के कुशा गांव निवासी फल विक्रेता शंभू केसरी का 12 वर्षीय पुत्र डोभी स्थित एक प्राइवेट स्कूल में सातवीं क्लास में पढ़ता है। इसी स्कूल के लिए मैथ की बुक लेने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान वह कहीं लापता हो गया।

बैंक से अवैध तरीके से निकाला 25 हजार

एजेंसी

पटना । पटना में बैंक के खाते से अवैध रूप से 25000 रुपया की निकासी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पैसा निकलने के बाद बैंक में इसकी शिकायत की। शिकायत के बाद पैसा दोबारा उसी खाते में पैसा वापस हो गया। फिर 10 दिन बाद खाते से पैसा निकाल लिया गया। फिर बैंक में शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।फर्जी तरीके से 25 हजार निकालापटना मेंहदीगंज के रहने वाले अशोक चौधरी के खाते से किसी ने फर्जी तरीके से 25 हजार की निकासी कर ली। अशोक ने मेंहदीगंज में इसके खिलाफ मामला

दर्ज कराया है। अशोक ने अपने आवेदन में बताया है कि मेरा इंडियन बैंक ओरिएंटल कॉलेज शाखा में खाता है। 16 दिसंबर को मेरे मोबाइल पर खाते से 25 हजार कटने का मैसेज आया। जबकि मैंने कोई पैसा नहीं निकला था।इस बात की मैने संबंधित बैंक में शिकायत की। जिसके एक दिन बाद मेरे खाते से पैसा वापस आ गया। 26 दिसंबर को फिर मेरे खाते से पैसा निकाल लिया गया। जिसके बाद मैने फिर से बैंक में इसकी शिकायत की। बैंक में कहा गया कि आपका पैसा आपको मिल जाएगा।लगातार बैंक के चक्कर लगाने के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई ना ही मेरे पैसे वापस हुए।ट्रेन में अटेंडेंट का काम करता है पीड़ित मेंहदीगंज थाने के सब इंस्पेक्टर अवधेश सिंह ने बताया कि अशोक चौधरी के खाते से इनके बिना मर्जी के 25000 रुपए निकाल लिए गए है। अशोक ट्रेन में अटेंडेंट का काम करते हैं। अशोक मूल ख्]ाते में भेजे गए है। इस बात की जानकारी बैंक से मांगी गई है।अगर किसी ने जिस भी ब्रांच से कैश निकाला है तो निकासी के समय के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी। अगर किसी खाते में पैसा ट्रांसफर किया गया है ।

मौसी ने 4 साल के बच्चे को दिया जहर

आरा ।भोजपुर में उधार नहीं देने पर मौसी ने अपनी बहन के चार साल के बेटे को जहर दे दिया। बच्चे को गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पीरो थाना के पीरो गांव का है।मंगलवार की देर शाम पैसे नहीं देने से गुस्से में आकर मौसी ने अपनी बहन के बेटे सरफराज(4) को जूस पिलाने के बहाने जहर पिला दिया।जहांगीर की पत्नी सोनी खातून शादी के बाद से ही पीरो गांव अपने मायके में ही किराए का मकान लेकर रहती है। शादी के बाद सोनी खातून के तीन बेटे समीर,इमरान,सरफराज और एक बेटी जोया है।इधर,सरफराज की मां सोनी खातून ने बताया कि

उसका पति मुंबई में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता है। इसके कारण वह शादी के बाद से अपने मायके पीरो में ही किराए का मकान लेकर अपने बच्चों के साथ रहती है और उसकी बहन की भी शादी उसी गांव में हुई है।कुछ दिनों से उसकी बहन के पति ने उससे बीस हजार रुपए कर्ज मांगे थे। मैंने देने से उसने मना कर दिया। इस बात को लेकर वह कह रहा था कि अगर तुम मुझे पैसा नहीं दोगी तो मैं तुम्हें और तुम्हारे बच्चे को रहने नहीं दूंगा।मंगलवार की देर शाम उसी पैसे के विवाद को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। इसके बाद उसकी बहन ग्लास में जहर घोलकर लाई और उसके बच्चे को कहा कि ले बाबू जूस पी ले और उसने उसे जहर दे दिया। इससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गई। जिसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया।घायल बच्चे की मां सोनी खातून ने अपनी सगी बहन पर ही अपने बेटे को जूस में जहर घोलकर देने का आरोप लगाया है। इमरजेंसी के ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि मासूम बच्चे का प्राथमिक इलाज कर दिया गया है।

10 अपराधियों पर इनाम की घोषणा

जहानाबाद । जहानाबाद टॉप 10 अपराधियों पर पुलिस ने इनाम की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि श्याम यादव पर 25,000 जो चीरी गांव का निवासी है। केशव कुमार पर 50,000 दरियापुर गांव का निवासी। चुन्नू शर्मा देवरिया टोला निवासी पर 25 हजार, सर्वेश कुमार पर 25,000, कमलेश शर्मा पर 50,000, गॉड तिवारी पर 50,000 इनाम रखा गया है। उन्होंने बताया कि सभी अपराधी कई कांड के अभियुक्त हैं। कई महीनों से फरार हैं। पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है, लेकिन गिरफ्तारी नहीं हो रही।गिरफ्तारी के लिए सभी थाना अध्यक्षों को निर्देश एसपी दीपक

रंजन ने बताया कि जिले में अपराध को नियंत्रित करने के लिए अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जो लोग वारंटी हैं, फरार हैं उन लोगों को गिरफ्तार करने के लिए सभी थाना अध्यक्षों को निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार अपराधियों पर कार्रवाई कर रही है। अपराध गोष्ठी में सभी थाना अध्यक्षों से प्राथमिकी के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी ली जाती है।

खेत में पिता पुत्र की पिटाई

एजेंसी

आरा । भोजपुर के सहार थाना के ननउर गांव में मंगलवार को पूर्व के विवाद को लेकर गांव के दबंगों ने पिता-पुत्र की लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद अन्य परिजनों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। मारपीट की घटना में दोनों बुरी तरह जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के सहार रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया।घायलों में सहार थाना के ननउर गांव निवासी संतोष सिंह(42) और उनका पुत्र छोटू सिंह(20) शामिल है। इधर,संतोष सिंह ने बताया कि आरोपियों ने सात माह पूर्व ट्रैक्टर की चाबी को लेकर मेरे बेटे छोटू सिंह से झगड़ा हुई थी। हालांकि उस समय बात खत्म हो गई थी। जब वह अपने खेत में आलू निकाल रहे थे। उसी दौरान गांव के छह से सात लोगों लाठी-डंडा लेकर वहां आ

पहुंचे और दोनों पिता-पुत्र की पिटाई कर दी।जिससे दोनों जख्मी हो गए। खून से लथपथ दोनों पिता-पुत्र खेत में गिर पड़े थे। मारपीट की घटना के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए सहार रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया।इसके बाद पीड़ित परिवारों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना पुलिस से की है। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

लालू के आशीर्वाद से नीतीश सीएम, ये गलत

एजेंसी

पटना । पटना के फतुहा में भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने राजद विधायक भाई वीरेंद्र के बयान पर पलवार किया है। उन्होंने कहा कि उनका बयान गले से नहीं उतर रहा है। लालू प्रसाद के आशीर्वाद से नीतीश कुमार सीएम है। यह मैं नहीं मानता हूं।हमारे मुख्यमंत्री विकास पुरुष के रूप में जाने जाते हैं। एक समय था, जब शाम 7 बजे के बाद कोई नहीं निकल पाता था। वहीं, आज रात 11 बजे तक लोग बाजार में घूमते हैं। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही देन है।अशोक चौधरी मंगलवार को फतुहा प्रखंड मुख्यालय परिसर में किए गए सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन करने पहुंचे थे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि

जो अयोध्या जाएगा, वहीं राम भक्त कहलाएगा। ऐसा नहीं है। भगवान राम कण-कण में हैं। अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार को निमंत्रण पत्र मिला है या नहीं। यह मुझे जानकारी नहीं है। वे खुद बताएंगे।विविधिता में एकता है देश उन्होंने आगे कहा कि हमारा देश विविधिता में एकता का देश है। हमारे यहां पूजा होती है। बोला जाता है कि धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, विश्व का कल्याण हो। हमारे यहां हर धर्म के लोग हैं। हर धर्म की अपनी मान्यता है।जीतन राम मांझी बड़े राजनीतिक भविष्यवक्ता हैंपूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा था कि राज्य हित में नीतीश कुमार बहुत जल्द बड़ा फैसला लेने वाले हैं। इसके जवाब में अशोक चौधरी ने कहा कि वे बड़े राजनीतिक भविष्यवक्ता हैं। पता नहीं उन्हें किन ग्रंथों से यह जानकारी मिलती है।नहीं मान सकता, लालू के आशीर्वाद से नीतीश कुमार सीएम हैंालू प्रसाद के आशीर्वाद से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। इसपर उन्होंने कहा कि हर पार्टी का अपनी-अपनी सुविधा के हिसाब से गठबंधन होता है। मैं ऐसा नहीं मान सकता कि लालू के आशीर्वाद से नीतीश कुमार सीएम हैं। हमारे मुख्यमंत्री विकास पुरुष के रूप में जाने जाते हैं।बीजेपी ने मेरी पार्टी को छोड़ा कहां हैबीजेपी ने कहा था कि कांग्रेस ने लालू यादव का करियर खत्म किया, वैसे ही नीतीश का करियर समाप्त कर देगी। इस पर उन्होंने कहा कि बीजेपी ने मेरी पार्टी को छोड़ा कहां है।सीएम नीतीश के प्रयासों से महिलाओं को मिला आरक्षणवहीं, उद्घाटन कार्यक्रम के बाद उन्होंने कहा कि यहां पंचायती राज व्यवस्था है। मुख्यमंत्री ने लगभग 2000 पंचायत सरकार भवन स्वीकृत किया है। हर एक पंचायत भवन 2 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। सीएम नीतीश कुमार के प्रयास से महिला, अति पिछड़ा, अनुसूचित जाति, जनजाति आदि वर्ग को आरक्षण का लाभ मिला है।

राम मन्दिर आन्दोलन में सम्मिलित रहे कारसेवकों का अभिनंदन, राष्ट्र चेतना मिशन ने किया सम्मान समारोह

संवाददाता

सिकंदराबाद। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में राष्ट्र चेतना मिशन के कारसेवक सम्मान समारोह की कड़ी में सिकंदराबाद में भी अयोध्या और जेल जाने वाले 60 से अधिक कारसेवकों का अभिनंदन किया गया। बुधवार को सिकंदराबाद के मेन बाजार सब्जी मंडी में स्थित आर्य समाज मन्दिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्र चेतना मिशन के अध्यक्ष हेमन्त सिंह ने उपस्थित कारसेवकों के योगदान को नमन करते हुए श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति हेतु सैकड़ों वर्षों के संघर्ष पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सनातन हिंदू समाज के सतत परिश्रम, धैर्य और सामूहिक योगदान से ही अयोध्या में पुनः भव्य मंदिर की शुभ घड़ी आई गई। 1990 कार सेवा के दौरान अयोध्या में कारसेवकों के वाहिनी प्रमुख रहे तथा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सिद्धपीठ सुनपेडा के महन्त स्वामी क्रांति महाराज ने तत्कालीन रामविरोधी सरकारों के निर्मम अत्याचार और प्रशासन की क्रूरता का वर्णन किया। उन्होंने उक्त आंदोलन में पुलिस की गोलियों से वीरगति को प्राप्त हुए असंख्य कारसेवकों को भावुक श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वयोवृद्ध स्वयंसेवक तथा 1990 और 1992 दोनों कारसेवा में अग्रणी रहे 93 वर्षीय वरिष्ठतम कारसेवक भजनलाल बोहरा ने भी अनेक संस्मरण साझा करते हुए इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए देश के संत समाज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा समस्त सनातन हिंदू समाज को बधाई दी। कार्यक्रम में प्रोफेसर सतीश चन्द्र , डॉक्टर नरेश कुमार, अनिल गोयल आदि सहित अनेक कारसेवकों ने भी अपने अनुभव प्रस्तुत किए। भाजपा के वरिष्ठ नेता पिंकी बोहरा एवं मोहित गौड़ एडवोकेट ने संयुक्त रूप से मंच संचालन किया। राष्ट्र चेतना मिशन अध्यक्ष हेमन्त सिंह, नगर पालिका चेयरमैन डॉक्टर प्रदीप दीक्षित, कार्यक्रम संयोजक मोहन सैनी, भाजयुमो जिला महामंत्री नवीन शर्मा, गौरव प्रताप सिंह, विकास सिंह, कोमल भाटी आदि सहित मंचासीन अतिथियों ने सभी कारसेवकों को फूलमाला एवं भगवा अंगवस्त्र के साथ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्रतीक चित्र भेंट किए। स्वस्ति वाचन एवं पुष्प वर्षा के साथ सभी का सामूहिक अभिनंदन किया गया। आयोजकों ने दिवंगत कारसेवकों के परिजनों को भी सम्मानित किया। कारसेवक सम्मान समारोह में डॉक्टर नरेश कुमार, भजन लाल बोहरा, सतीश चंद्र, अरुण प्रकाश, वीरेन्द्र सैनी, अवनीश गुप्ता, अनिरुद्ध शास्त्री, वीरेन्द्र मलिक, प्रमोद कुमार, मूलचंद गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, प्रेमचंद शर्मा, देवेन्द्र कुमार, ब्रह्म सिंह, धर्मपाल सिंह, जगदीश कुमार, सुभाष चंद्र, रामभूल सिंह, ओमवीर सिंह, प्रेमचंद निम, रमेश चंद जैन, जय प्रकाश गुप्ता, विवेकानंद सैनी, रमेश गुप्ता, विपुल, राकेश कुमार, राजेश सैनी, महेन्द्र शर्मा, राजेश जोशी, ज्ञानचंद जैन, आनंद जैन, अनिल कुमार, विजय कौशल, शरद अग्रवाल, कैलाश चंद, राज रतन, विकास कुमार, मोहन लाल, रामपाल, आशुतोष, जगत नारायण, सजन लाल पावड़िया, देवेन्द्र कुमार, जय प्रकाश सैनी, प्रशान्त कुमार, बृज भूषण गर्ग, जगदीश कौशल, डाल चंद सैनी, दौलत राम राणा, बालमुकुंद सैनी, सुधा रानी सैनी, सुशील शर्मा, संजय गर्ग, महावीर सैनी, राकेश, अनिल लोधी, महेश सैनी, लक्ष्मण दास, रामलाल लोधी, मनवीर तेवतिया, खजान सिंह, गुरुदयाल, अरविंद, विजय पाल सिंह, संजय लाल, राकेश गर्ग, कोमल भाटी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

देश की साँस्कृतिक विरासत को युवा पीढ़ी के साथ करा रही है आत्मसात डॉ. राजीव त्यागी

संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान में देश की सबसे प्रतिष्ठित कल्चरल सोसाइटी ह्यह्यस्पिक मैकेह्यह्य के संयुक्त तत्वाधान में देश के विख्यात बाँसुरी वादक प. रोनू मजूमदार के शानदार बाँसुरी वादन ह्यह्यताल तरंगह्यह्य का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें प. रोनू मजूमदार ने ह्यह्यराम आयेंगे, आयेंगे, राम आयेंगेह्यह्य एवं ह्यह्यश्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने मेंह्यह्य समेत ह्यह्यहे राम, हे राम - जग में साँचों तेरो नामह्यह्य व ह्यह्यपायोजी मैने राम रतन धन पायोह्यह्य समेत एक दर्जन से अधिक राम भक्ति की धुन बजाकर माहौल को पूरी तरह श्री राममयी कर दिया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/ संस्थान के श्री रविन्द्रनाथ टैगोर ओपन सांस्कृतिक ऑडिटोरियम में प. रोनू मजूमदार की बाँसुरी वादन लाइव कॉन्सर्ट ह्यह्यताल तरंगह्यह्य का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सुविख्यात बाँसुरी वादक प. रोनू मजूमदार, समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी स्पिक मैके की वाईस प्रेसीडेन्ट सुमन डूंगा, प्रधान सलाहकार प्रो. वी.पी.एस. अरोड़ा, कुलपति प्रो. राकेश यादव, सुप्रसिद्ध तबलावादक इन्द्रनील मलिक आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद प. रोनू मजूमदार ने बाँसुरी पर सबसे पहले ह्यह्यपायोजी मैंने राम रतन धन पायोह्यह्य की शानदार धुन बजाकर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। साथ ही आज के चर्चित गीत ह्यह्यराम आयेंगे, आयेंगे, राम आयेंगे - मेरी झोपड़ी के भाग्य आज खुल जायेंगेह्यह्य एवं ह्यह्यहे राम, हे राम - जग में साँचो तेरो नामह्यह्य धुन बजाकर सभी श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।इस अवसर पर समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में यह सांस्कृतिक आयोजन भगवान श्रीराम के प्रति हमारी अगाध आस्था का प्रतीक हैं। 22 जनवरी को संस्थान में दीये जलाकर एवं अतिशबाजी करके शानदार दीपावली मनायेंगे। इस अवसर पर सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, सलाहकार आर. एस. शर्मा, कुलसचिव डा. पीयूष पाण्डेय, डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. मोहित शर्मा, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. राम निवास शर्मा, डॉ. सर्वनन्द साहू, डॉ. ऐना एरिक ब्राउन, डॉ. एल. एस. रावत, आशी नायर, अरूण कुमार गोस्वामी, मारूफ चौधरी, अभिषेक जैन, आर. एस. बघेल, मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का शानदार संचालन डॉ. चारू सिंह ने किया।

प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने का मिल रहा गौरव अभय प्रताप

संवाददाता

कुशीनगर।अयोध्या में प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने का गौरव हम लोगों सभी को पुण्य की तरह मिल रहा है। भगवान श्रीराम सर्वकालिक, सर्व ग्राह्य और हम सभी के आर्दश पुरुष हैं। जिनके पदचिन्हों का अनुसरण करने से जीवन धन्य हो जाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही राम राज्य लाया जा सकता है। उक्त बातें अध्यक्ष श्रम पंजीयन अंशदान एवं नवीनीकरण समिति व बीओसीडब्ल्यू बोर्ड सदस्य अभय प्रताप नारायण सिंह ने देवरिया लोकसभा के गांव राम पुर बरहन दरोगा डीह में आयोजित श्री रामोत्सव समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कही। आगे कहा कि पांच सौ वर्षों बाद भव्य राम मंदिर का सपना साकार हुआ है। 22 जनवरी को इस पुनीत अवसर पर रामोत्सव अपने घरों में धूमधाम से मनाएं और हर घर में खुशी के दीप जलाएं। आगे श्री सिंह ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी व प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की भाजपा सरकार जन जन का विकास कर रही है। जनकल्याणकारी योजनाएं बिना भेद पात्रों को दिलाया जा रहा है। विकास व योजनाओं से कोई भी व्यक्ति वंचित नहीं रहेगा। इस अवसर पर जरूरतमंदों में श्री सिंह के सहयोग से कंबल बितरित किया गया। आयोजक पूर्व छात्र नेता अनुज सिह ने मुख्य अतिथि श्री सिंह, व एबीपीएसएस प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह का माल्यार्पण व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। गायक वैभव पाण्डेय के राम आ रहे हैं गीत पर लोग झूम उठे। समारोह में चंद्रशेखर सिंह, मोहन सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुनील सिंह, केदार चौहान, योगेन्द्र पटेल, श्रीनिवास कुशवाहा, सुनील गोंड, सिराज भाई सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे ।

धूमधाम से मनाया गया गुरु गोविंद सिंह का 358वां प्रकाश दिवस

संवाददाता

नानौता। 17 जनवरीनगर के सिख समुदाय द्वारा दशमपिता गुरू गोवन्दि सिंह का 358 वां प्रकाश दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान गुरूद्वारा साहिब में गुरुग्रंथ साहिब जी के पाठ के उपरांत प्रसाद वितरित किया गया। बुधवार को नगर के गुरूद्वारा साहिब श्री गुरू सिंह सभा में दशमपिता साहिब श्री गुरू गोविन्द जी का 358वां प्रकाश उत्सव हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही गुरूद्वारा साहिब परिसर गुरूग्रंथ साहिब जी का पाठ का आयोजन किया गया। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान ज्ञानी हरविन्द्र सिंह ने गुरू गोविन्द सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरू गोविन्द सिंह का जन्म सन 1666 को पटना साहिब में सिख धर्म के नौवे गुरू तेग बहादुर जी के यहा पर हुआ था। गुरू गोविन्द सिंह बचपन से ही तेजस्वी स्वरूप के साथ ही धार्मिक विचारो वाले रहे। उन्होने अपने जीवन काल में धर्म की रक्षा के लिए 14 लडाईया लडी। उन्होने धर्म की रखा के लिए खालसा फौज कर सार्जना की। गुरू जी केवल नौ वर्ष की अल्पआयु में गुरू गददी पर विराजमान हो गये थे। गुरूद्वारा साहिब में गुरूग्रथ जी के पाठ के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। धार्मिक कार्यक्रम में साध संगत ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हुए धर्मलाभ उठाया। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान प्रधान सरदार भूपेन्द्र सिंह खालसा ने संगत को गुरू गोविन्द सिंह के प्रकाश उत्सव की बधाईया दी। इस मौके पर सरदार अरविन्द्र सिंह काका, इंद्रजीत सिंह रिंकू, दलजीत कौर, रजविंद्र कौर, शमा कौर, परमजीत कौर, हरमीत कौर, मनप्रीत कौर, पिंकी कौर, रवनीत कौर, अमनप्रीत सिंह, अमरदीप सिंह, गगन कालड़ा, अमन सिंह, अमनदीप कालड़ा, कुलजोत सिंह रमन आदि मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के पदाधिकारीयों ने सोपा ज्ञापन

संवाददाता

बुलंदशहर । जनपद बुलंदशहर की स्याना तहसील के गांव हिंगवाड़ा के किसानों की कृषि भूमि को तहसील प्रशासन की मिली भगत से जिला अध्यक्ष सुनील लोधी के नेतृत्व में किसान कैलाश, अनिल सतीश बिजेंद्र आदि की साढ़े 12 बीघा कृषि भूमि जा रही गंगा हाईवे में उसका पुरा मुआवजा ना देकर साढ़े 8 बिघा का मुआवजा दिया है जबकि गंगा हाईवे में साढ़े 12 बिघा जमीन जा रही है और लेखपाल व कानुनगो नायब तहसीलदार, तहसीलदार ने कुछ किसानों को तो बिना जमीन जाने पर भी मिलीभगत से मुआवजा दिला दिया है पता चला आपस में उस पैसे का बटवारा किया है अबकि हमारे किसानों की 4 बिघा को बिना मुआवजा दिए ही जबरन माननीय न्यायालय के स्टे के बावजूद भी जबरन तहसील प्रशासन कब्जा करने की कोशिश में लगा हुआ है भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी के नाम का ज्ञापन तहसीलदार स्याना को सौंपा अगर बिना मुआवजा मिले जमीन से हाथ लगाया तो लिखा जाएगा एक नया इतिहास क्योंकि आंदोलन करने की तैयारी में जुट गए भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के पदाधिकारी जिसमें कालीचरण शर्मा, सुरेंद्र सिंह राघव, बंटी सिंह लोधी, नरोत्तम लोधी, सुरेंद्र चौधरी, मुकेश लोधी, नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे

जिला गन्नाधिकारी का अड़ियल रवैया नहीं बदला तो होगा आंदोलनः बलराम राव

संवाददाता

कुशीनगर। रामकोला चीनी मिल में गन्ना सप्लाई को किसान दर दर भटक रहे हैं । एक गाड़ी सट्टा वाले कम बेसिक कोटा के हजारों किसान बुग्गी- भैंसा नही होने के कारण अपने गन्ने की सप्लाई नही कर पा रहे हैं। जहां शासन की मंशा है कि छोटे सट्टा के किसानों को वरीयता के आधार पर पहले ही सप्लाई टिकट जारी कर दिया जाय । लेकिन जिला गन्नाधिकारी के अड़ियल रवैया से प्रति दिन सैकड़ों किसानों के बी.सी.18 वाले टिकट पर सप्लाई नही हो पा रहा है। और किसान अपना गन्ना औने पौने दम पर लुटाने को मजबूर हैं। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि बलराम राव ने गन्ना किसानों के इस समस्या को लेकर जिला गन्नाधिकारी को ज्ञापन दिया है। उन छोटे किसानों के समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि यदि उन गन्ना किसानों के हित को देखते हुए रवैया नही बदला तो किसानों के सहयोग से डीसीओ ऑफिस का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिन प्रति दिन लोगों का रकबा कम होता जायेगा और ऐसे खराब नीतियों के चलते किसान गन्ने की खेती से वंचित कर दिया जायेगा।जिले में सबसे छोटा ढुलाई का साधन का मोड बी सी 36 है, जिस सप्लाई टिकट पर वाहन सहित 75 कुंतल तौल हो रहा है।हजारों किसानों को बुग्गी भैंसा वाली बी सी 18 साधन का सप्लाई टिकट जारी कर उन्हे गन्ने की खेती से वंचित करने की साजिश है। श्री राव ने कहा की यदि 36 कुंतल से कम बेसिक कोटा के किसानों को सप्लाई के लिए अवसर नही मिलने से उनका बेसिक कोटा कभी भी नही बढ़ेगा और ऐसे में सप्लाई नही होने से गन्ना समितियों के कमीशन की भी हानि होगी। यदि उन सभी किसानों को कम से कम बीसी 36 मोड के साधन से सप्लाई की छूट नही हुई तो हम गन्ना किसान के साथ आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

पर्यावरण संरक्षण डीएम व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को कपड़े का झोला भेंट किया

संवाददाता

कुशीनगर।रोटरी क्लब कुशीनगर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई पहल के तहत कपड़े से बने झोला वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया है। इस जागरूकता अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी कुशीनगर उमेश मिश्रा और कसया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी अंकिता जैन को कपड़े का झोला प्रदान करके किया गया। जिलाधिकारी कुशीनगर ने रोटरी के इस जागरूकता अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पहल प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों का सामना करने का प्रयास है। सिंगल यूज प्लास्टिक से हमारे वातावरण पर सदियों तक विपरीत प्रभाव पड़ता है। पर्यावरण संरक्षण की ओर सभी को कदम बढ़ाना होगा तभी हम वातावरण स्वच्छ रख पाएंगे।कसया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी अंकिता जैन ने भी इस अभियान की प्रशंसा की और कहा कि यह एक सकारात्मक कदम है जो स्थानीय समुदाय को मिलकर पर्यावरण सुरक्षा में योगदान करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर रोटरी के संरक्षक राकेश जायसवाल, अध्यक्ष वाहिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, सह-कोषाध्यक्ष सदरे आलम, रक्तदान संयोजक विजय कृष्ण द्विवेदी, डॉ. सुनील सिंह, महीप राव और आदिल खान भी मौजूद रहे।

सिसवा - महन्थ में अखंड रामायण पाठ, यज्ञ व पूणार्हुति 22 जनवरी को

संवाददाता

, कुशीनगर।अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंर्तगत वार्ड संख्या 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर (सिसवा - महन्थ) में 22 जनवरी दिन सोमवार सायं चार बजे से अखण्ड रामायण पाठ, यज्ञ एवं पूणार्हुति कार्यक्रम आयोजित है। उक्त जानकारी आयोजक जितेंद्र विश्वकर्मा ने दी है। कहा कि अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर अखण्ड रामायण पाठ का भव्य तरीके से आयोजन किया गया है। उन्होंने विशिष्ट जनों व आम जन मानस से उक्त कार्यक्रम व प्रीति भोज में शामिल होने की अपील की है।

गोविंद सिंह अपने समय के धर्म उद्धारक थेः डॉ गौरव तिवारी

संवाददाता

कुशीनगर। गुरु गोबिन्द सिंह अध्यात्म और वीरता के अद्भुत संगम थे। कवि होने के साथ साथ आध्यात्मिक गुरु होना और उस पर भी ऐसा योद्धा जो सवा लाख से एक लड़ाने का दम भरता हो, अद्भुत है। उक्त बातें डॉक्टर गौरव तिवारी ने बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भन्ते सभागार में गुरु गोबिन्द सिंह की जयन्ती पर ह्यभारतीय संस्कृति और गुरु गोबिंद सिंहह्ल विषयक संगोष्ठी को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में धर्म की हानि होने पर उसका उद्धारक आने की बात कही गई है। गोविंद सिंह अपने समय के धर्म उद्धारक ही थे। डॉ तिवारी ने गुरु गोबिन्द सिंह के ग्रन्थों से उद्धरण देते हुए कहा कि एक योद्धा होने के बावजूद उन्होंने ईश्वर-प्राप्ति के लिये ह्यप्रेमह्ल को ही सबसे महत्त्वपूर्ण माना। हजारी प्रसाद द्विवेदी ने अपने ग्रन्थ ह्यसिख गुरुओं का पुण्य स्मरणह्ल में लिखा है कि गुरु गोबिन्द सिंह ने अनुदित एवं विभिन्न सन्तों द्वारा लिखित ग्रंथ का सम्पादन कराया जिसका वजन उस समय ह्यनौ मनह्ल था।उन्होंने भारतीय संस्कृति और गुरु गोबिंद सिंह के जीवन दर्शन के परस्पर सम्बन्धों को व्याख्यायित करते हुए गुरु गोबिन्द सिंह के आध्यात्मिक एवं दार्शनिक चिन्तन के महत्त्व पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ब्रजेश कुमार सिंह ने गुरु गोबिन्द सिंह के आदर्शों पर चलने हेतु छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। सारस्वत वक्ता प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर वीरेन्द्र कुमार ने गुरु गोबिन्द सिंह के नेतृत्व में लड़े गए प्रमुख युद्धों के कारणों एवं परिणामों पर विस्तृत विमर्श प्रस्तुत किया। ऐतिहासिक क्रम में घटनाओं का विवरण देते हुए उन्होंने गुरु गोबिन्द सिंह के पराक्रम और करुणा के अद्भुत सामंजस्य की सोदाहरण चर्चा की। खालसा पन्थ की स्थापना के घटनाक्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के नेतृत्व क्षमता एवं उनके पराक्रम का अत्यन्त रोचक वर्णन किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ अवनीश तिवारी ने गुरु गोबिन्द सिंह के जीवन के विविध पक्षों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए उनकी वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। प्रत्येक कालखण्ड में गुरु गोबिन्द सिंह के जीवन दर्शन की अनिवार्यता पर बल देते हुए अन्याय के विरुद्ध न्याय के लिये छेड़े गए धर्मयुद्ध को सही बताया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सारस्वत वक्ता प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर वीरेन्द्र कुमार ने गुरु गोबिन्द सिंह के नेतृत्व में लड़े गए प्रमुख युद्धों के कारणों एवं परिणामों पर विस्तृत विमर्श प्रस्तुत किया। ऐतिहासिक क्रम में घटनाओं का विवरण देते हुए उन्होंने गुरु गोबिन्द सिंह के पराक्रम और करुणा के अद्भुत सामंजस्य की सोदाहरण चर्चा की। खालसा पन्थ की स्थापना के घटनाक्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के नेतृत्व क्षमता एवं उनके पराक्रम का अत्यन्त रोचक वर्णन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्वलन एवं सरस्वती प्रतिमा के पुष्पार्चन से हुआ। महाविद्यालय के तृतीय वर्ष की छात्रा शाम्भवी मिश्रा एवं ममता गुप्ता ने स्वागत-गीत प्रस्तुत कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ सौरभ द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में डॉ इन्द्रासन प्रसाद, डॉ सत्यप्रकाश, डॉ कृष्ण कुमार जायसवाल, डॉ कमाल हसन, डॉ राकेश चतुवेर्दी, डॉ राकेश सोनकर, डॉ राजीव राय, डॉ राकेश राय, डॉ दुर्गविजय पाल सिंह, डॉ निरंकार राम त्रिपाठी, डॉ शशिकान्त पाण्डेय, डॉ सी पी सिंह सहित महाविद्यालय के अन्य आचार्य, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

ताकि सागर में भी सुरक्षित रहे देश

अदन की खाड़ी में होने वाली समुद्री डकैती का पिछले पखवाड़े भारतीय नौसेना ने जिस साहस से मुंहतोड़ जवाब दिया, उससे बेशक हमारा उत्साह बढ़ा है, लेकिन इस घटना ने समुद्री सुरक्षा की चुनौतियों को फिर से सतह पर ला दिया है। प्रशांत महासागर, हिंद महासागर और अटलांटिक महासागर से भारत ही नहीं, दुनिया के तमाम देशों का व्यापार होता है। सस्ता परिवहन होने के कारण विश्व का करीब 80 फीसदी व्यापार समुद्री रास्तों से ही होता है। भारत भी जितने मूल्य का अंतरराष्ट्रीय कारोबार करता है, उसका तकरीबन 70 फीसदी व्यापार समुद्र से होता है। इसमें भी हिंद महासागर इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां खाड़ी के देश हैं, जहां विश्व की 60-70 फीसदी हाइड्रोकार्बन ऊर्जा निकलती है। चूंकि दुनिया के तमाम मुल्क यहां से ऊर्जा आयात करते हैं, और इसके लिए वे समुद्री रास्तों का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए समुद्री डाकुओं की नजर यहां बनी रहती है। सवाल यह है कि जब सभी शक्तिशाली देशों की नौसेना यहां मुस्तैद रहती है, तब भी समुद्री लुटेरे अपनी मंशा में कैसे सफल हो जाते हैं? दरअसल, हिंद महासागर में आने-जाने के लिए मुख्यतः तीन रास्ते हैं- मलक्का जलडमरूमध्य, अदन की खाड़ी और हॉर्मुज जलडमरूमध्य। ये तीनों संकीर्ण रास्ते हैं। यहां से गुजरने के लिए मालवाहक जहाजों को अपनी रफ्तार धीमी करनी पड़ती है। मलक्का जलडमरूमध्य की कुछ जगहों को छोड़ दें, जहां आने-जाने वाले जहाज काफी करीब होकर एक साथ गुजर सकते हैं, बाकी इलाकों में दोनों तरफ के जहाज एक साथ नहीं चल सकते। इसीलिए डाकुओं को अपना काम करने में आसानी होती है। इन मालवाहक जहाजों पर घातक हथियार भी नहीं होते और लुटेरे ऐसे हथियारों से लैस होते हैं, जिसके कारण उनके लिए मालवाहक जहाजों पर कब्जा करना आसान हो जाता है। आंकड़े बताते हैं कि हर साल 1.6 लाख से लेकर 1.7 लाख मालवाहक जहाज अदन की खाड़ी और मलक्का जलडमरूमध्य के रास्ते हिंद महासागर से गुजरते हैं। यह मार्ग प्रशांत महासागर को अटलांटिक से जोड़ता है। ये जहाज विश्व के समुद्रों और महासागरों के उपयोग के लिए बने अंतरराष्ट्रीय ढांचे संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत आते-जाते हैं। ऐसा नहीं है कि यहां की संवेदनशीलता से दुनिया अनजान है। बड़ी ताकतें इसकी महत्ता को देखकर ही अपने युद्धपोत यहां तैनात रखती हैं और पलटवार भी करती हैं। इसी क्रम में पिछले दिनों अमेरिका और ब्रिटेन की नौसेना ने हूती ठिकानों पर हमले किए थे, जिससे यहां हलचल काफी तेज हो गई है। भारतीय नौसेना को यहां काफी अहमियत मिली हुई है। हम वैश्विक उद्देश्यों के तहत अपने रक्षा-कर्तव्यों का पालन करते हैं। हम यह नहीं देखते कि किस देश का जहाज संकट में है। यही कारण है कि जनवरी के पहले हफ्ते में जब सोमालिया के डाकुओं ने लाइबेरिया के मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया, तो सूचना पाते ही आईएनएस चेन्नई ने मोर्चा संभाल लिया और तमाम क्रू मेंबर सकुशल छुड़ा लिए गए, जिनमें 15 भारतीय भी थे। हमारी नौसेना इस व्यापार-मार्ग पर इसी तरह चौकसी करती है। आकलन है कि फिलहाल हमारे आठ से 10 युद्धपोत अरब सागर में निगरानी के कामों में जुटे हैं। मालवाहक जहाजों पर कब्जा या क्रू मेंबर के अपहरण के साथ-साथ समुद्र में यूएवी, यानी मानव रहित हवाई वाहन से हमले का खतरा भी बना रहता है। इसका इस्तेमाल डाकू भी कर सकते हैं व विरोधी देश भी। कहा जाता है कि दुश्मन देश यूएवी का इस्तेमाल करके भारतीय हितों को चोट पहुंचा सकते हैं। दिक्कत यह है कि ये कहां से दागे जा रहे हैं, इसका पता लगाना मुश्किल होता है, क्योंकि अरब सागर करीब 1,500 किलोमीटर चौड़ा है और किसी एक देश के लिए इस पूरे क्षेत्र पर निगरानी करना आसान नहीं। हमें समुद्र में चीन की विस्तारवादी नीतियों से भी चुनौती मिलती है। दक्षिण चीन सागर या काला सागर में भारत को भले सीधा नुकसान न हो, लेकिन चीन की मौजूदगी अब हिंद महासागर में भी बढ़ने लगी है, जिससे उसकी नीतियों का पता चलता है। चीन पैसों के बल पर हमारे पड़ोसी देशों को प्रभावित करने में जुटा है। वह भारत को घेरना चाहता है। श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह तो उसके हिस्से आ ही गया है, कोलंबो बंदरगाह तक भी उसके जहाज आने लगे हैं। ग्वादर में उसकी उपस्थिति है। म्यांमार में क्याउकफ्यू बंदरगाह उसके हाथों में है। वियतनाम की नई सरकार पर उसका प्रभाव स्पष्ट है। ऐसे में, हमें न सिर्फ अच्छे पड़ोसी का अपना कर्तव्य पूर्ववत निभाना होगा, बल्कि अतिरिक्त सतर्कता भी बरतनी होगी। हम कुछ क्षेत्रों में खुद को और मजबूत बना सकते हैं। मिसाल के तौर पर, हमें अपनी नौसेना को और कुशल बनाना होगा। समय के साथ चूंकि चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं, इसलिए भारतीय नौसेना को समुद्री गश्ती विमान- एमपीए दिए जाने चाहिए। एमक्यू-9 ड्रोन की खरीद भी जल्दी से जल्दी होनी चाहिए, क्योंकि यह एक घातक यूएवी है, जिससे निगरानी में काफी सुधार आने की संभावना है। हमें अन्य देशों से भी सहयोग अधिकाधिक बढ़ाना होगा, जिसके लिए ‘कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव’ को मजबूत करना आवश्यक है। यह कॉन्क्लेव दरअसल भारत, श्रीलंका और मालदीव के बीच त्रिपक्षीय सुरक्षा को लेकर बनाया गया था। खुफिया सूचनाओं को अधिक से अधिक साझा करने के प्रयास भी किए जा सकते हैं। समुद्री सुरक्षा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रयास संयुक्त राष्ट्र द्वारा भी हो सकता है। जिस तरह से संयुक्त राष्ट्र शांति सेना का गठन किया गया है, कुछ वैसी ही कोशिश समुद्री सुरक्षा के लिए एक सामूहिक सेना बनाकर की जा सकती है। इस ‘संयुक्त राष्ट्र समुद्री सुरक्षा बेड़ा’ का मकसद उन क्षेत्रों में चौकसी करना होना चाहिए, जो काफी संवेदनशील हैं। इसका दायित्व दुनिया के तमाम जहाजों को सुरक्षा मुहैया कराना होना चाहिए। आज लाल सागर से मालवाहक जहाज नहीं गुजरते। इसके बजाय वे नीचे होकर दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप होकर जाना पसंद करते हैं, जिससे उनको करीब 20 फीसदी अधिक ईंधन और समय खर्च करना पड़ता है।

राम जन्म भूमि के लिए संघर्ष और बलिदान का लंबा इतिहास

ANALYSIS

रमेश शर्मा

बाबरकाल में रामजन्म स्थान मंदिर को ध्वस्त कर मस्जिद बनाये जाने के बाद अकबरकाल में हिन्दुओं को एक चबूतरा बनाकर भजन करने की अनुमति मिल गई थी। वह चबूतरा औरंगजेब काल में नष्ट कर दिया गया, किंतु अवध के नवाब सदाअत अली के समय चबूतरा पुनः बहाल हो गया था। समय के साथ भारत की सभी स्थानीय सत्ताएं अंग्रेजों के अधीन हो गई थीं। तब 1858 में अंग्रेज कलेक्टर के समक्ष इस चबूतरे पर छत डालने की अनुमति देने के लिये आवेदन दिया गया था। इसका उल्लेख ₹अयोध्या रिविजिटेड₹ नामक पुस्तक में इसके अनुसार कलेक्टर ने रिपोर्ट मांगी जो एक दिसंबर 1858 को प्रस्तुत हुई। रिपोर्ट में चबूतरा और पूजन का विवरण है। मांगी गई अनुमति तो नहीं मिली लेकिन तार का एक बाड़ लगाकर विवादित भूमि परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई। इसके 27 वर्ष बाद 1885 में पहली बार मामला अदालत पहुंचा। निमोर्ही अखाड़े के महंत रघुबर दास ने फैजाबाद के जिला न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। उन्होंने अदालत से दो मांग की थी। एक बाबरी?ढांचे के बाहरी भाग में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाकर छत डालने की और दूसरी मांग इस स्थल के स्वामित्व देने की थी। यह मुकदमा लगभग दो वर्ष चला। जज ने हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार तो दिया है, किंतु वहां कोई पक्का निर्माण करने या स्वरूप में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। साथ ही स्वामित्व देने की मांग भी खारिज कर दी, लेकिन जज ने यह टिप्पणी अवश्य की कि ‘जो हुआ था वह अनुचित था’ इस याचिका के बाद अंग्रेज सरकार ने दोनों परिसरों की सीमा बना दी।

अयोध्या में रामजन्म स्थान मुक्ति के लिये सशस्त्र संघर्ष और बलिदान का लंबा इतिहास है। इतनी लंबी अवधि तक चलने वाली कानूनी लड़ाई का उदाहरण भी दुनिया में दूसरा नहीं है। कोई पांच सौ वर्षों के कुल संघर्ष में लगभग एक सौ साठ साल कानूनी लड़ाई के हैं। रामजन्म स्थान पर पक्के निर्माण के लिये पहली बार 1858 में प्रशासन को आवेदन दिया गया था और अदालत में पहला मुकदमा 1885 में दायर हुआ था। यह सारे विवरण लखनऊ और फैजाबाद के गजेटियर में मौजूद हैं। बाबरकाल में रामजन्म स्थान मंदिर को ध्वस्त कर मस्जिद बनाये जाने के बाद अकबरकाल में हिन्दुओं को एक चबूतरा बनाकर भजन करने की अनुमति मिल गई थी। वह चबूतरा औरंगजेब काल में नष्ट कर दिया गया, किंतु अवध के नवाब सदाअत अली के समय चबूतरा पुनः बहाल हो गया था। समय के साथ भारत की सभी स्थानीय सत्ताएं अंग्रेजों के अधीन हो गई थीं। तब 1858 में अंग्रेज कलेक्टर के समक्ष इस चबूतरे पर छत डालने की अनुमति देने के लिये आवेदन दिया गया था। इसका उल्लेख ₹अयोध्या रिविजिटेड₹ नामक पुस्तक में इसके अनुसार कलेक्टर ने रिपोर्ट मांगी जो एक दिसंबर 1858 को प्रस्तुत हुई। रिपोर्ट में चबूतरा और पूजन का विवरण है। मांगी गई अनुमति तो नहीं मिली लेकिन तार का एक बाड़ लगाकर विवादित भूमि परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई। इसके 27 वर्ष बाद 1885 में पहली बार मामला अदालत पहुंचा। निमोर्ही अखाड़े के महंत रघुबर दास ने फैजाबाद के जिला न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। उन्होंने अदालत से दो मांग की थी। एक बाबरी?ढांचे के बाहरी भाग में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाकर छत डालने की और दूसरी मांग इस स्थल के स्वामित्व देने की थी। यह मुकदमा लगभग दो वर्ष चला। जज ने हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार तो दिया है, किंतु वहां कोई पक्का निर्माण करने या स्वरूप में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। साथ ही स्वामित्व देने की मांग भी खारिज कर दी, लेकिन जज ने यह टिप्पणी अवश्य की कि ‘जो हुआ था वह अनुचित था’ इस याचिका के बाद अंग्रेज सरकार ने दोनों परिसरों की सीमा बना दी। इससे कुछ वर्ष शांति रही और दोनों पक्ष अपने अपने परिसरों में पूजन भजन एवं नमाज पढ़ते रहे । लेकिन यहां शांति अधिक दिनों तक न रह सकी। 1885 के न्यायालयीन निर्णय से पहले तो स्थिति सामान्य रही लेकिन कुछ समय बाद कट्टरपंथी उत्पाती तत्व पुनः सक्रिय हुये और पूजन भजन में बाधा डालने लगे। इसका संतों ने प्रतिकार किया। इससे आये दिन थोड़ा बहुत विवाद होने लगा। तब निमोर्ही अखाड़ा और गोरक्ष पीठ के आह्वान पर साधु-संत एकत्र हुये और रामजन्म स्थान की सुरक्षा का दायित्व संभाला। फिर 1934 में संतों ने चबूतरे का विस्तार और मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का प्रयास हुआ जो पुलिस ने विफल कर दिया। साल 1935 में गोरक्षपीठ पर दिग्विजयनाथ आसीन हुये। उन्होंने इस सत्याग्रह संघर्ष को आगे बढ़ाया। विवाद बढ़ा तो अंग्रेज सरकार ने यह पूरे क्षेत्र को अपने अधिकार में ले लिया तथा नमाज एवं पूजन दोनों पर प्रतिबंध लगा दिया। फिर 1946 में बाबरी मस्जिद पर शिया संगठन ने भी दावा किया किन्तु निर्णय हुआ कि बाबर सुन्नी मुसलमान था, इसलिए यह मस्जिद सुन्नियों की है। जुलाई 1949 में संतों ने मस्जिद के बाहर राम चबूतरे पर एक छोटा मंदिर बनाने का प्रयास किया। इस पर स्थानीय प्रशासन की सहमति तो नहीं दी पर आपत्ति भी न की। इससे राम चबूतरे पर अस्थाई राम मंदिर बनाने का काम आरंभ हो गया। इसका विरोध हुआ तो प्रशासन ने हस्तक्षेप करके निर्माण रुकवा दिया। कुछ महीने काम रुका रहा लेकिन 22 और 23 दिसंबर की रात मस्जिद परिसर में राम सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां प्रकट हुई। एक पक्ष का कहना था कि रामलला स्वयं प्रकट हुये जबकि दूसरे पक्ष का कहना था कि मस्जिद पर अधिकार करने के लिये रात में यह मूर्तियां रख दी गईं। इस पर भारी हंगामा हुआ और प्रशासन ने 29 दिसंबर को यह परिसर अपने अधिकार में लेकर रिसीवर बिठा दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई का मुस्लिम पक्ष ने समर्थन किया और हिन्दू पक्ष ने विरोध। यह विरोध दिल्ली तक पहुंचा। विवाद को सुलझाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोविन्द वल्लभ पंत को मूर्तियां हटाकर यथास्थिति बनाये रखने का पत्र लिखा, पर भारी जन विरोध को देखकर कलेक्टर कोई कड़ा कदम न उठा सके और मामला अदालत चला गया जिससे मूर्तियां यथास्थान रहीं। 16 जनवरी 1950 को एक याचिका अदालत में प्रस्तुत हुई, जिसमें मूर्तियां न हटाने और नियमित पूजन की अनुमति मांगी गई। याचिका में परिसर का स्वामित्व भी मांगा गया। यह याचिका गोपाल दास विशारत ने प्रस्तुत की थी। अदालत ने मूर्तियां यथास्थान बनाये रखने, केवल पुजारी द्वारा नियमित पूजन करने और जन सामान्य द्वारा केवल बाहर से दर्शन करने का आदेश दिया। इसके साथ प्रशासन द्वारा की गई तालाबंदी को भी यथावत रखने का आदेश दिया लेकिन स्वामित्व का मुकदमा विचाराधीन रखा। इसी बीच स्वामित्व एवं ताला खोलने और जनसाधारण को भीतर से दर्शन करने का एक और वाद महंत रामचरणदास की ओर से दायर हुआ। जिला अदालत में दोनों मामले लंबित रहे । शीघ्र निर्णय करने की याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय में लगी। 1955 में उच्च न्यायालय ने दोनों मुकदमों को जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिये। अब तक मुस्लिम पक्ष की ओर से न तो किसी ने परिसर पर दावा प्रस्तुत किया था और न मुकदमे में कोई हस्तक्षेप ही किया था। दोनों याचिकाकताओं ने जो मांग की जा रही थी, वह शासन से ही थी। 1959 में निमोर्ही अखाड़े ने अदालत में इस परिसर पर अपना मालिकाना हक होने का दावा पेश किया। अखाड़े का तर्क दिया कि 1885 में इस स्थान पर राम चबूतरे पर निर्माण तथा छत्र लगाने का दावा करने वाले महंत रघुवर दास निमोर्ही अखाड़े के थे अतएव पूरे परिसर पर उसी का स्वामित्व प्रमाणित है। दिसम्बर 1961 में विशारद एवं महंत रामचरणदास परमहंस द्वारा दायर याचिकाओं को बारह वर्ष पूरे होने में केवल चार दिन शेष थे। यह प्रावधान है कि यदि किसी स्वामित्व की याचिका में बारह वर्षों तक किसी कोई आपत्ति न हो तो वादी के पक्ष में निर्णय माना जाता है। दोनों याचिकाकर्ताओं को अपने पक्ष में निर्णय होने की उम्मीद बन गई थी तभी बारह वर्ष में केवल चार दिन पहले सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की तरफ से मोहम्मद हाशिम अंसारी ने पूरे परिसर पर मालिकना हक होने का दावा प्रस्तुत कर दिया है। हाशिम अंसारी ने मांग की कि रामलला की मूर्ति हटाकर ढांचे को हिंदुओं के अधिकार से लेकर मुसलमानों को सौंपा जाए। इस तरह 1950 से लेकर 1961 तक इस स्थल पर मंदिर और मस्जिद को लेकर कुल चार मुकदमे हो चुके थे। इसमें एक मस्जिद के दावे का और तीन मंदिर के। एक अप्रैल, 1984: दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रथम संसद में 575 धमार्चार्य उपस्थित हुये। धर्म संसद में मथुरा काशी और अयोध्या तीन तीर्थस्थलों की मुक्ति की मांग हुई।... छह दिसम्बर, 1992 को 11 बजकर 50 मिनट पर कारसेवकों का पहला जत्था विवादित परिसर के गुम्बद पर पहुंचा। गुम्बदों का गिरना आरंभ। लगभग 4.30 बजे तीसरा गुम्बद भी गिर गया। आठ दिसंबर को सुरक्षाबलों ने संपूर्ण परिसर को अधिकार में लिया। उनकी देखरेख में पूजा-अर्चना आरंभ हुई। 21 दिसंबर 1992 को अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने पूजा-अर्चना का काम हिन्दू समाज को सौंपने के लिए याचिका दायर की। एक जनवरी 1993 को हिन्दू समाज को पूजा अर्चना एवं भोग लगाने का अधिकार मिला। 2003 में विवादित स्थल पर पुरातात्विक शोध आरंभ हुआ। 2005 में आतंकवादी हमला हुआ लेकिन कोई विशेष क्षति नहीं। 2010 में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित परिसर को रामलला, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड तीनों में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया, जिसे तीनों ने अस्वीकार किया। उच्चतम न्यायालय में याचिका। 2011 में उच्चतम न्यायालय ने विवादित स्थल पर हाई कोर्ट के फैसले को निरस्त किया। आठ मार्च, 2019 को उच्चतम न्यायालय ने बातचीत से सुलझाने के लिए तीन सदस्यीय मध्यस्थता समिति गठित की। इस समिति में जस्टिस खलीफुल्ला, श्री श्री रविशंकर और वरिष्ठ वकील श्रीराम पंचू थे। नौ नवम्बर, 2019 को उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने पूरी विवादित जमीन हिन्दुओं को देने और मुस्लिम पक्ष को मस्जिद के लिये इस परिसर से दूर भूमि देने का आदेश दिया। पांच अगस्त, 2020 को राम मंदिर के लिए भूमि पूजन। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, महंत नृत्यगोपाल दास, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। 22 जनवरी, 2024 को नए राम मंदिर में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहेंगे। दरअसल यह शुभ घड़ी हिन्दुओं के संकल्प और संघर्षशीलता के कारण आ सकी। समय बदला, पीढ़ियां बदलीं पर संकल्प यथावत रहा और अब रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो रहे हैं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

भारत के खिलाफ मालदीव के कंधे पर चीन ने रखी बंदूक

चीन कुछ समय से भारत पर लगातार हमलावर है। चीन एलएसी का उल्लंघन निरंतर करता रहा है। लेकिन हर मोर्चे पर विफल रहने के बाद उसने भारत के खिलाफ अत्यक्ष युद्ध छेड़ दिया है। वह यह काम भारत के पड़ोसी देशों को अपनी कर्जजाल नीति में उलझाकर कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लक्ष्यद्वीप यात्रा के बाद जिस तरीके से मालदीव के तीन मंत्रियों- मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी पर जुबानी हमला किया, वह मालदीव का हमला नहीं है बल्कि उसने यह काम साम्राज्यवादी चीन के इशारे पर किया है। ध्यातत्व है कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू चीन के समर्थक हैं और वह अपने देश में भारत विरोधी राजनीति कर ही सत्ता में आए हैं। सितंबर 2023 में प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के उम्मीदवार मोइज्जू वहां के राष्ट्रपति चुने गए थे। उनका चीन के साथ मजबूत संबंधों पर जोर है। मोइज्जू ने भारतीय सैनिकों को मालदीव से बाहर करने के मुद्दे पर चुनाव लड़ा था। इसलिए ऐसा माना जा रहा था कि वह राष्ट्रपति बनने के बाद चीन के इशारे पर काम करेंगे। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि मालदीव के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी और भारत के खिलाफ जहर क्यों उगला? इसके पीछे निहितार्थ क्या थे? इसके पीछे चीन क्यों है? वास्तविकता तो यह है कि चीन केवल मालदीव को ही नहीं, बल्कि भारत के पड़ोसी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका सहित सार्क देशों में तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। इसके लिए वह इन देशों को अपनी कर्ज जाल नीति और विस्तारवादी नीति के तहत अपने चंगुल में फंसा रहा है। चीन ने नेपाल में 1.34 अरब डॉलर का निवेश किया है। नेपाल में ड्रैगन कई प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर चुका है। नेपाल में चीन एयरपोर्ट, रोड, कॉलेज, शॉपिंग मॉल तक बना रहा है और रेलवे लाइन बिछा रहा है। नेपाल भारत के लिए बहुत प्रासंगिक है लेकिन ओली सरकार ने भारत के साथ अत्यंत पुराने रिश्तों को बिगाड़ दिया था। हालांकि मौजूदा प्रधानमंत्री प्रचंड ने रिश्तों को सुधारने की अच्छी कोशिश की है। भारत के एक और पड़ोसी देश म्यामांर पर चीन लगातार लोन का बोझ डालता रहा है। उसने वहां के रखाइन में पानी के भीतर बंदरगाह बनाने का काम शुरू कर दिया है। म्यांमार का आर्थिक गलियारा, हाईस्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट, हाइवे और एक्सप्रेस-वे चीन के ही भरोसे हैं। इसके अलावा ड्रैगन अपनी वन बेल्ट वन रोड परियोजना के लिए वह म्यांमार से पहले दिसंबर 2016 में बांग्लादेश को अपने चंगुल में ले चुका है। वहां पायरा बंदरगाह भी 600 मिलियन डॉलर के निवेश से चीनी कंपनियां ही बना रही हैं। चीन और पाकिस्तान के बीच नजदीकी सर्वविदित है। भारत के खिलाफ किसी भी पाकिस्तानी गतिविधि में प्रायः चीन का हाथ रहता है। वन बेल्ट वन रोड परियोजना के तहत ही चीन वहां पर ग्वादर पोर्ट बना रहा है। इसके लिए पाकिस्तान को चीन ने 10 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के नाम पर चीन उस पर 62 अरब डॉलर के कर्ज का बोझ डाल चुका है। यही नहीं, चीन ग्वादर में ही ऐसी कॉलोनी बसा रहा है, जहां पांच लाख चीनी रहेंगे। ड्रैगन वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट के लिए श्रीलंका में भी अरबों डॉलर का निवेश कर चुका है। पहले तो चीन ने वहां के बंदरगाह विकसित करने के नाम पर लिए और फिर उन पर कब्जा ही कर लिया। यहां तक कि इनके किनारे की डेढ़ हजार एकड़ जमीन भी ले ली है। सर्वविदित है कि वर्ष 2022 में किस तरीके से श्रीलंका सरकार दिवालिया हो गई और वहां की जनता ने जमकर बवाल काटा था। इसके अलावा चीन भूटान और अफगानिस्तान जैसे भारत के करीबी देशों को भी पटाने में लगा रहता है। मालदीव के साथ सोशल मीडिया टिप्पणियों से शुरू हुआ विवाद राजनयिक रूप ले चुका है। सवाल यह है कि मालदीव के मंत्रियों ने ऐसा क्यों किया? क्या उन्होंने एक सुनियोजित रणनीति के तहत ऐसा किया? इसके जवाब में मैं कहना चाहूंगा कि जी हां, यह मालदीव के मंत्रियों ने आपत्तिजनक टिप्पणियां स्वेच्छा से नहीं कीं। जिस समय उन्होंने ये टिप्पणियां कीं, उस दौरान मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू चीन की ही यात्रा पर थे। चीन के इशारे पर ही भारत को घेरने की कोशिश की गई। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पद संभालने के बाद भारत से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद भारत की नहीं बल्कि चीन की यात्रा की। उन्होंने मालदीव से भारतीय 75 सैनिकों को हटाने की घोषणा की। हालांकि मालदीव, भारत का अच्छा पड़ोसी मित्र रहा है जब-जब मुसीबत आई भारत ने उसकी मदद की। नवंबर 1988 पीपुल्स लिबरेशन संगठन और मालदीव के विद्रोहियों ने 80 सशस्त्र लोगों के साथ देश का तख्ता पलट करना चाहा तो भारत ने 16 घंटे के भीतर 500 सैनिकों के साथ ऑपरेशन कैक्टस कर वहां की सत्ता को बचाया था। इस ऑपरेशन में भारत के कई सैनिकों ने बलिदान भी दिया। 2018 में ही भारत ने मालदीव को 140 करोड़ डॉलर का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। वर्ष 2020 में भारत ने मालदीव को चेचक के 30 हजार टीके मुहैया करवाए। इसके बाद कोरोना काल में वैक्सीन से लेकर आवश्यक स्वास्थ सुविधाएं भी दीं। सवाल यह है कि चीन मालदीव और भारत के अन्य पड़ोसी देशों में निवेश कर अपना प्रभुत्व क्यों बढ़ा रहा है? और अब ड्रैगन मालदीव को ढाल बनाकर भारत पर क्यों कर रहा हमला? वास्तविकता तो यह है कि भारत की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से देखें तो मालदीव काफी खास है। यह भारत के करीब है। इसलिए अगर मालदीव में चीन का कब्जा बढ़ता है तो यह भारत के लिए खतरा बढ़ना लाजमी है। भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। चीन पहले भी वर्ष 1962 में सीधा युद्ध कर और एलएसी का उल्लंघन कर गलवान घाटी में घुसपैठ का असफल प्रयास कर चुका है। अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व पांचवें नंबर पर आ चुकी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

भाजपा के नीति सिद्धांतों एवं प्रधानमंत्री जी के जन कल्याणकारी कार्यों से प्रभावित होकर आज प्रदेश कार्यालय में मनिका जिला परिषद सदस्य बलवंत सिंह, गारू प्रखंड पूर्व जिला परिषद सदस्य शिल्पा कुमारी, मनिका के पूर्व प्रखंड प्रमुख गायत्री देवी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान रांची विधायक सी. पी. सिंह जी एवं पार्टी पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का ‘एक्स’ पर पोस्ट)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की बहन श्रीमती राजेश्वरी बेन जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। महाप्रभु जगन्नाथ से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे। दुख की इस विकट घड़ी में शोकाकुल परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं।

(राज्यपाल ओडीसा रघुवर दास का ‘एक्स’ पर पोस्ट)

क्या कारण था 20 वर्षों तक पूर्व की सरकारों द्वारा झारखण्ड के लाखों गरीब और जरूरतमंद लोगों को पेंशन के अधिकार से वंचित किया गया था? और मात्र चार साल में पेंशनधारियों की संख्या 82 प्रतिशत बढ़ गयी है। यह आपकी झारखण्डी सरकार की संवेदनशीलता है अपने राज्य के लोगों के प्रति, उनसे किये गए वादे के प्रति। हम जो कहते हैं, वो करते हैं!

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का ‘एक्स’ पर पोस्ट)

बसपा अकेले रण में

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने उचित ही स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले ही लड़ेगी। इस घोषणा का सर्वाधिक असर 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश के परिणामों पर पड़ेगा। चूंकि मायावती अभी तक किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं हैं, इसलिए भी उनका अलग चुनाव लड़ना जमीनी राजनीति को प्रभावित करेगा। पिछले आम चुनाव में बसपा राज्य में दूसरे नंबर की पार्टी थी और उसे 10 सीटें मिली थीं। हालांकि, यह बात भी गौर करने की है कि पिछला लोकसभा चुनाव बसपा ने समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था। गठबंधन से ज्यादा लाभ बसपा को ही हुआ था, पर इस बार इन दोनों दलों के बीच समन्वय की सूरत नहीं बन पा रही है। वैसे, उत्तर प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा अलग होकर लड़ी थी और उसे केवल एक सीट पर जीत मिली थी। ऐसा माना जा रहा था कि भाजपा के खिलाफ बने विपक्षी ब्लॉक ‘इंडिया’ में वह शामिल हो जाएंगी, पर लगता है, दोनों पक्षों की ओर से गठबंधन के ठोस प्रयास नहीं हुए और अपने-अपने फायदे की राजनीति ने अपना रंग दिखा दिया। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से बसपा दूर ही रही है। भाजपा और बसपा की मिली-जुली सरकार तो उत्तर प्रदेश में रह चुकी है, मगर सामाजिकता और विचारधारा, दोनों ही स्तर पर भाजपा और बसपा के बीच एक तरह की तल्खी शुरू से रही है। सोमवार को बसपा की घोषणा से शायद ही किसी को आश्चर्य हुआ होगा। वैसे इंडिया ब्लॉक के नेताओं को मायावती को साथ लेने के लिए ज्यादा प्रयास करने चाहिए था। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि इंडिया ब्लॉक चूंकि फैसले लेने में काफी देरी कर रहा है, इसलिए बसपा जैसी अन्य संभावित सहयोगी पार्टियों के गठबंधन से बिदक जाने की आशंका बढ़ गई है। अब इंडिया की ओर से जितनी देरी होगी, उसे उतने ही ज्यादा नुकसान उठाने पड़ेंगे। मायावती का गठबंधन में शामिल न होना, वास्तव में भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे को ही बल प्रदान करेगा। मायावती ने लगे हाथ यह भी इशारा कर दिया है कि गठबंधन उनके लिए कभी फायदेमंद नहीं रहा है और इससे उन्हें नुकसान ही ज्यादा होता है। वैसे, उनकी इस दलील पर सियासी बहस संभव है। देश में शायद ही ऐसा कोई दल है, जिसने सियासी गठबंधन से लाभ नहीं उठाया हो। देश में अनेक दलों की सत्ता तो गठबंधन से ही संभव हुई है। हालांकि, बसपा का यह संकेत मानीखेज है कि चुनाव के बाद गठबंधन पर विचार किया जा सकता है। इसका मतलब यह हुआ कि आगामी लोकसभा चुनाव में बसपा अपने दम पर ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेगी, जिससे अन्य सभी पार्टियों के मत प्रतिशत पर असर पड़ेगा। मायावती का अपना वोट बैंक है और अगर वह मजबूती से लड़ेंगी, तो बड़े गठबंधनों के समीकरण को भी प्रभावित कर सकती हैं। सोमवार को 68 साल की होने के साथ उन्होंने ऐलान कर दिया है कि राजनीति से संन्यास लेने की उनकी कोई योजना नहीं है। इससे उनके समर्थकों को निश्चित ही खुशी होगी और वे उम्मीद करेंगे कि मायावती पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरें और ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतकर भावी सत्तारूढ़ गठबंधन में भागीदारी के लिए मजबूत दावा पेश करें। कुल मिलाकर, तय है, उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव पहले से ज्यादा दिलचस्प हो गया है।

विमानन सेवा सुधार

हवाई जहाज में एक यात्री द्वारा पायलट को मुक्का मारने की विरल घटना स्वाभाविक ही चर्चा का गंभीर विषय बन गई है। यह अपनी तरह का पहला मामला है, जब किसी पायलट पर यात्री ने हाथ उठाया है। 28 वर्षीय युवा यात्री की यह हिमाकत कतई क्षम्य नहीं है और उसके खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई होनी ही चाहिए। पायलट दल पर बड़ी जिम्मेदारी होती है और उस पर किसी तरह का हमला बेहद गंभीर अपराध होना चाहिए। चूंकि ऐसी अप्रिय स्थिति की कल्पना भी नहीं की गई थी, इसलिए कानून भी उतना कड़ा नहीं है। मुक्का मारने वाले यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया, पर जमानत पर छोड़ भी दिया गया। आगे की कार्रवाई भी कानून के हिसाब से होगी और यात्री को शायद कोई बड़ी सजा नहीं मिल पाएगी। यह घटना हमें पायलट दल की रक्षा के लिए नए कड़े कानून बनाने के संकेत दे रही है। संवेदना के साथ यह सोचने की जरूरत है कि उस पायलट की कोई गलती नहीं थी या उसकी वजह से फ्लाइट में देरी नहीं हो रही थी। तो फिर गलती किसकी थी? आखिर मुक्के की नौबत क्यों आई? इसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला, खराब मौसम- अत्यधिक कोहरे की वजह से तमाम प्रकार के यातायात में बाधा पैदा हो रही है। अभी विज्ञान ने इतनी तरक्की नहीं की है कि कोहरे में भी साफ देख सके और मौसम पर किसी का वश भी नहीं। मौसम एक ऐसा मोर्चा है, जहां हम विवश हैं, पर इस घटना का जो दूसरा कारण है, वहां हमें जरूर सक्रियता दिखानी चाहिए। फ्लाइट में देरी के समय यात्रियों को विश्वास में लेने की जो प्रक्रियाएं हैं, उनमें बड़ी कमियां हैं। इस मिसाल से समझिए, यात्रियों को सुबह 7 बजकर, 40 मिनट पर फ्लाइट पकड़नी है, उन्हें बताया जाता है कि फ्लाइट एक घंटे देरी से है। यात्री खुशी-खुशी बिल्कुल समय पर हवाई अड्डे पहुंच जाते हैं। सर्दी से कांप रही दिल्ली से दूर अनेक यात्रियों को गोवा में कुछ राहत के पल बिताने हैं। हवाई अड्डे पहुंचने पर यात्रियों को बताया जाता है कि फ्लाइट में कोहरे की वजह से और देरी होगी। यात्रियों की धैर्य की पूरी-पूरी परीक्षा होती है और उन्हें दस घंटे बाद, मतलब पूरा दिन खराब करने के बाद प्लेन में बैठाया जाता है, उसके बाद भी एक पायलट यात्रियों को सूचना देते हैं कि उड़ान भरने के लिए और इंतजार करना पड़ेगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

5-10 रुपये तक कम हो सकते पेट्रोल-डीजल के दाम

चुनाव से पहले तोहफा दे सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल के दाम अगले माह कम हो सकते है। आम चुनाव से पहले तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) ऐसा कर सकती हैं। बताया जा रहा हैं कि कीमतों में 5 से 10 रुपये प्रति लीटर की गिरावट देखने को मिल सकती है। तेल कंपनियों के अधिकारी के अनुसार, अभी कंपनियां तकरीबन 10 रुपये अतिरिक्त मुनाफे पर बैठी हैं, इसकारण इस काम किया जा सकता। तेल कंपनियों के लिए कच्चा तेल खरीदना काफी सस्ता हो चुका है। जबकि अप्रैल 2022 के बाद ईंधन की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं किया गया है। देश की 3 बड़ी तेल मार्केटिंग कंपनियों का सम्मिलित रूप से लाभ 75,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली और दूसरी तिमाही में तेल मार्केटिंग कंपनियों का मुनाफा तेज रहा है। बताया जा रहा हैं कि तीसरी तिमाही में भी मुनाफे का यह ट्रेंड जारी रह सकता है। नतीजों के बाद कंपनियां पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी कर सकती हैं। देश की तीनों ओएमसी में पर मालिकाना अधिकार केंद्र सरकार का है, वह इनकी प्रमोटर भी है। जारी वित्त वर्ष की 2 तिमाहियों में इन तीनों कंपनियों का कुल लाभ 57,091.87 करोड़ रुपये रहा है। यह पूरे वित्त वर्ष 2022-23 के कुल 1,137.89 करोड़ के मुनाफे के मुकाबले 4,917 प्रतिशत अधिक है।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम 27 जनवरी को तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) भी इसके आसपास अपने तिमाही नतीजे जारी कर सकते हैं। हालांकि, एचपी को छोड़कर बाकी दोनों कंपनियों ने इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की है। हालांकि, 3 सरकारी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि जरूर की है कि कीमतों में बदलाव होना लगभग तय है।

अगर पेट्रोल-डीजल सस्ता होता है, तब महंगाई भी काफी हद तक घटेगी। माल ढुलाई का खर्च गिरेगा जिससे एक राज्य से दूसरे राज्य में खाद्य वस्तुओं को पहुंचाना सस्ता होगा।

सुपरकंप्यूटिंग और क्वांटम हब बनाने भारत सरकार लगाएगी 10 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

भारत सरकार प्राइवेट सेक्टर के सहयोग से सुपरकंप्यूटिंग और क्वांटम कंप्यूटिंग हब बनाने जा रही है। इसके निर्माण के लिए 10,000 करोड़ रुपये तक खर्च करने की योजना तैयार हो रही है। मी डिया में आई खबर के अनुसार 18 और 19 जनवरी को ग्लोबल एआइ समिट में सरकार शक्तिशाली कंप्यूटरों के लिए हब बनाने पर बात करेगी। ये हब स्टार्टअप्स और कंपनियों को पट्टे पर या कंप्यूटर-एज-ए-सर्विस मॉडल द्वारा कंप्यूटर का उपयोग करने देंगे। क्वांटम कंप्यूटिंग हब हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन और सरकारी रिसर्च केंद्रों में शुरू होंगे और इन्हें पूरी तरह विकसित होने में लगभग 10 साल लग सकते हैं। गौरतलब है कि अप्रैल 2023 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्वांटम टेक्नॉलजी में रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ाने के लिए 2023-24 से 2030-31 तक 6,003.65 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन को मंजूरी दे दी है। हालों कि 2020 के बजट में घोषित इस कार्यक्रम में लगभग दो साल की देरी हुई। एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, क्वांटम टेक्नॉलजी से संबंधित लगभग 100 सरकार समर्थित परियोजनाएं वर्तमान में प्रगति पर हैं। बताया जा रहा है कि इन टेक्नॉलजी के उपयोग से 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एनक्यूएम के एक भाग के रूप में, सरकार क्वांटम कंप्यूटिंग और मटेरियल जैसी चीजों के लिए चार हब (टी-हब) बनाना चाहती है।

वे एआइ और नई तकनीकों वाली भारतीय कंपनियों की मदद के लिए 25,000 जीपीयू का एक समूह बनाने के बारे में भी सोच रहे हैं। आगामी घोषणा में एआइ पर 7 वर्किंग ग्रुप के विचारों को मंजूरी देने की संभावना है। इन विचारों में डेटा प्रबंधन, एक राष्ट्रीय एआइ केंद्र बनाना, कौशल-निर्माण पहल और जिम्मेदारी से एक राष्ट्रीय एआई रणनीति को लागू करना भी शामिल हैं।

चीन के मुकाबले तेजी से बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ।

चीनी अर्थव्यवस्था भारत के मुकाबले काफी बड़ी है, मगर उसके बढ़ने की गति भारत की तुलना में काफी धीमी है। ताजा खबर है कि चीनी अर्थव्यवस्था बीती अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में तेज रफ्तार से बढ़ी, लेकिन सालाना रफ्तार पर बहुत असर नहीं दिखा। 2023 में यह 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी, इसकारण चीन सरकार ने 2023 में 5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य पार कर लिया।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीनी अर्थव्यवस्था 2023 में 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सरकार ने 2023 के लिए आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य पांच प्रतिशत तय किया था। बीते साल यानी 2023 की आर्थिक वृद्धि दर को काफी हद तक 2022 के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से मदद मिली है। 2022 में चीन की वृद्धि दर 3 प्रतिशत रही थी। बीते साल की चौथी अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशत रही है। इसकी तुलना यदि भारत की जीडीपी से करें तब यह 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान 7.2 प्रतिशत की गति से बढ़ी थी। नेशनल स्टैटिकल ऑफिस (एनएसओ) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, असल में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.3 प्रतिशत की गति से बढ़ रही है। यह एनएसओ का पूर्वानुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, 10 जनवरी को गांधीनगर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्वास जताया कि भारत वित्त वर्ष 2027-28 तक 5 लाख करोड़ डॉलर से अधिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी चीन की जीडीपी 17.73 लाख करोड़ डॉलर है, जबकि भारत की जीडीपी अभी 3.18 लाख करोड़ डॉलर की है। देश की अर्थव्यवस्था 2024-25 में 4,000 अरब डॉलर के पार हो जाने की उम्मीद है। वहीं 2026-27 तक इसके बढ़कर 5,000 अरब डॉलर होने का अनुमान है। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने अपनी रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है कि भारतीय रिजर्व बैंक 2024 के अंत तक सोच-विचार कर रेपो दर में एक प्रतिशत तक की कटौती कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास का सबूत दिखा रही हैज उपयुक्त नीतिगत उपायों के जरिये आने वाले दिनों में वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष उत्पन्न जोखिम को कम करने को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।

बीते सप्ताह 1 हजार लोगों को नौकरी से निकालने के बाद गूगल फिर कर रहा है छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।

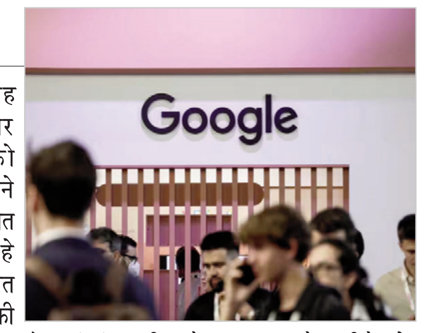

पिछले सप्ताह लगभग एक हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बाद गूगल कथित तौर पर चल रहे पुनर्गठन के तहत अपनी विज्ञापन बिक्री टीम में कुछ सौ और नौकरियों में कटौती कर रहा है। गूगल ने पिछले साल अक्टूबर में अपनी एलसीएस टीम से कुछ कर्मचारियों को निकाल दिया था। कंपनी के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हर साल हम अपने विज्ञापन ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने के लिए अपनी टीम की संरचना करने के लिए एक कठोर प्रक्रिया से गुजरते हैं।छंटनी मुख्य रूप से गूगल की बड़ी ग्राहक बिक्री (एलसीएस) इकाई को प्रभावित करेगी। यह टीम जो बड़े व्यवसायों को विज्ञापन बेचती है। गूगल ग्राहक समाधान टीम (जीसीएस), जो छोटे ग्राहकों को विज्ञापन बेचती है, अब मुख्य विज्ञापन बिक्री टीम बन जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के मुख्य व्यवसाय अधिकारी फिलिप शिंडलर ने एक ज्ञापन में कर्मचारियों को बताया कि ताजा नौकरी में कटौती गूगल की बिक्री टीम के संचालन के तरीके में बदलाव का परिणाम है। गूगल के एक प्रवक्ता ने भी पुष्टि की कि पुनर्गठन के हिस्से के रूप में वैश्विक स्तर पर कुछ सौ भूमिकाएँ समाप्त की जा रही हैं। प्रवक्ता ने कहा, हम ग्राहकों को उनकी सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सही विशेषज्ञ टीमों और बिक्री चैनलों से जोड़ते हैं। इसके हिस्से के रूप में, विश्व स्तर पर कुछ सौ भूमिकाएँ समाप्त की जा रही हैं और प्रभावित कर्मचारी गूगल में खुली भूमिकाओं या कहीं और आवेदन करने में सक्षम होंगे।

गूगल ने हाल ही में हार्डवेयर, सेंट्रल इंजीनियरिंग टीम और गूगल एसिस्टेंट सहित कई विभागों में कर्मचारियों की छंटनी की थी। पिछले साल जनवरी में, गूगल ने अपने कार्यबल में 12 हजार कर्मचारियों की कटौती की, जो उसके पूर्णकालिक कर्मचारियों का लगभग छह प्रतिशत है।

उत्पादन आधारित प्रोत्साहन में आवंटन रहेगा लक्ष्य से कम

नई दिल्ली।

कपड़ा और स्टील की पीएलआई योजना में ज्यादा प्रगति नहीं दिखी है। कुछ मामलों में परियोजना की अवधि इस साल के अंत तक पूरी होगी, जिसके बाद वित्त वर्ष 2025 से प्रोत्साहन का दावा किया जा सकेगा। कुछ पीएलआई योजनाओं के लिए आवेदन ही बहुत कम कंपनियों ने किया था। भारत को विनिर्माण का केंद्र बनाने के लिए वित्त वर्ष 2021 में 14 क्षेत्रों से जुड़ी पीएलआई योजनाएं शुरू की गई थीं। मगर वित्त वर्ष 2023 में केवल 2,874 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, जो 1.97 लाख करोड़ रुपये की कुल योजना राशि का 1.3 फीसदी ही है।सरकार ने अपनी महत्त्वाकांक्षी उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत चालू वित्त वर्ष में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटन का लक्ष्य रखा था मगर वास्तविक आवंटन इससे बहुत कम रह जाने की आशंका है। मामले से वाकिफ लोगों ने यह जानकारी दी। प्रोत्साहन आवंटन कम रहने के कई कारण हैं जैसे कंपनियां सरकार द्वारा तय शर्तें पूरी नहीं करने के कारण प्रोत्साहन का दावा नहीं कर सकीं, आवेदन कम रहे और 14 पीएलआई योजनाओं में से कुछ में प्रगति बहुत धीमी रही।

सरकार ने 11,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिए जाने का अनुमान लगाया था, जिसमें 6,000 करोड़ रुपये मोबाइल फोन विनिर्माण के लिए ही जाना था। मगर मोबाइल फोन विनिर्माण की पीएलआई योजना में करीब 1,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। अन्य योजनाओं के लिए भुगतान और भी कम रहा है। आवंटन की तस्वीर मार्च में साफ होगी,

जब ज्यादातर कंपनियां अपने बिल जमा करेंगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया, 'वित्त वर्ष 2024 के लिए 11,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के आंवटन का लक्ष्य था। हमें ऐसा होता नहीं दिख रहा और संशोधित आंकड़े तैयार किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर आंकड़े फिलहाल बहुत अच्छे नहीं हैं। इस बारे में तस्वीर फरवरी या मार्च तक साफ होगी क्योंकि ज्यादातर भुगतान उसी समय किया जाएगा।'

दूसरी श्रेणी के 14 शहरों में कई देशी और विदेशी ब्रांड ने खोली दुकान

मुंबई ।

पिछले साल जनवरी–सितंबर के दौरान 30 से अधिक प्रमुख खुदरा ब्रांड ने दूसरी श्रेणी के 14 शहरों में अपनी दुकानें खोली हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया कि क्रोमा, अरमानी एक्सचेंज, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, रिलायंस स्मार्ट, तनिष्क, एच एंड एम, मार्क्स एंड स्पेंसर, जीएपी, स्टारबक्स, पिज्जा एक्सप्रेस और अंडर आर्मर सहित कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खुदरा ब्रांड ने दूसरी श्रेणी के शहरों में अपनी खुदरा उपस्थिति बढ़ाई है। दूसरी श्रेणी के ये शहर चंडीगढ़, जयपुर, इंदौर, गोवा, मंगलौर, कोच्चि, लखनऊ, पटना, रांची, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, विजवाड़ा, मैसुरु और कोयम्बटूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर, 2023 तक दूसरी श्रेणी के इन 14 शहरों में कुल खुदरा रियल एस्टेट स्थल 2.9 करोड़ वर्ग फुट था। जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 30 से 70 लाख वर्ग फुट तक खुदरा रियल एस्टेट क्षेत्र है।

नोवा एग्रीटेक लिमिटेड का सोमवार को आ रहा है आईपीओ

मुंबई । शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक और मौका मिलने आने वाल है। एग्रीकल्चर इनपुट बनाने वाली कंपनी नोवा एग्रीटेक अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ (आईपीओ) अगले सप्ताह ला रही है। इसका आईपीओ 22 जनवरी 2024 को खुलेगा। इसमें निवेशक 24 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। दरअसल तेलगांना की नोवा एग्रीटेक यह आईपीओ 144 करोड़ रुपये का है। इसके लिए कंपनी ने प्राइस बैंड 39-41 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ के तहत 112 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा इसमें एक शेयरधारक नुतलापति वेंकटसुब्बाराव द्वारा 77.58 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। उनके पास कंपनी की 11.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यदि प्राइस बैंड का ऊपरी स्तर मूल्य होता है, तब कंपनी को इसके जरिये 143.81 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। कंपनी ने अपने आईपीओ का आधा हिस्सा क्लालिफाइड इंस्टीच्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व किया गया है। नॉन इंस्टीच्यूशनल बायर्स के लिए 15 फीसदी हिस्सा सुरक्षित किया गया है। आईपीओ का 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशक के लिए सुरक्षित रखा गया है। यदि सबकुछ योजनानुसार चला तब आगामी 30 जनवरी को इसकी लिस्टिंग बीएसई और एनएसई में हो जाएगी। नोवा एग्रीटेक की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत है। साल 2022-23 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा कसोलिडेटेड बेसिसल पर करीब 50 प्रतिशत बढ़कर 20 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया था। कंपनी का इस साल रेवेन्यू भी 13.4 फीसदी बढ़ कर 210 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा था। इस साल कंपनी का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 39.3 फीसदी बढ़कर 38.7 करोड़ रुपये हो गया था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर के दौरान कंपनी ने कंसोलिडेटेड बेसिस पर 103 करोड़ रुपये का रेवेन्य और 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का नेट प्रोफिट अर्जित किया है।

भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री के लिए चुनौती बनी सरकार की टैरिफ नीति

नई दिल्ली । सरकार की टैरिफ नीति भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री के लिए चुनौती बन रही है। इसमें एप्पल का दबदबा भी सामने आ रहा है। दरअसल यही वजह है कि एक समय तेजी से बढ़ रहा भारतीय मोबाइल फोन बाजार अब मंदी का सामना कर रहा है। वित्त वर्ष 2024 में बिक्री वित्त वर्ष 2023 के समान 33 बिलियन रहने की उम्मीद है। 1.4 अरब की आबादी में 1,150 मिलियन फोन के साथ, मोबाइल की पहुंच 83 प्रतिशत से अधिक है। ग्रोथ रेट, जो वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 19 तक 21 प्रतिशत थी, वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 23 तक गिरकर 4.8 प्रतिशत हो गई है और वित्त वर्ष 24 से वित्त वर्ष 27 तक 3.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। मोबाइल उत्पादन के लिए मैटी के बड़े लक्ष्य थे, जिसमें वित्त वर्ष 26 तक 126 बिलियन का लक्ष्य था, जिसमें निर्यात का एक बड़ा हिस्सा शामिल था। लेकिन अब उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के प्रभाव के बावजूद, इन लक्ष्यों को पूरा करने को लेकर अनिश्चितताएं हैं। बता दें कि पीएलआई स्कीम के कारण निर्यात बेहतर हो रहा है, लेकिन चिंता है कि भारतीय मोबाइल निर्माता चीन और वियतनाम से कितना मुकाबला कर पाएंगे। कंपोनेंट पर हाई आयात शुल्क भारत को कम प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) का कहना है कि इन टैरिफ में कटौती से वित्त वर्ष 2027 तक निर्यात 50 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। वहीं एप्पल मोबाइल निर्यात में एक बड़ा प्लेयर है, अप्रैल-दिसंबर 2023 में 66 प्रतिशत रहा है। ऐसे में सैमसंग जैसी अन्य कंपनियों और स्थानीय कंपनियों को निर्यात में अपना शेयर बढ़ाने की जरूरत बताई जा रही है। इसके लिए वित्त मंत्रालय को यह पता लगाना होगा कि कम टैरिफ के साथ दोनों वैश्विक कंपनियों को कैसे खुश किया जाए और टैरिफ के साथ स्थानीय व्यवसायों का समर्थन कैसे किया जाए। क्योंकि स्थानीय स्मार्टफोन बाजार मैच्योर है, जिसमें लगभग 800 मिलियन स्मार्टफोन और 300-350 मिलियन फीचर फोन हैं। वित्त वर्ष 2020 में स्मार्टफोन की बिक्री 200 मिलियन से घटकर 150-160 मिलियन हो गई, और लोग अब अपने फोन को 2-3 साल तक चलाते हैं क्योंकि वे स्तरीय तकनीक से लैस और महंगे हैं।

समाचार एजेंसी आईएएनएस पर अडानी समूह का हुआ मालिकाना हक

मुंबई ।

देश के अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह ने मीडिया क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत कर समाचार एजेंसी आईएएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का पूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। अडानी समूह की ओर से शेयर बाजारों को भेजी सूचना में अदाणी समूह ने पिछले महीने आईएएनएस में 50.50 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। अब समाचार एजेंसी में अडानी समूह की हिस्सेदारी मतदान अधिकार के साथ 76 प्रतिशत हो गई है। वहीं बिना मतदान अधिकार के उसकी हिस्सेदारी 99.26 प्रतिशत हो गई है। अडानी समूह ने सौदे पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए हैं। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. ने कहा, 15 दिसंबर, 2023 की हमारी पिछली सूचना के क्रम में हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड (एएमएनएल) ने आईएएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली है। इसमें कहा गया है कि शेयरों के आवंटन को आईएएनएस के बोर्ड ने 16 जनवरी, 2024 को हुई बैठक में मंजूरी दे दी थी। बात दें कि अदाणी समूह ने पिछले साल 15 दिसंबर को आईएएनएस में 50.50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी। इस सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया था। आईएएनएस की अधिकृत शेयर पूंजी 11 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसका राजस्व 11.86 करोड़ रुपये रहा था। अडाणी ने पिछले साल मार्च में क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया के अधिग्रहण के साथ मीडिया कारोबार में कदम रखा था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 1628 अंक और निफ्टी 460 अंक गिरा

निवेशकों के 4.6 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयर में गिरावट और अमेरिकी फेड दर में कटौती के उम्मीदों से कम होने से भी बाजार टूट गया। दिन भर के कारोबार के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1628.01 अंक करीब 2.23 फीसदी गिरावट के साथ 71,500.76 अंक पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 2.09 फीसदी तकरीबन 460.35 अंक नीचे आकर 21,571.95 पर बंद हुआ। आज लार्जकैप शेयरों में एचडीएफसी बैंक में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। ये गिरावट इतनी थी कि तीसरी तिमाही में लभ बढ़कर 16,373 करोड़ रुपये पर पहुंचने के बाद भी बैंक के शेयर 8.46 फीसदी टूटे। इसके अलावा टाटा स्टील, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो, हिंडाल्को, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व और बजाज ऑटो के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, सेंसेक्स की 6 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। केवल एचसीएल टेक, इनफ़ोसिस,टीसीएस, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयरों में ही बढ़त रही जबकि पावर ग्रिड के शेयर सपाट पर के बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक के तिमाही परिणामों में गिरावट के अलावा बैंकिंग क्षेत्र में भारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया।

चीन की तिमाही वृद्धि के आंकड़े के उम्मीदों से कम होने के बाद एशियाई बाजारों के गिरावट का असर भी घरेलू बाजार पर पड़ा। बड़े स्तर पर बिकवाली के कारण भी भारी गिरावट देखी गई।

इक्विटी बेंचमार्क निफ्टी 50 और सेंसेक्स में जून 2022 के बाद से ये बाजार में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट देखी गयी। कारोबार के दौरान मिड और स्मॉल-कैप इंडेक्स में भी गिरावट आई पर बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में उनकी गिरावट कम रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.09 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ, जबकि बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 0.90 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर पिछले सत्र के लगभग 375 लाख करोड़ रुपये से कम होकर 370.4 लाख करोड़ पर फिसल गया, जिससे निवेशकों को एक ही कारोबारी सत्र में तकरीबन 4.6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन एशियाई और अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से भारतीय बाजार पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा। वहीं अमेरिकी फेड दर में कटौती से भी बाजार पर दबाव आया। आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स हुए 71,998.93 पर खुला। वहीं इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 21,822.70 पर खुला। लार्जकैप शेयरों में एचडीएफसी बैंक में सबसे अधिक नुकसान हुआ और तीसरी तिमाही में इसका लाभ बढ़कर 16,373 करोड़ रुपये पर पहुंचने के बावजूद शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये।

तेलंगाना में 12,400 करोड़ रुपये का निवेश करेगा अडानी समूह

हैदराबाद ।

देश के बड़े कारोबारी समूह अडाणी ग्रुप ने तेलंगाना में कई व्यवसायों में 12,400 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी से मुलाकात की। अडाणी समूह ने अगले कुछ वर्षों में तेलंगाना में निवेश के लिए राज्य सरकार के साथ चार एमओयू का आदान-प्रदान किया। हैदराबाद में आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अडाणी ग्रीन एनर्जी 1,350 मेगावाट की दो पंप स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित करने के लिए पाँच हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इतना ही नहीं अदाणी कनेक्स डेटा सेंटर चंदनवेल्ली में डेटा सेंटर परिसर स्थापित करने के लिए पाँच हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अंबुजा सीमेंट्स तेलंगाना में 60 लाख टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) की क्षमता वाली सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई में 1,400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। अडाणी एयरोस्पेस एंड डिफेंस हैदराबाद में अडाणी एयरोस्पेस और डिफेंस पार्क में काउंटर ड्रोन सिस्टम और मिसाइल विकास और विनिर्माण केंद्रों में एक हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने गौतम अडाणी को आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं, बुनियादी ढांचा और सहायता प्रदान करेगी। वहीं कारोबारी गौतम अडाणी के हवाले से कहा गया है, तेलंगाना में नई सरकार बेहद निवेशक अनुकूल रही है और नई योजनाबद्ध नीतियों के साथ, अधिक निवेश आकर्षित करना चाहिए। अडाणी समूह शर्तों के साथ तेलंगाना में तेज गति से विकास करना जारी रखेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू भी थे। बैठक के दौरान अडाणी एयरोस्पेस एंड डिफेंस के अध्यक्ष और सीईओ, आशीष राजवंशी, प्रमुख सचिव आईटीईएंडसी, आईएंडसी जयेश रंजन और विशेष सचिव, निवेश संवर्धन, विष्णु वर्धन रेड्डी भी उपस्थित थे।

टीसीएस अपने 5 लाख कर्मचारियों को सिखाएगी एआई तकनीक

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अपने पांच लाख कर्मचारियों को एआई तकनीक का प्रशिक्षण देगी। जानकारी के अनुसार इन सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कार्यबल को जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आगामी अवसरों के लिए प्रशिक्षित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी द्वारा हाल ही में गठित 'एआई क्लाउड' इकाई के प्रमुख शिवा गणेशन ने मीडिया को बताया कि एक व्यावसायिक अवसर के रूप में जेनेरेटिव एआई अभी अपने शुरुआती दौर में है और इसका इस्तेमाल अभी कम हो रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी ग्राहकों के लिए जारी काम में तेजी लाने के लिए जेन एआई से प्राप्त जानकारी का इस्तेमाल कर रही है। बता दें कि कंपनी ने कुछ महीने पहले 250 जेनरेटिव एआई संचालित परियोजनाओं में शामिल होने की भी घोषणा की थी। गणेशन ने कहा कि अभी शायद इसका इस्तेमाल बहुत कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह बड़े बदलाव से पहले का दौर है। हम पूरक संपत्तियों और वृद्धि के बारे में भी बात करते हैं। इसके लिए कोई समयसीमा है, मुझे लगता है कि अभी इंतजार करें और देखें। आने वाली तिमाहियों में इसके सही परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यबल तैयार हो रहा है। आने वाले समय में पूरा संगठन स्वयं (जेन) एआई के लिए तैयार होगा।

फिटनेस

भुजाओं की ढीली मसल्स को मजबूत बनाने वाली

3 आर्म एक्सरसाइज

कोरोना महामारी ने हमारे जीवन को कई तरह से बदल दिया है। यही कारण है कि हम में से ज्यादातर लोग जरूरी एहतियात बरतते हुए ज्यादा भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बच रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं एक्सरसाइज करना स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन ज्यादातर लोग इन दिनों जिम जानें से कतरा रहे हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि कुछ एक्सरसाइज ऐसी हैं, जिन्हें करने के लिए आपको जिम जाने की आवश्यकता नहीं है, आप घर पर रहकर ही इन एक्सरसाइज को कर सकते हैं। जिनमें से एक है आर्म वर्कआउट । बाजुओं की ऐसी कई एक्सरसाइज हैं जो कोर मसल्स को टारगेट करते हुए आपकी बाजुओं को मजबूत और टोन करने में मदद कर सकती हैं- वो भी घर पर आराम से। हम यहां आपको ऐसी ही 3 सरल आर्म एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं, साथ ही आप इन्हें घर पर कैसे कर सकते हैं।

इंचवर्म

शरीर के अधिकतम और पूर्ण लाभों प्राप्त करने के लिए इंचवर्म को रुटीन में शामिल। यह न केवल आपकी बाहों, कंधों, कोर और निचले शरीर को मजबूत करता है बल्कि आपकी हृदय गति को भी बढ़ाता है। अपने पैरों को कूल्हों की चौड़ाई के समान सीधा लंबा खड़ा करें और अपने हाथों को फर्श पर रखें। अपनी रीढ़ को यथासंभव तटस्थ रखते हुए अपने कोर को कस कर रखें, अपने हाथों को आगे बढ़ाएं। आपकी एड़ी फर्श से ऊपर उठ जाएगी, और जब आप अपने हाथों को आगे की ओर एक उच्च प्लैंक पोजीशन में ले जाएंगे तो आपके पैर सीधे रहेंगे।

ट्राइसेप्स डिप्स

डिप्स एक बेहतरीन बॉडीवेट एक्सरसाइज है। जो मुख्य रूप से ट्राइसेप्स को टार्गेट करता है, वहीं कंधे और छाती की मांसपेशियों को भी टोन करता है। लेकिन अगर आपको कंधे की समस्या है, तो इस एक्सरसाइज को करने से बचें। अपने पैरों को मजबूती से फर्श को छूते हुए एक कुर्सी के किनारे पर बैठें। आपके हाथ की हथेलियां आपके कंधों के नीचे होनी चाहिए, जो आपके कूल्हों के बगल में कुर्सी के किनारे पर टिकी हों। अपने ग्लूट्स को कस लें और अपने कूल्हों को कुर्सी से तब तक उठाएं जब तक कि आपकी बाहें सीधी न हो जाएं। अपनी कोहनी मोड़ें और अपने शरीर को जितना नीचे कर सकते हैं उतना नीचे करें जब तक कि आप अपने कंधों को महसूस न करें या अपनी पीठ को आगे की ओर गोल करना शुरू न करें।

चतुरंगा

चतुरंगा स्टैंडर्ट प्लैंक का एक रूप है जो अन्य प्लैंक पोजीशन की तुलना में बाइसेप्स की मांसपेशियों को अधिक टार्गेट करता है। कैसे करें: अपने कोर को मिलाते हुए, अपने हाथों को कोहनी के नीचे और अपने शरीर के करीब रखते हुए एक पारंपरिक प्लैंक पोजीशन में शुरू करें। अपने पैर की उंगलियों को आगे रोल करें और अपनी कोहनी को तब तक मोड़ें जब तक कि आपकी बाहें 90 डिग्री का कोण न बना लें।

ब्यूटी

गाउन पर सेलिब्रिटी की तरह बनाएं हेयर स्टाइल

सबसे खूबसूरत दिखेंगी आप

अप-टू-डेट और स्टाइलिश दिखने के लिए हम अपने आपको अलग-अलग लुक कैरी करते हैं। मेकअप और आउटफिट के बार परफेक्ट हेयर स्टाइल होना बहुत जरूरी है। आजकल गाउन का ट्रेंड काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आज हम आपको गाउन के साथ स्टाइल किए जाने वाले कुछ ट्रेंडी हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह हेयर स्टाइल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेंगे। साथ ही आपका लुक भी स्टाइलिश लगेगा।

ओपन ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल

कुछ लोग बालों को खुला रखना पसंद करते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को खुला रखना पसंद है। तो हम आपको मिनटों में बनने वाले हेयर स्टाइल के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि ओपन ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल बनाना काफी ज्यादा आसान है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे पहले आप बालों की एक-एक लेयर की ट्विस्टिंग करनी होगी। इसके बाद उसे पिनअप करना होगा। बचे हुए बालों को भी लेंथ तक कर्ल कर दें। इसके बाद इसे सजाने के लिए आप बीड्स या फ्लोरल हेयर क्लिप का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

मेसी पोनीटेल

मेसी लुक देखने में काफी मॉडर्न लगने के साथ बेहतरीन भी लगता है। इस हेयर स्टाइल को बनाना काफी ज्यादा आसान होता है। इस हेयर स्टाइल को सजाने के लिए बालों की सिर्फ एक लेयर को पोनीटेल के शुरूआत में गोल-गोल व्रैप कर लें। बता दें कि इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए हेयर स्टाइलर की मदद से पहले सारे बालों को कर्ल कर लें। बालों को कर्ल करने से एक बाउंस बनकर तैयार हो जाएगा। यह हेयर स्टाइल आपको खूबसूरत होने के साथ प्रोफेशनल टच देगा।

हाफ-टाई बन हेयर स्टाइल

बता दें कि आज के समय में हाफ-टाई बन हेयर स्टाइल काफी चलन में है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे छोटे साइज वाले डोनट का उपयोग करना चाहिए। वहीं बचे हुए बालों को हेयर स्टाइलिंग टोंग की मदद से कर्ल कर लें। इस तरह से आपका हेयर स्टाइल बन जाएगी।

अमृतसर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की दो दिन में करें सैर, बजट में बनाएं सफर की योजना

सैर-सपाटा

दिल्ली-हरियाणा के पास घूमने के लिए बहुत सारे पर्यटन स्थल हैं। पहाड़ों से लेकर झरनों-झीलों के बीच आप अपने खाली वक्त को सुकून से बिता सकते हैं। छुट्टी है तो पंजाब की खूबसूरत को करीब से निहारने के लिए सफर पर निकल सकते हैं। पंजाब में बहुत से पर्यटन स्थल हैं, जिनकी सुंदरता और कहानियां आपको अपनी ओर आकर्षित करती हैं। अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही पंजाब धार्मिक और आध्यात्मिकता के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां आप हरे-भरे लहराते खेत, ट्यूबवेल से गिरते पानी और स्वर्ण मंदिर की छवि देखने मात्र से आनंदित हो सकते हैं। हालांकि अगर घूमने के लिए वक्त की कमी है और महज दो से तीन दिन में आपको पंजाब की खूबसूरती को करीब से देखना है तो यहां के कुछ मुख्य शहरों की यात्रा करें। पंजाब के सबसे प्रमुख शहरों में से एक अमृतसर है, जहां स्वर्ण मंदिर स्थित है। लेकिन अमृतसर केवल स्वर्ण मंदिर के लिए प्रसिद्ध नहीं, इसके अलावा इस शहर में देशभक्ति से सराबोर कर देने वाला वाघा बॉर्डर, जलियांवाला बाग, अकाल तख्त जैसे दार्शनिक स्थल भी स्थित हैं। सफर के पहले दिन की शुरूआत अमृतसर के मशहूर स्वर्ण मंदिर से करें। लगभग 400 साल पुराना स्वर्ण मंदिर गहरी झील के बीच स्थित है। यहां आकर मन को शांति मिलती है और सेवा का मौका मिलता है। दो मंजिला गोल्डन टेंबल सोने का बना हुआ है। स्वर्ण मंदिर के दर्शन के बाद अकाल तख्त और दुर्गियाना मंदिर के लिए निकल सकते हैं। एक दिन में ये तीन जगह घूमी जा सकती है। अकाल तख्त और दुर्गियाना मंदिर में भी काफी पर्यटक दूर दराज से आते हैं। सफर के दौरान रात्रि बिताने के बाद अगले दिन वाघा बॉर्डर रवाना हो जाएं।

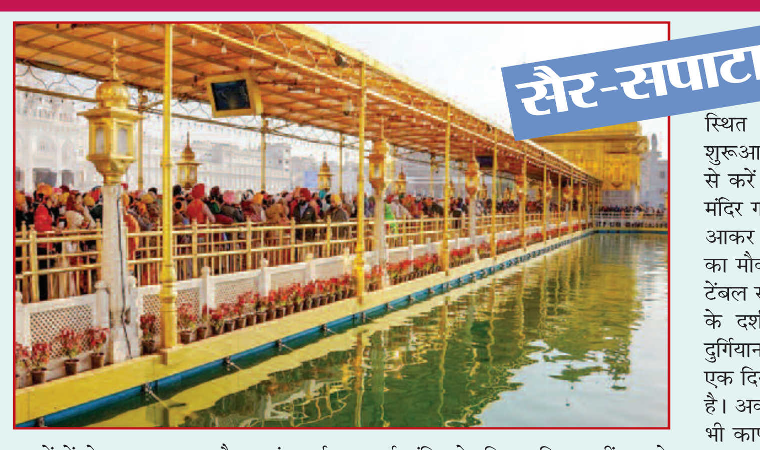

भारत-पाकिस्तान सीमा से पहले जो अंतिम भारतीय क्षेत्र है, वही सीमा वाघा बार्डर है। किसी राष्ट्रीय पर्व या खास मौके पर वाघा बार्डर जाना अधिक बेहतर रहता है, क्योंकि इस दौरान यहां विशेष आयोजन देखने को मिलता है। सीमा द्वार का कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक वाघा बार्डर पर्यटकों के लिए खुला रहता है। अमृतसर में दूसरा दिन देशभक्ति के नाम कर दें।

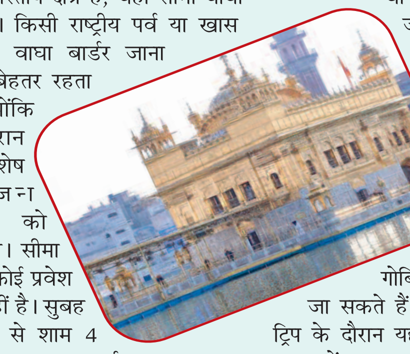

वाघा बार्डर से निकलकर जलियांवाला बाग घूमने जा सकते हैं। जलियांवाला बाग गुलाम भारत के इतिहास के उस काले दिन का गवाह है, जब निहत्थे भारतीयों का नरसंहार किया गया था। इसके अलावा आप गोबिंदगढ़ फोर्ट भी घूमने जा सकते हैं। दो दिन के अमृतसर ट्रिप के दौरान यहां के स्थानीय लजीज पकवानों का लुत्फ भी उठाएं। मक्के की रोटी, सरसों का साग, लस्सी और छाछ का स्वाद ले सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3068

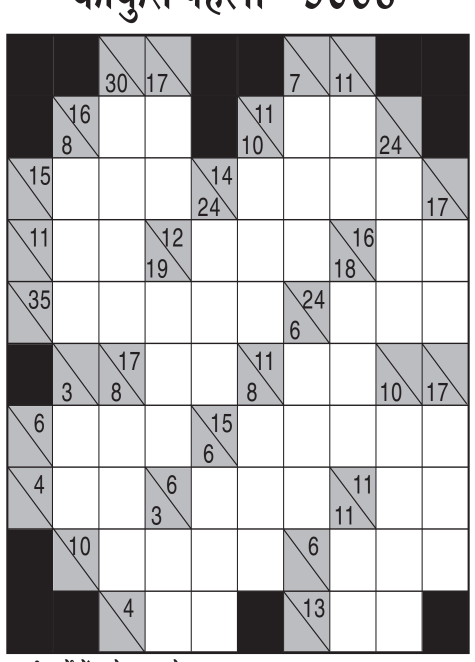

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

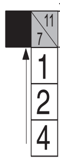

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3067 का हल

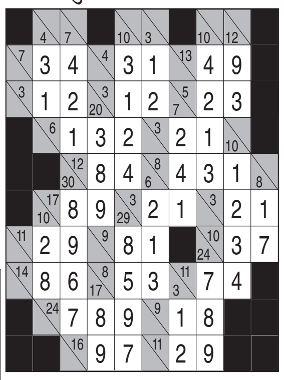

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3068

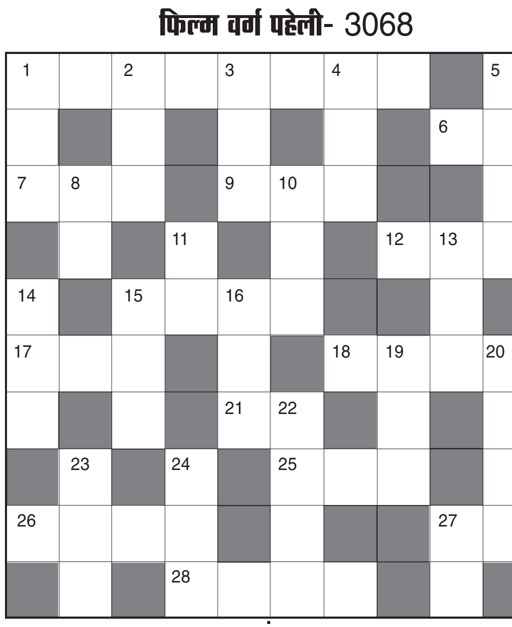

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3067

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

सूडोकु -3068

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3067 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली -3068

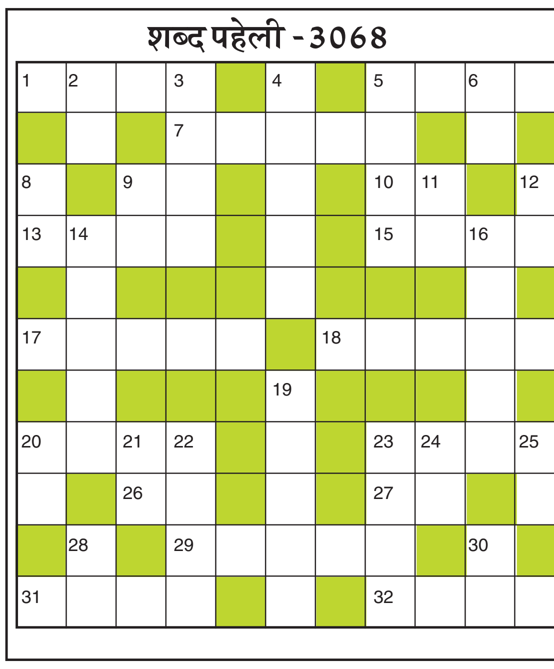

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3067 का हल

क	ल	ह		म		प	र	दा	न	शी
पू		क	ल	श		छ	बी	ल		त
त	ल			व		ता			सा	ल
	ल		धा	रा	प्र	वा	ह		व	
म	क	ब	रा		था		म	हा	न	ता
			वा	दा		मा	स			
ह	म	रा	ही		पा		फ	र	मा	न
	यू		क	हा	नी	का	र		य	
ख	र			थी		र			का	न
प		ब	र	खा		ना	र	द		य
त	र	स	खा	ना		मा		म	न	न

आईसीसी रैंकिंग : अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल की शीर्ष 10 में एंट्री

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही श्रृंखला के शुरूआती दो मैच में प्रदर्शन की बदौलत भारत के बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल बुधवार को ताजा जारी आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए जबकि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी छठे स्थान पर पहुंचने में सफल रहे।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में समान छह विकेट से जीत हासिल की जिसमें पटेल ने 23 रन देकर दो और 16 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे वह आल राउंडर खिलाड़ियों की सूची में दो पायदान के उछाल से 16वें स्थान पर पहुंच गए।

जायसवाल ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 34 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी जिससे उन्हें सात पायदान का फायदा हुआ और वह भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए। वहीं बायें हाथ के बल्लेबाज शिवम दूबे लगातार 60 और 63 रन की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 265वें स्थान से उछलकर 58वें स्थान पर काबिज हो गए।

बल्लेबाज शुभमन गिल सात पायदान के लाभ से 60वें स्थान जबकि बायें हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा तीन पायदान के फायदे से संयुक्त 61वें स्थान पर बने हुए हैं। बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चार पायदान के उछाल से 21वें स्थान पर पहुंच गये। अफगानिस्तान के खिलाड़ियों में नजीबुल्लाह जदरान (46) और मोहम्मद नबी (54) को बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ।

न्यूजीलैंड के फिन एलेन पाकिस्तान के खिलाफ 34 और 74 रन की पारियों से बल्लेबाजी रैंकिंग में 16वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी टिम साउदी गेंदबाजी सूची में आठ पायदान के लाभ से 18वें नंबर पर पहुंचे। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार अर्धशतकों से एक पायदान का फायदा हुआ जिससे वह चौथे स्थान पर काबिज हैं।

पंड्या को मिल रही शिवम से टक्कर

इंदौर (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अब तक अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर गेंद और बल्ले से अपने को साबित किया है। भारतीय टीम को सीरीज में मिली बढ़त के पीछे भी शुभम ही हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज में शुभम को जगह मिली थी और उन्होंने अपने प्रदर्शन से चयन को सही साबित किया है।

शिवम ने केवल 2 मैच में ही पंड्या के एक रिकार्ड की बराबरी कर ली। वहीं पंड्या को यहां तक पहुंचने में 7 साल लग गए थे।

पंड्या ने टीम इंडिया में साल 2016 में अपना टी20 डेब्यू किया था। जिसके बाद से ही वह भारतीय टीम में नंबर एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं। अब उन्हें शुभम से टक्कर मिली है। शुभम ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में तेजी से अर्धशतकीय पारियों के साथ ही साथ ही एक-एक विकेट भी लिया। इस प्रकार वह अर्धशतक के साथ विकेट लेने के मामले में हार्दिक से आगे निकल गए हैं। हार्दिक ने अपने टी20 करियर में केवल एक बार अर्धशतक के साथ विकेट लिया था। इसके अलावा शिवम ने केवल 13 पारियों में अर्धशतक के मामले में भी हार्दिक की बराबरी कर ली है.

शिवम ने साल 2019 में भारतीय टीम में अपना टी20 डेब्यू किया था. लेकिन 2020 में खराब प्रदर्शन के चलते वे टीम से बाहर हो गए थे। अब 4 साल बाद इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी की है। हार्दिक ने 71 टी20 पारियों में 3 अर्धशतक लगाए हैं जबकि शिवम ने 13 पारियों में ही 3 अर्धशतक लगा दिये। इससे साफ है कि शिवम यदि इसी प्रकार खेलते हुए रहे तो हार्दिक को अर्धशतक के मामले में पीछे छोड़ सकते हैं।

सुमित नागल ने विराट कोहली को दिया अपनी जीत का क्रेडिट, ऑस्ट्रेलियन ओपन में रचा था इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेनिस के स्टार खिलाड़ी सुमित नागल ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टेनिस में नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में वर्ल्ड नंबर 27 अलेक्जेंडर बुब्लिक को माद देकर इतिहास रच दिया। सुमित नागल ने अपने जीत का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर स्टार विराट कोहली को दिया है।

सुमित ने सोनी स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनकी कभी कभी विराट कोहली से बात होती है। उन्होंने कहा कि उनके लिए एक कल्पना करना मुश्किल है कि अगर जरूरत के समय कोहली ने उनकी मदद नहीं की होती तो उनकी जिंदगी कैसी होती।

सुमित नागल ने कहा कि, मैं कभी-कभी उनसे बात करता हैं। मैं उनकी फाउंडेशन का भी हिस्सा हूं। मैं उनकी तरफ से पिछले कई सालों से मिलने वाले सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आप जानते हैं किस भारतीय को क्रिकेट देखना पसंद नहीं होगा, मैं क्रिकेट को फॉलो करता हूं और जब भी मौका मिलता है तो जरूर देखता हूं।

बता दें कि नागल विराट कोहली की फाउंडेशन का हिस्सा हैं और साल 2019 में उन्होंने अपने एक बयान में बताया था कि कैसे उनके कठिन समय में उन्हें सहायता मिली थी। उस समय नागल को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए इतने पैसे नहीं थे कि वो फ्लाइट टिकट तक बुक कर सकें।

उन्होंने बताया कि विराट कोहली का फाउंडेशन 2017 से मेरा समर्थन कर रहा है। मैं पिछले दो सालों से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था और पैसों की कमी का सामना भी कर रहा था। अगर कोहली मेरा समर्थन नहीं करते तो मुझे नहीं पता मेरे पास क्या होता।

फिन एलेन की 137 रन की रिकॉर्ड पारी, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान से श्रृंखला जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। डुनेडिन (न्यूजीलैंड) ~ फिन एलेन ने 62 गेंदों पर रिकॉर्ड 16 छक्कों की मदद से 137 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने बुधवार को यहां तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 45 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 से अजेय बढ़त बनाई। एलेन ने किसी एक टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में 16 छक्के लगाने के अफगानिस्तान के हज़रतुल्लाह जजई के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की।

उन्होंने इस बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वोच्च स्कोर का नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले का रिकॉर्ड ब्रैंडन मैकुलम के नाम पर था जिन्होंने 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 123 रन की पारी खेली थी। हजरतुल्लाह ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 62 गेंदों में 162 रन बनाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया था।

एलेन की धुआंधार पारी की मदद से न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर 7 विकेट पर 224 रन बनाए। एलेन के अलावा टिम सीफर्ट (31) और ग्लेन फिलिप्स (19) ही दोहरे अंक में पहुंचे। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 7 विकेट पर 179 रन ही बना पाई। पाकिस्तान पहले दो मैच में भी लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा था। उसे पहले मैच में 46 रन और दूसरे मैच में 21 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान के लिए यही अच्छी बात रही कि बाबर आजम ने श्रृंखला में लगातार तीसरा अर्धशतक जमाया। उन्होंने 58 रन बनाए और वह 16वें ओवर में पवेलियन लौटे। पाकिस्तान ने अपने पिछले आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से केवल एक में जीत दर्ज की है।

यशस्वी और शिवम को केन्द्रीय अनुबंध दे सकती है बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने हाल में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। यशस्वी जहां सलामी बल्लेबाज हैं, वहीं शिवम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी भी करते हैं। ऐसे में अब माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) यशस्वी और शिवम को केन्द्रीय अनुबंध की सूची में शामिल कर सकती है। अभी तक यशस्वी ने खेल के तीनों ही प्रारुपों में अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में भी उन्होंने शानदार पारी खेली थी। वहीं शिवम ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजी से भी सबका ध्यान खींचा है। दुबे ने लगातार दोनों मुकाबलों में तेजी से अर्धशतक लगाये। इससे अब वह हार्दिक पंड्या के सबसे बेहतर बैकअप के तौर पर उभरे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यशस्वी और शिवम ने अपने प्रदर्शन से बोर्ड को केंद्रीय अनुबंध में स्थान हासिल करने के लिए काफी प्रभावित किया है। इसी कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन चाहते हैं कि शिवम अधिक से अधिक गेंदबाजी करें क्योंकि इससे एक खिलाड़ी के रूप में उनकी उपयोगिता बढ़ जाती है। यही कारण है कि वह इस सीरीज के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। यदि वे कुछ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी कर दें तो जून में होने वाले टी20 विश्व कप में उनकी जगह पक्की हो सकती है। ऐसे में यशस्वी और शिवम का लक्ष्य अफगानिस्तान सीरीज के बाद आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया-भारत महिला टीमों के बीच हो सकती हैं तीन मैचों की टेस्ट सीरीज

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आने वाले समय में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने का अवसर मिल सकता है। यह इसलिए क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) चाहता है कि टीम को अधिक मैच खेलने को मिलें। सीएसए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा कि वह भारत और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आयोजन का विचार कर रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच अब तक केवल एक टेस्ट मैच की सीरीज होते है।

दोनों ही टीमों के बीच हाल में वानखेड़े स्टेडियम में एक टेस्ट मैच खेला गया था जिसमें भारतीय टीम को जीत मिली थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच साल 1984 के बाद ये पहला टेस्ट मैच भारत में खेला गया था। हॉकले ने कहा, 'हम महिला क्रिकेट में कई प्रारूपों की सीरीज खेलने के पक्ष में हैं। इसके तहत अधिक से अधिक टेस्ट मैच खेले जाने हैं। ऐसे में संभव है कि भविष्य में हम तीन टेस्ट मैच की 'मार्की श्रृंखला खेलें। यह मार्की श्रृंखला केवल इंग्लैंड और भारत से होगी। इससे दोनो की टीम को बेहतर होने के साथ ही दर्शकों को भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

ऋषभ की आईपीएल में वापसी को लेकर उठा संदेह

–जिम में अभ्यास के दौरान कराहते नजर आये

नई दिल्ली। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2024 में खेलने की संभावनाएं के बीच ही आये एक वीडिया से प्रशंसकों की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर हैं और उनके आईपीएल के 17 वें सत्र से वापसी की संभावनाएं हैं। वहीं इस क्रिकेटर ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह जिम में दर्द से कराहते नजर आये। . ऋषभ को कार हादसे में कई गंभीर चोटें आई थी। इसी कारण उनके घुटने की भी सर्जरी हुई थी। इससे उनको चलने में भी कई दिनों तक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अब इसी चोट से पूरी तरह से उबरने के लिए वह जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जिम का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे घुटने में दर्द के कारण कराह उठे। इस वीडियो से प्रशंसकों के दिलों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं हालांकि इस क्रिकेटर ने जिम की एक रील साझा की है जिसमें वे काफी फिट नजर आ रहे हैं। आईपीएल में उनकी वापसी को लेकर अभी संदेह बना हुआ है। आधिकारिक तौर पर यह नहीं साफ हुआ है कि वह आईपीएल 2024 में दिल्ली की ओर से खेलेंगे या नहीं। पिछले सत्र उनकी जगह पर डेविड वॉर्नर ने दिल्ली की कप्तानी की थी। अब देखना होगा कि वह इस बार वापसी कर पाते हैं या नहीं।

जर्मनी को हराकर पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाने उतरेगा भारत

रांची (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर खड़ी भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स में अपने से अधिक रैंकिंग के जर्मनी के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले सेमीफाइनल में सफलता हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में अमेरिका से 0-1 से हार गई थी लेकिन इसके बाद उसने न्यूजीलैंड और इटली को हराकर पूल बी में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

भारत ने पिछले दो मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया और सविता पूनिया की अगुवाई वाली टीम जर्मनी के खिलाफ भी इसी तरह का खेल जारी रखने की कोशिश करेगी। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली तीन टीम इस साल होने वाले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। इस तरह से गुरुवार को जीत दर्ज करने पर भारतीय टीम का पेरिस का टिकट पक्का हो जाएगा। अगर भारतीय टीम इस मैच को जीतने में नाकाम रहती है तो उसे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का एक और मौका मिलेगा।

सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच तीसरे और चौथे स्थान के लिए शुक्रवार को मैच खेला जाएगा जिसमें जीत दर्ज करने वाली टीम ओलंपिक में जगह बनाएगी। भारतीय टीम को हालांकि जर्मनी के खिलाफ सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरना होगा। पिछले दो मैच में भारतीय रक्षापंक्ति ने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय रक्षापंक्ति में कप्तान सविता के अलावा उदिता, मोनिका और निक्की प्रधान ने अच्छा खेल दिखाया है। मध्य पंक्ति ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। सलीमा टेटे अपनी तेज दौड़ से विरोधी टीमों को परेशान करती रही हैं जबकि नेहा गोयल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

इन दोनों ने अग्रिम पंक्ति के लिए अच्छे मौके बनाए हैं। अग्रिम पंक्ति में लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंग डुंग और नवनीत कौर भी अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम की उम्मीदों पर खरी उतरी हैं। भारत के लिए पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलना बड़ा मसला रहा है लेकिन इटली के खिलाफ पिछले मैच में उदिता ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए। लेकिन जर्मनी की मजबूत टीम के खिलाफ केवल उदिता का प्रयास ही पर्याप्त नहीं होगा।

जहां तक जर्मनी का सवाल है तो वह पूल ए में सात अंक लेकर शीर्ष पर रहा। जापान के भी इतने ही अंक थे लेकिन जर्मनी का गोल अंतर बेहतर था। जर्मनी अभी विश्व रैंकिंग में पांचवें जबकि भारत छठे नंबर पर है। भारतीय टीम ने 2006 के बाद जर्मनी से सात मैच खेले हैं जिनमें से दो में उसे जीत मिली जबकि पांच मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। लेकिन वर्तमान समय में हॉकी में रैंकिंग और अतीत के परिणाम केवल संख्या हैं और दोनों टीम एक दूसरे को कड़ी टक्कर देने में सक्षम हैं।

भारतीय कोच यानिक शोपमैन ने कहा, 'हम जर्मनी की टीम को अच्छी तरह से जानते हैं। हमने पिछली गर्मियों में और हाल में स्पेन में उनसे मैच खेले थे। उसके पास कुछ अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन अगर हम अपने खेल पर ध्यान देते हैं तो उन्हें हरा सकते हैं।' एक अन्य सेमीफाइनल में अमेरिका का सामना जापान से होगा।

जिंदगी कभी भी आसान नहीं होती : सानिया

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से तलाक की खबरों के बीच ही कहा है कि जिंदगी कभी भी आसान नहीं होती। इन दोनो के बीच पिछले कुछ समय से अलगाव की खबरें आती रही हैं पर दोनो में से किसी ने भी अभी तक इस बारे में खुलकर नहीं कहा है। हाल में जब सानिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शोएब मलिक की सभी तस्वीरें हटा दी थी तब इन बातों को बल मिला था कि अब दोनो अलग हो गये हैं। वहीं अब सानिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शादी और तलाक से जुड़ी एक स्टोरी जारी की है। सानिया ने इसमें कहा कि शादी और तलाक के फैसले कठिन होते हैं। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए यह भी संदेश दिया है कि जिंदगी कभी भी आसान नहीं होती है। तलाक की खबरों पर सानिया ने कभी खुलकर बात नहीं की है पर इस पोस्ट के जरिए ऐसा लगता है कि दोनों के बीच अब रिश्ता टूट गया है। वहीं तलाक की खबरों पर मलिक ने पहले कहा था कि लोगों को समझना होगा कि हम दो अलग देशों से संबंध रखते हैं और हमारी अपनी–अपनी प्रतिद्धताएं है। इसलिए एकदम से इस बारें में कुछ नहीं कहा जा सकता है। सानिया और मलिक की शादी साल 2010 में हुई थी और दोनो के एक बेटा है।

टी20 विश्व कप 2024 में वापसी करेंगे जोफ्रा आर्चर, पिछले साल से पेशेवर क्रिकेट से हैं दूर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट से उबरकर इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लैंड की 2019 में वनडे विश्व कप में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आर्चर ने पिछले साल मई से पेशेवर क्रिकेट में कोई मैच नहीं खेला है। दिसंबर में इंग्लैंड टीम के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्होंने हालांकि सीमित ओवरों की टीम के साथ अभ्यास किया था। इंग्लैंड के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने कहा, 'हमारी योजना उसे टी20 विश्व कप के लिए तैयार करना है। हम इसके लिए उसे धीरे-धीरे तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने उसे वेस्टइंडीज में गेंदबाजी करते हुए देखा था और उसे देखकर लग रहा था जैसे वह खेल से बाहर ही ना रहा हो। मैं उसकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।' आर्चर इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में भी नहीं खेल पाएंगे। उनकी फेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने उन्हें 'रिलीज' कर दिया था।

नील ब्रांड की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी दक्षिण अफ्रीका

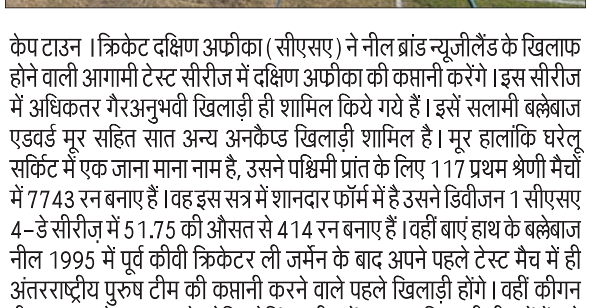

केप टाउन। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने नील ब्रांड न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे। इस सीरीज में अधिकतर गैरअनुभवी खिलाड़ी ही शामिल किये गये हैं। इसें सलामी बल्लेबाज एडवर्ड मूर सहित सात अन्य अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल है। मूर हालांकि घरेलू सर्किट में एक जाना माना नाम है, उसने पश्चिमी प्रांत के लिए 117 प्रथम श्रेणी मैचों में 7743 रन बनाए हैं। वह इस सत्र में शानदार फॉर्म में है उसने डिवीजन 1 सीएसए 4–डे सीरीज़ में 51.75 की औसत से 414 रन बनाए हैं। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज नील 1995 में पूर्व कीवी क्रिकेटर ली जर्मेन के बाद अपने पहले टेस्ट मैच में ही अंतरराष्ट्रीय पुरुष टीम की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी होंगे। वहीं कीगन पीटरसन, जुबैर हमजा और डेविड बेडिंघम टीम में एकमात्र खिलाड़ी टीम में हैं, जो भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट का भी हिस्सा थे। कुल आठ खिलाड़ियों में डुआन ओलिवियर सबसे अनुभवी हैं। माउंट माउंगानुई में 4 फरवरी को पहले टेस्ट में कीवी टीम से खेलने से पहले दक्षिण अफ्रीका 29 से 31 जनवरी तक न्यूजीलैंड इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

टीम इस प्रकार है– दक्षिण अफ्रीका टीम ~ नील ब्रांड (कप्तान), डेविड बेडिंघम, रुआन डी स्वार्ड्ट, क्लाइड फोर्टुइन, जुबैर हमजा, एडवर्ड मूर, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली मपोंगवाना, डुआने ओलिवियर, डेन पैटरसन, कीगन पीटरसन, डेन पिड्ट, रेनार्ड वान टोन्डर, शॉन वॉन बर्ग और खाया ज़ोंडो।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप को लेकर तदर्थ पैनल ने दिया बयान, हमारे टूर्नामेंट को ही वास्तविक माना जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित करने का अधिकार केवल राष्ट्रीय महासंघ के पास होने के निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के दावे के एक दिन बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ पैनल ने कहा कि उसके द्वारा कराए जाने वाले टूर्नामेंट को ही वास्तविक माना जायेगा। तदर्थ पैनल ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता से ही पहलवानों को ही 'फायदा' मिलेगा।

डब्ल्यूएफआई ने चुनाव के बाद अपनी पहली कार्यकारी समिति की बैठक के बाद मंगलवार को घोषणा की थी कि वह 29 जनवरी से पुणे में राष्ट्रीय प्रतियोगिता करायेगा। डब्ल्यूएफआई ने कहा था कि उसके संविधान के अनुसार केवल महासंघ के पास ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन का अधिकार है और तदर्थ पैनल के पास राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने का कोई अधिकार नहीं है। डब्ल्यूएफआई को नियमों के उल्लघंन का हवाला देकर प्रतिबंधित करने वाले खेल मंत्रालय ने कहा कि डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित टूर्नामेंट को मान्यता नहीं दी जाएगी। पैनल प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा ने कहा, 'यह स्पष्ट किया जाता है कि सिर्फ रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) द्वारा आयोजित सीनियर राष्ट्रीय फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल और महिला राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप 2023 ही वास्तविक है जो खेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत और मान्यता प्राप्त होगी तथा सभी सरकारी फायदे केवल इस राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को ही मिलेंगे।' डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने मंगलवार को कहा था कि वे मंत्रालय से निलंबन हटाने के लिए बातचीत करेंगे। एक महिला पहलवान ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'खेल अब एक मजाक बन चुका है। हम कहां जाएं? पहलवानों और खेल के फायदे के लिए इस सारे फसाद को खत्म किया जाना चाहिए।'

हरियाणा में एक अखाड़े के पहलवानों ने कहा कि वे पुणे में डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पहलवान ने कहा, 'हम पुणे जाएंगे, हम जयपुर नहीं जा रहे हैं जहां तदर्थ पैनल राष्ट्रीय प्रतियोगिता कराएगा।' तदर्थ पैनल जयपुर में दो से पांच फरवरी तक आरएसपीबी की मदद से राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित कराएगा। दिलचस्प बात यह है कि आरएसपीबी के पूर्व सचिव प्रेम चंद लोचब ने हाल ही में हुए डब्ल्यूएफआई चुनावों में डब्ल्यूएफआई महासचिव का पद हासिल किया था।

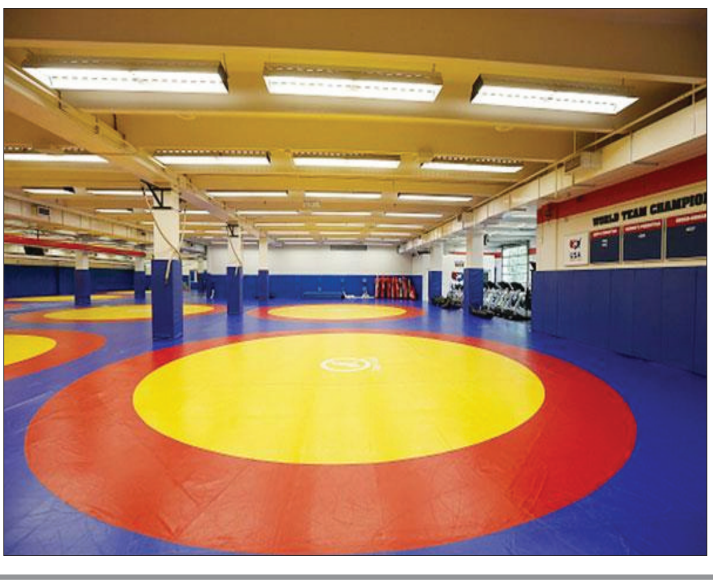

ओडिशा के पूर्व सीएम गिरिधर गमांग की घर वापसी, पत्नी और बेटे के साथ थामा कांग्रेस का हाथ

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और फिर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होने के बाद बुधवार को फिर से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। नौ बार के लोकसभा सांसद अपनी पत्नी हेमा और बेटे शिशिर के साथ सबसे पुरानी पार्टी में शामिल हुए। गमांग ने भगवा पार्टी से हाथ मिलाने के लिए 2015 में कांग्रेस छोड़ दी थी। गमांग, जो कोरापुट क्षेत्र के एक प्रमुख आदिवासी नेता हैं, ने ओडिशा के मुख्यमंत्री और साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने लिखा कि आज कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन जी और उड़ीसा कांग्रेस प्रभारी डॉ अजॉय कुमार जी की उपस्थिति में उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग जी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। गिरिधर जी के साथ श्रीमती हेमा गमांग जी, संजय भोई जी और शिशिर गमांग जी भी कांग्रेस पार्टी का हिस्सा बने। आप सभी को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएँ। गिरिधर गमांग ने कहा कि वापस आने के बाद पार्टी ने मुझे अपनाया... पार्टी ने मुझे हर समय स्वीकार किया है। मैं सिद्धांत के लिए काम करता हूं... मुझे ओडिशा में जहां भी दायित्व दिया जाएगा मैं वहां काम करूंगा।

उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है, जो सिद्धांतवादी राजनीति करती है। कांग्रेस ने मुझे 11 बार टिकट दिया, जो कोई पार्टी नहीं कर सकती है। मैं दूसरे दल में रहा, लेकिन सम्मान केवल कांग्रेस ही दे सकती है। राहुल गांधी जी ने जो कदम उठाया है, वह राजनीतिक नहीं बल्कि संवैधानिक है। हम सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की लड़ाई लड़ते रहेंगे। गिरिधर गमांग ने पिछले साल भाजपा से नाता तोड़ लिया और के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस में शामिल हो गए। गमांग और उनके बेटे शिशिर के कांग्रेस में वापस आने की अटकलों के बीच बुधवार का घटनाक्रम सामने आया। गमांग 1972 से 2004 के बीच कोरापुट से नौ बार लोकसभा सांसद रहे।

पार्टी के एक नेता ने कहा कि हालांकि गमांग ने पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी और कांग्रेस आलाकमान के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला। पिछले साल अगस्त में, गमांग ने अपने बेटे सिसिर के साथ ओपीसीसी अध्यक्ष शरत पट्टनायक और कोरापुट के सांसद सप्तगिरी उलाका की उपस्थिति में ओडिशा के तत्कालीन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारी ए चेल्लाकुमार से मुलाकात की थी। बैठक के बाद, गमांग के बेटे सिसिर ने संवाददाताओं से कहा कि वे पहले ही कांग्रेस में शामिल होने की अपनी इच्छा बता चुके हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा... कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर किया हमला

इंफाल । मणिपुर में जारी हिंसा की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। मणिपुर के तेंगनोउपल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के एक वाहन पर हमला किया। इसमें राज्य पुलिस का एक कर्मी शहीद हो गया। मृतक की पहचान मोरेह में राज्य पुलिस कमांडो के रूप में तैनात भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के जवान वांगखेम सोमोरजीत के रूप में की गई है। सोमोरजीत इंफाल वेस्ट जिले के मालोम के रहने वाले थे।

पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों की बुधवार सुबह मोरेह शहर में तीन अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ हुई। पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने एसबीआई मोरेह के पास सुरक्षा बलों की एक चौकी पर बम फेंके और गोलीबारी की। इसके जबाव में सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। उग्रवादियों ने अस्थायी कमांडो चौकी पर आरपीजी गोले भी दागे। इससे आसपास खड़े कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की हत्या के मामले में सीमावर्ती शहर में राज्य बलों की ओर से दो संदिग्धों को गिरफ्तार करने के 48 घंटे बाद संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों की चौकी पर गोलीबारी की।

इसके पहले मणिपुर सरकार ने तेंगनोउपल में शांति भंग होने, सार्वजनिक सद्भाव बिगड़ने और मानव जीवन एवं संपत्ति को गंभीर खतरे की आशंका संबंधी जानकारी मिलने के बाद 16 जनवरी को देर रात 12 बजे से पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया था। तेंगनोउपल के जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कर्फ्यू कानून-व्यवस्था लागू करने और आवश्यक सेवाओं से जुड़ी सरकारी एजेंसियों पर लागू नहीं होगा।

आतंकरोधी मिशन में शहीद 6,000 सुरक्षाकर्मियों में से 1,600 जम्मू-कश्मीर पुलिस से : डीजीपी स्वैन

जम्मू । आतंकवाद संबंधी घटनाओं में ड्यूटी के दौरान लगभग 6,000 सुरक्षाकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर किये हैं, जिनमें से 1,600 से अधिक जम्मू-कश्मीर पुलिस से हैं। कठुआ में मंगलवार को 12वें शहीद स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर आर स्वैन ने इस शहादत को देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता बताया। स्वैन ने कहा, ''देश की विभिन्न सेनाओं के लगभग 6,000 बहादुरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है और उनमें से 1,600 से अधिक सिर्फ जम्मू-कश्मीर पुलिस से हैं।''टूर्नामेंट के समापन समारोह के लिए आयोजन स्थल पर पहुंचने के तुरंत बाद डीजीपी ने शहीद दीर्घा में जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीद नायकों पर पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

6.4 लाख रुपये के मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार नाइजीरियाई महिला

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने 66 वर्षीय नाइजीरियाई महिला से लगभग 6.4 लाख रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार तुलिंज पुलिस ने आरोपी केहिंदे बोलाजी बेलो के मीरा-भयंदर इलाके के प्रगति नगर स्थित मकान में छापा मारा। तुलिंज थाने के वरिष्ठ निरीक्षक शैलेंद्र नगरकर ने बताया कि पुलिस ने बेलो के पास से 56.2 ग्राम मादक पदार्थ 'एमडी' और 7.5 ग्राम कोकीन जब्त की जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीब 6.4 लाख रुपये कीमत बताई गई है। महिला के खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीएम, डिप्टी सीएम के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार

मेंगलुरु । कर्नाटक के सीएम व डिप्टी सीएम के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मेंगलुरू पुलिस ने बुधवार को बताया कि उसने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर फुटेज पोस्ट करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुरथकल शहर निवासी अनिल कुमार के रूप में हुई है। मूल रूप से उत्तर कन्नड़ जिले का अनिल कैब ड्राइवर है। आरोपी को विभिन्न सरकारी लाभ योजनाओं का लाभ उठाने के लिए राशन कार्ड में लाभार्थी के रूप में अपना नाम जोड़ने में दिक्कत आ रही थी। इससे नाराज होकर आरोपी कुमार ने कन्नड़ और टुलु भाषा में सिद्दारमैया और शिवकुमार को गाली देते हुए वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल किए। इसके बाद नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के अध्यक्ष सुहास अल्वा ने इस संबंध में मेंगलुरु पुलिस आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी इस शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सूरथकल पुलिस ने इस संबंध में उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 153ए, 505(1)(सी) और 504 लगकार मामला दर्ज कर लिया है।

यूपी में भी दिल्ली-पंजाब की तरह घरेलू बिजली बिल माफ करने की मांग

बलरामपुर । अब यूपी में भी दिल्ली तथा पंजाब की तरह घरेलू बिजली का बिल माफ करने की मांग उठ रही है। बीजेपी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने यह मांग उठाई है। उन्होंने बलरामपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत की। अपने विवादित बयानों के कारण हमेशा चर्चा में रहने वाले राजभर ने नेताओं पर आरोप लगाया कि दारू, मुर्गा और पैसे देकर नेता वोट ले लेते हैं, लेकिन जनता को कुछ दिया नहीं है। नेताओं ने सिर्फ जनता को गुमराह करके रखा है, लेकिन हम उत्तर प्रदेश और बिहार में जनता को जागरूक करने के लिए निकले हैं। प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए सुभासपा प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी विधायकों को 25-25 लाख रुपये लोगों के इलाज के लिए दिए हैं लेकिन इस बात की लोगों को जानकारी नहीं है। उन्होंने मांग कि की दिल्ली और पंजाब की तरह घरेलू बिजली का बिल माफ होना चाहिए। राजभर ने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर गुजरात, बिहार और पुडुचेरी में शराब बंदी हो सकती है तो पूरे देश में शराबबंदी क्यों नहीं हो सकती। राजभर ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा राज को गुंडाराज की संज्ञा दी जाती है जबकि योगी राज में कानून व्यवस्था बेहतर है। यहां तक कि सात वर्ष में एक भी दंगा प्रदेश में नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि राजग उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें तथा पूरे देश में 400 सीटें जीतेगा। राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन से लड़ा था और उसे प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में छह सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के वादी आशुतोष को बम से उड़ाने की धमकी

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के वादी आशुतोष पांडे को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने ऑडियो भेजकर कहा है कि तीन दिन के भीतर पांडे को बम से उड़ा दिया जाएगा। इस ऑडियो संदेश में हिंदू वादी आशुतोष को गालियां भी दी गई है। जानकारी के मुताबिक श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में मुख्य वादी आशुतोष पांडे को फोन कर ऑडियो मैसेज भेजा गया है। इसमें उन्हें तीन दिनों के भीतर जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को पाकिस्तानी बताया है। धमकी में कहा गया है कि तीन दिन में आशुतोष को बम से उड़ा दिया जाएगा।पांडे को धमकी मिलने के साथ ही उनके सोशल मीडिया अकाउंट के साथ भी छेड़छाड़ की जा रही है। इसके तहत उनके फेसबुक अकाउंट के साथ छेड़छाड़ की गई है। उनका फेसबुक अकाउंट हैक किया गया है। हैक करने के बाद हैकर्स ने उनके अकाउंट से अशलील वीडियो और फोटो पोस्ट किए है। आशुतोष पांडे को धमकी मिलने के बाद इसकी जानकारी उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर दी है।सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने 14 दिसंबर 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी जिसमें वह मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण की निगरानी के लिए एक अदालत आयुक्त की नियुक्ति पर सहमत हो गया था।

शिंदे गुट की याचिका पर कोर्ट ने स्पीकर और उद्धव गुट को जारी किया नोटिस

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मुख्य सचेतक भरतशेत गोगावले द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में महाराष्ट्र अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और उद्धव ठाकरे के गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी किया है, जिसमें नार्वेकर के ठाकरे गुट के विधायकों को अयोग्य न ठहराने के फैसले को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदोश पूनीवाला की पीठ ने सभी उत्तरदाताओं को अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया और 8 फरवरी के लिए आगे की सुनवाई निर्धारित की। 12 जनवरी को दायर गोगावले की याचिकाओं में स्पीकर के आदेश को कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण घोषित करने, इसे रद्द करने और सभी 14 यूबीटी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है। स्पीकर के आदेश को चुनौती देते हुए ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। गोगावले का तर्क है कि ठाकरे गुट के सदस्यों ने व्हिप का उल्लंघन किया और स्वेच्छा से शिवसेना की सदस्यता छोड़ दी, इसका समर्थन करते हुए दावा किया कि उन्होंने सत्तारूढ़ सरकार को गिराने का प्रयास करते हुए कांग्रेस और राकांपा के सहयोग से शिवसेना सरकार के खिलाफ मतदान किया। गोगावले के अनुसार, स्पीकर के आदेश ने गलती से इन दावों को महज आरोप कहकर खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया है, 'माननीय अध्यक्ष गोगावले द्वारा दायर जवाब को पढ़ने में भी विफल रहे, जिसमें प्रतिवादी ने याचिकाकर्ता के आरोपों को स्वीकार किया है।' याचिका में अयोग्यता याचिका में स्पीकर के रिकॉर्ड और कार्यवाही को मंगाने, उन्हें 'कानून की दृष्टि से खराब और खारिज करने' की घोषणा करने और उचित आदेश जारी करने की मांग की गई है।

अभेद किले में बदली अयोध्या, 10,000 सीसीटीवी और 325 इंस्पेक्टर, 800 सब इंस्पेक्टर और एक हजार से अधिक कांस्टेबल के हाथों सुरक्षा का जिम्मा

अयोध्या (एजेंसी)। 22 जनवरी 2024 को पवित्र शहर अयोध्या में राम मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू होने वाला है। पूरा देश उत्साह से भरा हुआ है। हालांकि, कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा को भी सर्वोच्च स्तर पर रखा गया है। अधिकारी जनशक्ति और तकनीक के मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें ड्रोन-विरोधी सुविधाओं वाले ड्रोन और कैमरों में एआई शामिल हैं। ताकि समारोह के दौरान हर चीज पर कड़ी नजर रख सके। किसी भी बदलाव के बारे में जनता को पहले से सूचित करने की योजना के साथ, परिवहन में भी कोई परेशानी ना हो, इसका भी ध्यान रखा गया है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था पर स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि जिन स्थानों पर आम जनता या आम श्रद्धालु दर्शन करने वाले हैं, वहां पुलिस के लिए अलग से ड्रेस कोड होगा। वहां तैनात सभी पुलिसकर्मी बिना हथियार के और हथियार वाले पुलिसकर्मी वर्दी में तैनात किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि हमने तकनीक को भी शामिल किया है और कैमरों के जरिए निगरानी की जाएगी। विभिन्न राज्यों से आए कुछ प्रशिक्षु आईपी अधिकारियों को भी तैनात किया गया है क्योंकि विभिन्न भाषाएं बोलने वाले लोग अयोध्या आएंगे और उनके सहज अनुभव के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

स्थानीय अधिकारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। उन्नत सुरक्षा उपायों और साजो-सामान योजना के साथ, वे राम मंदिर में इस ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले सभी लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए, पूरे जिले में 10,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और सादे कपड़ों में बहुभाषी पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। 90 दिनों की रिकॉर्डिंग क्षमता के साथ, ये हाई-टेक कैमरे शहर भर के प्रमुख स्थानों से फुटेज कैप्चर करते हुए निरंतर निगरानी प्रदान करेंगे। यूपी पुलिस की तरफ से 3 डीआईजी, 17 आईपीएस और 100 पीपीएस स्तर के अधिकारी अयोध्या में तैनात किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक 325 इंस्पेक्टर, 800 सब इंस्पेक्टर और एक हजार से अधिक कांस्टेबल मौजूद रहने वाले हैं।

इसके लिए यूपी पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं और इसके साथ ही पूरे रेड जोन, येलो जोन और अयोध्या जिले की हर सड़क पर सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। आगंतुकों की आमद को प्रबंधित करने और निर्बाध यातायात प्रवाह की सुविधा के लिए, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) परियोजना को अयोध्या में 20 महत्वपूर्ण स्थानों पर लागू किया जाएगा। सतर्क यातायात निगरानी वाले क्षेत्रों में रिकाबगंज, सिविल लाइन, हनुमान गुफा और कई अन्य लोकप्रिय स्थान शामिल हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि अयोध्या में बहने वाली सरयू नदी की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है और बिजली नौकाओं, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों और स्थानीय नाविकों के उपयोग के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ऐसी परिवहन व्यवस्था करना है कि लोगों को कोई परेशानी न हो। हम जनता को डायवर्जन योजनाओं के बारे में पहले से सूचित करने वाले हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी को कोई असुविधा न हो। यूपी पुलिस ने अयोध्या रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के सैटेलाइट रेलवे स्टेशनों के लिए भी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का मैनिफेस्टो लोगों का घोषणापत्र होगा, चिदंबरम बोले- देश भर में बड़े पैमाने पर सुझाव मांगे जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस का 2024 का लोकसभा चुनाव घोषणापत्र 'लोगों का घोषणापत्र' होगा, जिसके लिए देश भर में बड़े पैमाने पर सुझाव मांगे जाएंगे, क्योंकि पार्टी ने लोगों से अपने चुनाव घोषणापत्र के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, चिदंबरम ने कहा कि सुझाव एकत्र करने का मुख्य माध्यम सार्वजनिक परामर्श होगा, जो हर राज्य में आयोजित किया जाएगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, कांग्रेस ने एक वेबसाइट awaazbharatki.in और एक ईमेल पता - awaazbharatki@inc - लॉन्च की है, जहां लोग अपने सुझाव भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में जितना संभव हो उतने लोगों को शामिल करने का वादा किया है। वेबसाइट आगंतुकों को विषयवार अपने सुझाव प्रस्तुत करने की अनुमति देगी। कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के

अध्यक्ष चिदंबरम ने कहा कि हम भारत के लोगों को ईमेल द्वारा अपने सुझाव भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं। वेबसाइट आपको विषयवार अपने सुझाव भेजने का विकल्प देती है। हम ईमानदारी से भारत के लोगों से अपील करते हैं कि वे इन वाहनों का उपयोग करें और इसे लोगों का घोषणापत्र बनाने में हमारी मदद करें। समिति में 15 अन्य सदस्य शामिल हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, जयराम रमेश और शशि थरूर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, प्रियंका गांधी वाड्रा और संयोजक टीएस देव शामिल हैं। चिदंबरम ने कहा कि पार्टी हर राज्य में सार्वजनिक विचार-विमर्श करेगी और समिति के सदस्य पार्टी के लोगों, स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे।

महुआ को थमाया वेदखली का नोटिस, अब जबरन खाली कराया जाएगा सरकारी बंगला!

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीएमसी की वरिष्ठ नेता महुआ मोइत्रा पर एक बार फिर कानूनी शिकंजा कसता नजर आ रहा है। महुआ लंबे समय से सरकारी आवास खाली करने में आनाकानी कर रहीं हैं। इसको लेकर संपदा निदेशालय ने उन्हे वेदखली का नोटिस जारी किया गया है। अब संभावना जताई जा रही है,यदि महुआ ने आवास नहीं छोड़ा तो जबरियां खाली कराया जा सकता है। महुआ मोइत्रा को पिछले महीने लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस नेता को सरकारी बंगला तुरंत खाली करने को कहा गया है. यह बंगला उन्हें बतौर सांसद आवंटित किया गया था। सूत्रों ने बताया, 'उन्हें (मोइत्रा को) मंगलवार को बंगला खाली करने का नोटिस जारी किया गया।

अब संपदा निदेशालय के अधिकारियों की एक टीम यह सुनिश्चित करने के लिए भेजी जाएगी कि सरकारी बंगला जल्द से जल्द खाली कराया जाए।' तृणमूल कांग्रेस नेता को पिछले साल 8 दिसंबर को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। इससे पहले मोइत्रा का आवंटन रद्द करते हुए उन्हें 7 जनवरी तक बंगला खाली करने

को कहा गया था। संपदा निदेशालय ने फिर 8 जनवरी को एक नोटिस जारी कर उनसे तीन दिन के भीतर जवाब मांगा था कि उन्होंने अपना सरकारी आवास खाली क्यों खाली नहीं किया। इसके बाद 12 जनवरी को उन्हें एक और नोटिस जारी किया गया था।दिल्ली हाईकोर्ट ने 4 जनवरी को तृणमूल नेता को आवंटित सरकारी आवास पर कब्जा जारी रखने की अनुमति देने के अनुरोध के साथ संपदा निदेशालय से संपर्क करने को कहा था। मोइत्रा को कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से कथित तौर पर उपहार लेने और उनके साथ संसद की वेबसाइट की 'यूजर आईडी और पासवर्ड' साझा करने के आरोप में पिछले साल 8 दिसंबर को 'अनैतिक आचरण' का दोषी ठहराया गया था और लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

नीति आयोग प्रधानमंत्री का जय-जयकार, कांग्रेस ने गरीबी पर थिंक टैंक की रिपोर्ट को नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग क्या है? कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बुधवार को सार्वजनिक नीति थिंक टैंक की उस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयजयकार है कि पिछले नौ वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने संयुक्त रूप से बहुआयामी गरीबी सूचकांक पर एक चर्चा पत्र जारी किया है जो देश में बहुआयामी गरीब आबादी की संख्या में गिरावट की दर का अध्ययन करने का प्रयास करता है। राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एनएमपीआई) का उपयोग करते हुए, अध्ययन में पाया गया कि 2013-14 के बाद से भारत में लगभग 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत 2030 से पहले बहुआयामी गरीबी को आधा करने के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लक्ष्य को हासिल कर लेगा। इसमें सबसे कमजोर और वंचितों

के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर समर्पण और दृढ़ प्रतिबद्धता को श्रेय दिया गया है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया, इसे ÷फर्जी÷ बताया और नीति आयोग को पीएम के लिए ढोल बजाने वाला कहा। कोई भी शरीर द्वारा जारी आंकड़ों पर विश्वास नहीं कर सकता है। हर विशेषज्ञ ने रिपोर्ट की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के बयान को और स्पष्ट करने के लिए कल इस मुद्दे पर एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने राहुल गांधी के नेतृत्व वाले पैदल मार्च, भारत जोड़ो न्याय यात्रा की दूसरी किस्त पर कटाक्ष किया और नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए संकेत दिया कि वास्तविक न्याय कौन कर रहा है।

लालू ने कहा, गठबंधन में इतनी जल्दी सीट तय नहीं होती

पटना । भले ही विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में शामिल कई दल सीट बंटवारा नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त कर रहे हों, लेकिन, राजद अध्यक्ष और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव अभी सीट बंटवारे को जल्दी बताते हैं। लालू ने बुधवार को साफ कर दिया कि इतनी जल्दी सीट शेयरिंग नहीं होती है। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में जाने से मना कर दिया। पटना में चर्चा के दौरान जब लालू से इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर विवाद के विषय में पूछा तब लालू ने बेबाकी से कहा कि गठबंधन में इतनी जल्दी सीट तय नहीं होती है। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने पर राजद अध्यक्ष ने साफ मना कर दिया।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला: नाबालिग लड़की की सहमति पर शारीरिक संबंध बनाना भी दुष्कर्म माना जाएगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि नाबालिग लड़की की सहमति के बाद भी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाना अपराध होगा। एक मामले में आरोपी के स्थायी जमानत रद्द करते हुए हाईकोर्ट के न्यायधीश जेसी दोशी ने कहा कि पोस्को कानून के तहत एफआईआर में आरोपी को जमानत के लिए नाबालिग की सहमति पर गौर करने की जरूरत नहीं है। पीड़िता 14 वर्ष की होय और उसकी सहमति हो तब भी आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को जमानत देने पर निचली कोर्ट पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। हाईकोर्ट ने कहा कि निचली अदालत ने अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज कर एफआईआर का गलत अर्थघटन किया।

गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश जेसी दोशी ने भरुच-अंकलेश्वर की सेशन्स कोर्ट द्वारा 31 वर्षीय आरोपी को स्थायी जमानत दिए जाने के आदेश को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि पोक्सो कानून के मुताबिक नाबालिग लड़की की सहमित अर्थहीन होती है। हाईकोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कई फैसलों द्वारा प्रस्थापित सिद्धांतों का निचली कोर्ट का आदेश उल्लंघन करता है। इसलिए आरोपी की जमानत रद्द करने की राज्य सरकार की अपील मंजूर की जाती है और निचली अदालत के गलत आदेश को खारिज किया जाता है। बता दें कि अंकलेश्वर की अदालत ने आरोपी को स्थायी जमानत दी थी।

पूरे मामले पर गौर करें तो नाबालिग लड़की रात्रि भोजन के बाद घर के बाहर बैठी थी। उस वक्त मुकेश भरवाड नामक शख्स ने 14 वर्षीय किशोरी को मोबाइल पर मैसेज कर छत बुलाया था। साथ ही धमकी दी थी कि अगर वह छत पर नहीं आई तो अपने हाथ की नस काट लेगा। मुकेश का मैसेज देख किशोरी सहम गई और छत पर पहुंच गई। किशोरी के छत पर पहुंचते ही मुकेश ने उसे दबोच लिया और उसके कपड़े उतार दिए। जिसके बाद आरोपी मुकेश ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। बेटी की तलाश करते करते उसके पिता छत पर पहुंच गए, जहां अन्य शख्सों ने उसके साथ मारपीट की और फरार हो गए। इस मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी को अस्थायी जमानत दिए

जाने पर मामला गुजरात हाईकोर्ट पहुंच गया। लेकिन हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए कहा कि नाबालिग लड़की के साथ उसकी सहमति पर भी शारीरिक संबंध बनाना अपराध है और वह दुष्कर्म की व्याख्या में आता है।

हमास के हथियारों का जखीरा देख इजरायल के उड़े होश

तेल अवीव । इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के उस समय होश उड़ गए जब उसने हमास के ठिकानों पर सैकड़ों की तादाद में रॉकेट लांचर और रेडी टू लांच रॉकेट देखे। एक्स पर जानकारी देते हुए आईडीएफ ने मंगलवार को कहा कि उसने गाजा में हमास के गढ़ से लगभग 100 रॉकेट इंस्टॉलेशन का खुलासा किया है। आईडीएफ ने एक पोस्ट में कहा कि उत्तरी गाजा के बेत लाहिया शहर में 401वीं ब्रिगेड कॉम्बैट टीम को रॉकेट इंस्टॉलेशन और 60 रेडी-टू-यूज रॉकेट मिले, जहां सैनिकों ने हमलों के दौरान दर्जनों आतंकवादी गुर्गों को मार दिया। आईडीएफ ने कहा कि उत्तरी शाती क्षेत्र में सैनिकों ने इजरायली वायु सेना के विमान और एक हेलीकॉप्टर को नौ आतंकवादी गुर्गों पर हमला करने का निर्देश दिया। इस ऑपरेशन में वायुसेना के अलावा 5वीं ब्रिगेड भी शामिल थी। इस दौरान दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में आईडीएफ की 7वीं ब्रिगेड कॉम्बैट टीम ने क्षेत्र में देखे गए आतंकवादी गुर्गों पर हमला करने के लिए एक विमान भी भेजा था। इसके साथ ही एक ऑब्जर्वेशन डिवाइस पर हमला करने के लिए एक हेलीकॉप्टर भेजा जिसने सशस्त्र आतंकवादियों को मार गिराया था। इस समय हमास के वरिष्ठ नेता मोहम्मद दीफ और याह्या सिनवार कथित तौर पर कई बंधकों के साथ खान यूनिस में छिपे हैं। बता दें कि हमास ने इजरायल में पिछले साल सात अक्टूबर को हमला कर करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे। इसके अलावा 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था, जिसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में आक्रामक सैन्य हमले शुरू किए थे।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची सास-बहू की लड़ाई, चीफ जस्टिस भी हुए हैरान

इस्लामाबाद । सास-बहू की लड़ाई घर में तो ठीक है, लेकिन यह लड़ाई यदि सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाती है तो जज का हैरान होना स्वाभाविक है। ऐसा ही पाकिस्तान की एक अदालत में हुआ है। जहां 10 तोला सोने को लेकर सास-बहू का झगड़ा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में यह अनोखा मामला सामने आया है, जहां सास-बहू के बीच 10 तोला सोने को लेकर विवाद है। दरअसल, पाकिस्तान की एक महिला याचिकाकर्ता ने अपनी पूर्व बहू के साथ 10 तोला सोने को लेकर विवाद कायम किया। सबीहा खानम नाम की इस महिला ने अपनी पूर्व बहू को 10 तोला सोना देने के हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ पाकिस्तान की शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की थी। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को इस मामले में सुनवाई की। रिपोर्ट के मुताबिक चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा ने याचिकाकर्ता महिला के वकील जुल्फिकार नकवी से दोनों महिलाओं के बीच पारिवारिक विवाद जानना चाहा। इस पर वकील ने अदालत को बताया कि यह झगड़ा सोने की कस्टडी को लेकर सास और बहू के बीच है। इसके बाद पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि उनकी बहू तलाकशुदा थी और उसका हक-ए-मेहर क्या था? एससी की बेंच के पूछने पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बहू का तलाक हो चुका है और उसके तीन बच्चे हैं, जबकि उसका गुजारा भत्ता 2000 रुपये महीना पहले से ही तय है। इसके बाद चीफ जस्टिस ने टिप्पणी की कि तीन बच्चों की मां को 10 तोला सोना देने में क्या दिक्कत है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता खानम की उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने की अपील खारिज कर दी। इस तरह से सास-बहू के झगड़े में बहू की जीत हो गई और सास को 10 तोला सोना देना पड़ा।

आस्ट्रेलिया में रह रहे हरियाणा के युवक की समुद्र में डूबने से मौत, तमाम प्रयासों के बाद मिली डेड बॉडी

विक्टोरिया। आस्ट्रेलिया में रह रहे हरियाणा के एक युवक की समुद्र में डूबने से मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब 25 साल का साहिल अपने दोस्तों के साथ विक्टोरिया बीच पर समुद्र में नहाने गया था। नहाने के दौरान साहिल का चश्मा समुद्री लहरों में चला गया, जिसे उठाने की कोशिश के दौरान एक तेज लहर आई जो साहिल को गहरे पानी की तरफ बहा ले गई। उपस्थित दोस्तों ने उसे बचाने के प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। गोताखोरों ने शव को तलाशने की कोशिश की लेकिन शव कहीं नहीं मिला। पुलिस ने रेस्क्यू के दौरान हेलीकॉप्टर का उपयोग करते हुए काफी दूर तक साहिल के शव को तलाशा लेकिन धुंध और कोहरे कारण डेड बॉडी नहीं मिली। इस तलाशी अभियान में दूसरे दिन गोताखोरों ने शव ढूंढ लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि साहिल बीते सात सालों से आस्ट्रेलिया में रह रहा था। स्टडी वीजा पर आस्ट्रेलिया गए साहिल को एक साल पहले ही स्थाई नागरिकता मिली थी। वहीं परिवार सहित रह रहा था और एक फर्नीचर कंपनी में काम करता था। हरियाणा के गांव कैमला निवासी साहिल का विवाह गुढ़ा गांव की अनु के साथ हुआ था और 2022 में साहिल अनु को भी अपने साथ लेकर ऑस्ट्रेलिया चला गया था। साहिल का शव अब मेलबर्न से अस्पताल में है। उसे वहाँ से लाने में 7 से 10 दिन का समय लग सकता है, और साहिल का भाई पुर्तगाल में जॉब करता है। ऐसे में इस घटना के बाद पूरे गांव और पूरे परिवार में शोक की लहर है। ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक का शव बरामद कर लिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जैसे ही युवक की मौत होने की खबर कैमला गांव में पहुंची तो परिवार पर पहाड़ से टूट गया और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण परिजनों को ढाढ़स देने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं।

कतर की मध्यस्थता में हुए समझौते पर अमल, आज गाजा पहुंचेगी जीवन रक्षक दवाएं

जेरूसलम। कतर की मध्यस्थता में हुए समझौते पर अमल शुरू हो गया है। समझौते के तहत फांस में खरीदी गई दवाएं गाजा में हमास और अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को भी वितरित की जाएंगी। बंधकों की चिकित्सा स्थितियों के आधार पर दवाओं की सूची बनाई गई थी, जिनमें से कई की उम्र 70 और 80 वर्ष के बीच है। इस आशय की जानकारी इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा एक बयान में दी गई है। बयान में कहा गया है कि बुधवार को कतरी वायु सेना के दो विमानों के फांस में खरीदी गई दवाओं को साथ मिस्र के लिए प्रस्थान करने की उम्मीद है, जबकि मिस्र में विमानों के आगमन पर, कतर के प्रतिनिधियों द्वारा दवाओं को गाजा पट्टी में उनके अंतिम गंतव्य तक पहुँचाया जाएगा। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रक्रिया के दौरान मदद करने वाले सभी लोगों की सराहना की और जोर देकर कहा कि इजरायल इस बात पर जोर देता है कि सभी दवाएं अपने गंतव्य तक पहुंचें। कतरी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को गाजा को दवाएं और सहायता भेजने के लिए इज़रायल और हमास के बीच एक समझौते पर पहुंचने की घोषणा की थी। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को अप्रत्याशित रूप से इजरायल पर हमला किया और करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित लगभग 130 बंधक अभी भी गाजा में हैं। इस हमले में लगभग 1,200 इजरायली मारे गए थे। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि प्रतिशोध में गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 24,285 हो गया है। इज़रायल द्वारा अपने जवाबी हमले के तहत दवाओं, भोजन, ईंधन और पानी की आपूर्ति में कटौती के बाद गाजा को चिकित्सा सहायता की सख्त जरूरत है।

अमेरिका के दक्षिणी-पूर्वी हिस्सों में दिखा तूफान का असर, पारा हुआ शून्य डिग्री

बफेलो । अमेरिका के अधिकतर हिस्से में कंपकंपाती ठंड पड़ रही है। इधर दक्षिणी-पूर्वी हिस्सों में लगातार शीतलहर का प्रकोप जारी है। यहां के कई स्थानों का तापमान जीरो हो गया है। यहां पर सोमवार को मैरीलैंड के कॉलेज पार्क में राष्ट्रीय मौसम सेवा में मौसम विज्ञानी जैक टेलर ने कहा कि करीब 15 करोड़ अमेरिकियों के लिए ठंडी हवा चलने की चेतावनी या खतरनाक ठंड संबंधी बुलेटिन जारी किया गया है। इसके साथ ही आर्कटिक से आ रहे तूफान का असर अमेरिका के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में देखा जा सकता है। रविवार सुबह उत्तरी और उत्तरपूर्वी मोंटाना में पारा शून्य से 6.7 डिग्री सेल्सियस से लेकर शून्य से 40 सेल्सियस तक दर्ज किय गया। मौसम केन्द्र के टेलर ने बताया कि मोंटाना के साको में तापमान शून्य से 26 सेल्सियस नीचे चला गया। कंसास, मिसौरी, इलिनोइस और इंडियाना के कुछ हिस्सों में भी पारा शून्य से नीचे माइनस में बना हुआ है। यहां शनिवार को व्यापक पैमाने पर शुरू की गयी बिजली कटौती के बाद अमेरिका में करीब 1,14,000 घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बत्ती गुल है। जिनमें से ज्यादातर घर तथा प्रतिष्ठान ओरेगोन में हैं। पोर्टलैंड जनरल इलेक्ट्रिक ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि सोमवार को तेज हवा चलने का पूर्वानुमान है और मंगलवार को बर्फीले तूफान के कारण बिजली आपूर्ति में देरी हो सकती है।

डेस मोइंस में भारी बर्फबारी के कारण चारों ओर सफेद बर्फ की चादर नजर आयी।

गैर-इस्लामिक निकाह मामले में इमरान और बीबी बुशरा दोषी

-रावलपिंडी की अदालत ने अनुपस्थित बुशराकी मेडिकल रिपोर्ट पर जताई आपत्ति

रावलपिंडी । पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को गैर-इस्लामिक निकाह (विवाह विलेख) मामले में दोषी ठहराया। वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश कुदरतुल्लाह ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थापित अदालत में पीटीआई के सर्वोच्च नेता की मौजूदगी में आरोप पढ़े। मंगलवार की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बुशरा की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई और सवाल किया कि वह कोर्ट की इजाजत के बिना कहीं कैसे जा सकती हैं। मीडिया आउटलेट की रिपोर्ट के अनुसार, इस पर उनके वकील उस्मान गिल ने कहा

कि उनकी मुवक्किल अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अस्पताल के लिए रवाना हो गई हैं। इस बीच, अभियोजन पक्ष ने बुशरा की मेडिकल रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इसमें किसी विशेष उपचार का उल्लेख नहीं किया गया है - जिससे आरोपी गुजरा है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान, जिन्हें अप्रैल 2022 में सत्ता से हटा दिया गया था और उनकी पत्नी ने पिछले महीने बुशरा के पूर्व पति खावर मनेका द्वारा दर्ज मामले में सभी आरोपों से इनकार किया है। हालांकि, बुशरा न्यायालय में हाजिर नहीं हुईं, जिससे न्यायाधीश नाराज हो गए, क्योंकि उनकी गैरहाजिरी के कारण पिछले अभियोग स्थगित कर दिए गए थे।

ये क्या हुआ? इधर ईरान के राष्ट्रपति से मिले जयशंकर, उधर ईरानी सेना ने मिटा दिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कारण कुछ भी हो सकते हैं लेकिन कई बार टाईमिंग ऐसी हो जाती है जो शंकाओं का कारण बन जाती है। हाल ही 15 जनवरी को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाह्यान से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। इसके ठीक दूसरे दिन यानी 16 जनवरी को ईरान ने पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक कर आतंकियों के कई ठिकानों को तहस नहस कर दिया। इसके कारण कुछ भी हो सकते हैं लेकिन मुलाकात और एयरस्ट्राइक की टाइमिंग चर्चा में जरुर आ गई।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जैश उल-अदल आतंकवादी समूह से संबंधित दो ठिकानों पर हमला किया और उन्हें नष्ट कर दिया। स्थनीय मीडिया के मुताबिक कुहे सब्ज़ क्षेत्र में लक्षित जैश उल-अदल के ठिकाने आतंकवादी समूह के सबसे बड़े अड्डों में से एक थे। ईरानी राज्य मीडिया ने बताया कि इन ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तानी सेना या सरकारी अधिकारियों ने जैश उल-अदल समूह पर ईरान के हमलों की न तो पुष्टि की और न ही इनकार किया। आतंकवादी समूह ने पहले भी पाकिस्तान के साथ सीमा क्षेत्र में ईरानी सुरक्षा बलों पर हमले किए हैं। जैश अल-अदल 2012 में स्थापित एक सुन्नी आतंकवादी समूह है जो व्यापक रूप से पाकिस्तान में सीमा पार संचालित होता है। ईरान ने सीमावर्ती इलाकों में उग्रवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है, लेकिन पाकिस्तान पर मिसाइल और ड्रोन हमला ईरान के लिए अभूतपूर्व कदम है।

पाकिस्तान के साथ राजनयिक बैठक

ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जैश-उल-अदल आतंकी समूह के दो ठिकानों पर हमले किए। यह हमला स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवर उल हक काकर के बीच एक बैठक के साथ हुआ। मंगलवार को, ईरानी मीडिया ने बताया कि कुहे सब्ज़ क्षेत्र में लक्षित जैश उल-अदल के अड्डे आतंकवादी समूह के सबसे बड़े ठिकानों में से एक थे। ईरानी राज्य मीडिया ने बिना विस्तृत जानकारी दिए कहा, इन ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया।

जासूसी नेटवर्क को फिर से मजबूत करने में लगा चीन, कार्टून के सहारे लोगों को इससे जोड़ने की कोशिश

ओटावा (एजेंसी)। हर जगह घूम रहे कथित विदेशी जासूसों की चिंताओं के बीच चीन अपने जासूसी नेटवर्क को फिर से मजबूत कर रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी, राज्य सुरक्षा मंत्रालय, देश की पूरी आबादी को जासूसों की तलाश में रखना चाहती है। साथ ही एक असामान्य जन जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया है और शेनयिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन स्क्वाड नामक एक ऑनलाइन कॉमिक स्ट्रिप लॉन्च की गई है। इस कदम से लोगों के जुड़ने की उम्मीद है। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि चीन की प्रतिक्रिया वास्तविक सतर्कता की तुलना में व्यामोह से अधिक प्रेरित है। 7 जनवरी को चीन के एमएसएस द्वारा जारी की गई पहली किस्त में चीन के काउंटर-जासूसी कानून का उल्लंघन करने के संदेह में एक विदेशी दिखने वाले व्यक्ति को पकड़ने और पूछताछ को दर्शाया गया है। मंत्रालय के अनुसार, कॉमिक कथानक ज़शिान खनन क्षेत्र में सामने आता है, जो वास्तविक जासूसी मामलों से प्रेरित है।

कॉमिक में बबल टी के शौकीन तकनीकी उत्साही ए ज़ेह और मार्शल आर्ट में कुशल लंबे बालों वाले पुलिस अधिकारी डैन डैन जैसे पात्रों का परिचय दिया गया है। इसमें लाओ टैन भी है, जो अनिर्दिष्ट लेकिन संभवतः अद्वितीय कौशल वाला एक अनुभवी एजेंट है। पात्रों को युवा दर्शकों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो देश के युवाओं के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के एमएसएस के प्रयास को उजागर करता है। एमएसएस कड़ी सुरक्षा की धारणा को सुदृढ़ करना चाहता है, ऐसे प्रचार प्रयासों को अक्सर उदासीनता या उपहास का सामना करना पड़ता है। ऐसे तर्क हैं कि पूर्वानुमानित विषय और सूक्ष्मता की कमी इच्छित दर्शकों पर प्रभाव को कम कर रही है। कॉमिक स्ट्रिप सरकार की इस कहानी में योगदान देती है कि चीनी नागरिकों और विदेशियों के बीच किसी भी बातचीत को संदेह की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। चीन की सरकार ने अपने जासूसी विरोधी रुख को बढ़ाते हुए, पिछले साल काउंटर-जासूसी कानून का विस्तार किया, जिसमें स्पष्ट परिभाषा के बिना सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से संबंधित जानकारी के हस्तांतरण पर रोक लगा दी गई।

एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने ईरान से अपने राजदूत को वापस बुलाया, तेहरान के राजदूत की एंट्री भी कर दी बंद

गाजा (एजेंसी)। बलूचिस्तान प्रांत पर हमले शुरू करने के बाद पाकिस्तान ने बुधवार को ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया। इसके अलावा, पाकिस्तान में फिलहाल तेहरान में मौजूद ईरानी राजदूत को भी फिलहाल वापस न लौटने के लिए कहा गया है। यह तब आया है जब ईरान ने कहा कि उसने बलूचिस्तान में जैश उल-अदल आतंकवादी समूह के दो 'महत्वपूर्ण' ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। पाकिस्तान ने हमले की पुष्टि करते हुए दावा किया कि हमले में दो बच्चे मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस हमले की कड़ी निंदा की और इसे ईरान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन बताया। इसमें कहा गया कि हमले में दो बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता के उल्लंघन का पुरजोर विरोध करता है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

जैश अल-अदल आतंकवादी समूह से जुड़े दो ठिकानों को निशाना बनाए जाने के ईरान के दावों के मद्देनजर पाकिस्तान ने पड़ोसी देश द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए जाने की कड़ी निंदा की और चेतावनी दी कि इस प्रकार के कदमों का गंभीर परिणाम हो सकता है। देश के सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान में आतंकवादी समूह के ठिकानों को निशाना बनाते हुए हमले किए।

खालिस्तान के हमदर्द टूडो को भारतीय छात्रों ने दिया तगड़ा झटका

- अब कनाडा की जगह अन्य देशों के लिए अध्ययन वीजा हो रहा अप्लाई

ओटावा (एजेंसी)। खालिस्तान के हमदर्द कनाडा के पीएम जस्टिन टूडो को भारतीय छात्रों ने तगड़ा झटका दिया है। दरअसल भारतीय छात्रों ने अब कनाडा के लिए अध्ययन परमिट में आवेदन कम किए हैं। जानकारी के अनुसार कनाडा की ओर से भारतीय छात्रों को जारी किए जाने वाले स्टडी परमिटों की संख्या में पिछले साल के अंत में तेजी से गिरावट आई है। साल की आखिरी तिमाही में ये गिरावट 86 फीसदी तक चली गई। कनाडा में सिख आतंकी की हत्या के बाद दोनों देशों के बीच हुए राजनयिक विवाद के चलते कम भारतीय छात्रों ने आवेदन किया है। क्योंकि बीते साल के आखिर में दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ गया था। इस संबंध में कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने एक साक्षात्कार में माना कि स्टडी परमिट की संख्या घटी है और भारतीयों को अध्ययन परमिट की संख्या जल्द ही बढ़ने की भी संभावना नहीं है। मार्क मिलर ने कहा, हालिया संबंधों ने भारत से कई आवेदनों को जारी करने की संख्या को आधा कर दिया है। उन्होंने कनाडा और भारत के तनाव का असर आगे भी पड़ने की संभावना व्यक्त की है।

मार्क ने कहा कि मैं आपको यह नहीं बता सकता कि राजनयिक संबंध कैसे विकसित होंगे लेकिन इनका असर जरूर हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में भारतीयों को जारी किए गए अध्ययन परमिट में उससे पिछली तिमाही की तुलना में 86प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। एक ही तिमाहई में स्टडी परमिट की संख्या 1,08,940 से घटकर 14,910 रह गई है। और ये कनाडा के लिए बड़ा झटका है क्योंकि कनाडाई विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से काफी आमदनी होती है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों से कनाडा के विश्वविद्यालयों को सालाना करीब 22 बिलियन कनाडाई डॉलर मिलते हैं।

इसी संबंध में ओटावा में भारतीय उच्चायोग के कंसल्टेंट सुब्रमण्यन ने कहा कि कनाडाई संस्थानों में आवासीय और पर्याप्त शिक्षण सुविधाओं की कमी भी मुख्य कारण बने है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय

छात्र अब कनाडा के बजाय अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें भारतीय छात्र भी शामिल हैं। भारतीय छात्रों पर कनाडा से राजनयिक विवाद का भी असर हो रहा है। बीते साल जून में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या पर कनाडा सरकार ने भारतीय एजेंटों के शामिल होने का दावा किया था। कनाडा के इन आरोपों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके बाद से भारतीय छात्रों ने दूसरे देशों में पढ़ने का विकल्प ढूंढा है।

'रवांडा शरण योजना' पर संसद में घिरे पीएम सुनक

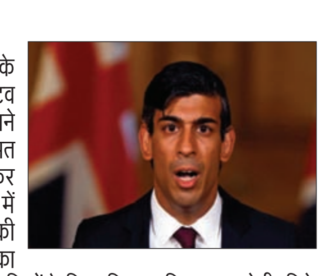

लंदन । रवांडा शरण योजना' को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को मंगलवार को संसद में खुद की कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों की बगावत का समाना करना पड़ा। ब्रिटेन में शरण चाहने वालों को रवांडा भेजने की सुनक की योजना को लेकर कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ सांसदों ने बगावती तेवर दिखाए। यह एक विवादास्पद और महंगी नीति है जिसे सुनक ने इस वर्ष चुनाव जीतने के अपने प्रयास के तहत केंद्र में रखा था। इस योजना को लागू करने के लिए उन्हें अपनी पार्टी की एकजुटता की ज़रूरत है, जो जनमत सर्वेक्षणों में विपक्षी दल लेबर पार्टी से बहुत पीछे है। कंजर्वेटिव पार्टी का उदारवादी और गैर उदारवादी धड़ा रवांडा योजना को लेकर आमने-सामने है। सुनक को झटका देते हुए कंजर्वेटिव पार्टी के दो उपाध्यक्षों ने कहा कि वे इस सप्ताह हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार के अहम रवांडा सुरक्षा विधेयक को सख्त बनाने के लिए मतदान करेंगे। ली एंडरसन और ब्रेंडन क्लार्क-स्मिथ ने घोषणा की कि वे रवांडा निर्वासित करने के खिलाफ शरण चाहने वालों के लिए अपील के रास्ते बंद करने का प्रावधान करने वाले संशोधनों का समर्थन करेंगे। एक अन्य विद्रोही एवं पूर्व आव्रजन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने कहा कि केवल 'सबसे मजबूत कार्रवाई' ही संभावित प्रवासियों के लिए 'टिकाऊ निवारक' बनेगी। ब्रिटेन के मुख्य विपक्षी दलों ने भी इस विधेयक का विरोध किया है।

फिर दुनिया पर मंडराया खतरा! चूहों पर नए घातक वायरस का टेस्ट कर रहा चीन

बीजिंग (एजेंसी)। कोरोना वायरस कहां से आया, कब आया और कैसे आया। इन सवालों का जब भी जिक्र होता है तो नजर चीन पर जाकर टिकती है। लेकिन अपनी सबूतों की इमारतों पर चीन इस बात को झूठला देता है या पीछे हट जाता है। कोरोना को लेकर चीन से जुड़े खुलासे लगातार सामने आते रहे। लेकिन अब चीन को लेकर एक नया दावा सामने आया है। कहा जा रहा है कि कोरोना के नए स्ट्रेन को फैलाने के लिए चूहों का प्रयोग कर रहा है। प्री-पीयर समीक्षा जर्नल लेखों के डेटाबेस पर आई एक रिपोर्ट पर विश्वास किया जाए, तो चीन एक नए घातक कोविड जैसे वायरस पर काम कर रहा है। ये चूहों के लिए 100 प्रतिशत घातक है और मनुष्यों को प्रभावित कर सकता है।

3 जनवरी को बायोरेक्सिव वेबसाइट पर प्रकाशित पेपर में दावा किया गया कि चीनी सेना द्वारा प्रशिक्षित डॉक्टरों ने तथाकथित पैंगोलिन कोरोना वायरस का अपना वर्जन तैयार किया है और चूहों पर इसका परीक्षण भी किया है। पेपर में कहा गया है कि चार चूहों को निष्क्रिय वायरस का टीका लगाया गया और चार नकली-संक्रमित चूहों को नियंत्रण के रूप में इस्तेमाल किया गया। हैरानी की बात यह है कि जीवित वायरस से संक्रमित सभी चूहे टीकाकरण के 7-8 दिनों के भीतर संक्रमण का शिकार हो गए।

विशेषज्ञों ने पाया कि जिन चार चूहों को वायरस दिया गया, संक्रमित होने के बाद पांच दिनों के भीतर उनका वजन कम हो गया। सातवें दिन चूहे सुस्त होने लगे और उनकी आंखें सफेद हो गईं। जीवित वायरस से संक्रमित चूहों में फेफड़ों में वायरल लोड छठे दिन तक काफी कम हो गया। इसके साथ ही चूहों की मौत के आखिरी दो दिन पहले मस्तिष्क में वायरस का असर ज्यादा था। पेपर में आगे कहा गया कि इस खोज से पता चला संक्रमण के बाद के चरणों के दौरान गंभीर मस्तिष्क संक्रमण इन चूहों में मृत्यु का प्रमुख कारण हो सकता है।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Thursday, 18 January 2024

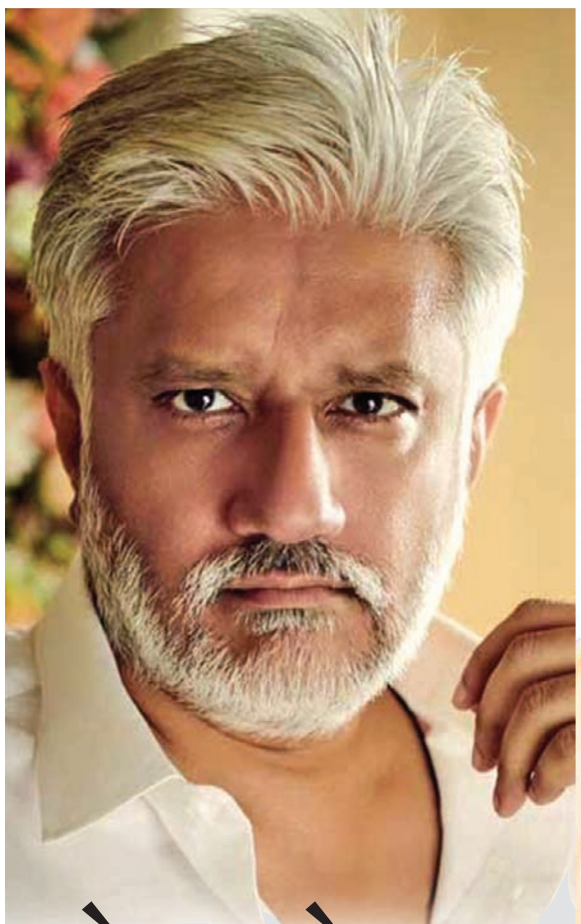

मुकेश- महेश भट्ट की अनबन पर बोले विक्रम भट्ट

विक्रम भट्ट ने महेश और मुकेश भट्ट की अनबन पर बात की है। उन्होंने बताया है कि लंबे समय तक मुकेश ने भट्ट साहब (महेश भट्ट) पर अत्याचार किया था। यही वजह थी कि महेश ने विक्रम को कुछ साल बाद प्रोडक्शन हाउस विशेष फिल्म्स से अलग कर दिया था। वो नहीं चाहते थे कि मुकेश उनकी तरह विक्रम पर भी अत्याचार करे।

विक्रम का महेश और मुकेश के साथ कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। उन्होंने महेश और मुकेश भट्ट द्वारा को-प्रोड्यूस की गई सक्सेसफुल फ्रेंचाइजी राज का डायरेक्शन किया है। इसके बारे में बात करते हुए, विक्रम ने सिद्धार्थ कानन दिए इंटरव्यू में कहा, 'भट्ट साहब (महेश भट्ट) ने मुझे एक मोर की पेंटिंग गिफ्ट की थी। पेंटिंग में मोर को रेगिस्तान में उड़ता हुआ दिखाया गया था। भट्ट साहब ने मुझसे कहा- ये मोर तुम्हारे जैसा है। इसके बाद से पेंटिंग मेरे हर ऑफिस में रही। एक दिन मैं भट्ट साहब से बात कर रहा था, फिर टॉयलेट चला गया। वापस आने के बाद मैंने देखा कि मेरा ड्राइवर कार में पेंटिंग रख रहा था।

तब मैंने भट्ट साहब से इसका कारण पूछा, तो उन्होंने कहा- आप कंपनी से बाहर निकल जाइए। फिर मेरे पूछे जाने पर उन्होंने कहा- सालों तक मेरे भाई (मुकेश भट्ट) ने मुझ पर अत्याचार किया। मैं नहीं चाहता हूं कि वो आप पर ही अत्याचार करें। आप जाओ और अपने आप कुछ करो।

विक्रम ने आगे कहा कि महेश की बात को उन्होंने मान ली और प्रोडक्शन हाउस विशेष फिल्म्स से दूरी बना ली। उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना से पहले ही मुकेश के साथ उनका रिश्ता बिगड़ चुका था। सिर्फ सच्चाई की वजह से वो भट्ट साहब के साथ थे।

मैंने खुद ईगो में महेश से बिगाड़ा था रिश्ता

विक्रम ने आगे महेश भट्ट के साथ खुद की अनबन पर भी बात की। उन्होंने बताया कि एक गलतफहमी की वजह से दोनों में दूरी आ गई थी। इसके लिए उन्होंने खुद को ही कसूरवार ठहराया था। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि उस गलतफहमी में मेरी गलती थी। मुझे एक बार उनसे जरूर पूछना था कि उन्होंने वो सारी बातें कही हैं या नहीं, जिस वजह से गलतफहमी हुई। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। मैं ईगो में था और यही मेरी गलती थी। अगर मैं उन्हें अपना गुरु मानता था, तो मुझे उनका सम्मान करना चाहिए था। जब मैं 5-6 साल बाद उनके पास वापस गया, तो मैंने उनसे कहा- बॉस, मैं यहां फिल्म के डायरेक्शन के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां अपनी गलती के लिए माफी मांगने आया हूं। आप मुझसे जो कहेंगे मैं भी वही करूंगा। अगर आप कहते हैं कि कोई फिल्म एडिट करो या मेरी कार चलाओ, तो मैं सब कुछ करने को तैयार हूं। ये सुन भट्ट साहब भावुक हो गए थे और कहा था- आप डायरेक्टर हैं, कार क्यों चलाएंगे। इसके बाद उन्होंने मुझे राज 3 के डायरेक्शन का काम दिया।

रियल लाइफ हीरो के किरदार ही क्यों निभाते हैं सिद्धार्थ? खुद बताई वजह

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इंडियन पुलिस फोर्स के जरिए सिद्धार्थ ही नहीं इस सीरीज के निर्माता रोहित शेट्टी भी ओटीटी प्लेटफार्म पर कदम रख रहे हैं। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि उन्होंने फिल्मों में रियल लाइफ हीरो पर आधारित भूमिकाएं क्यों चुनीं?

रियल लाइफ हीरो के किरदार निभाना पसंद

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, मुझे रियल लाइफ के हीरो की भूमिका निभाने में अच्छा लगता है, क्योंकि इन किरदारों के बारे में हमने वास्तव में देखा या सुना है और जब ये हीरो बहादुर काम करके देश को गर्व महसूस कराते हैं, तो इन हीरो की कहानी बड़े पर्दे पर उतारकर दर्शकों तक पहुंचाई जाती है। अभिनेता ने आगे कहा, मुझे भू-राजनीति के कुछ हिस्से पसंद हैं। वहीं, जब मैं डाक्यूमेंट्री देखता हूं, तो मुझे वास्तविक जीवन के मिशन पसंद आते हैं। मेरी फिल्म शेरशाह वास्तविक जीवन के नायक पर आधारित फिल्म थी।

पुलिस अधिकारियों के जीवन को लेकर कही यह बात

अभिनेता ने इंडियन पुलिस फोर्स सीरीज के किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, हम सभी पुलिस अधिकारियों को देखते हैं। उनके साथ कभी करीब से बातचीत नहीं कर पाते हैं, लेकिन जब आप इस तरह का किरदार निभाते हैं, तो तब आपको एहसास होता है कि असल जीवन में उन्हें कितनी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। उनके सामने कितनी चुनौतियां होती हैं। उन्हें निजी जिंदगी में भी कितना संघर्ष करना पड़ता है। मैंने इंडियन पुलिस फोर्स में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। इस किरदार को निभाने पर मुझे ये एहसास हुआ कि पुलिस अधिकारी का जीवन कितना चुनौतीपूर्ण होता है।

इस दिन होगी स्ट्रीम

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म की बात करें, तो अभिनेता की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 जनवरी 2024 से स्ट्रीम हो रही है। इस सीरीज का निर्देशन रोहित शेट्टी ने अपने सहायक सुशांत प्रकाश के साथ किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, विवेक ओबेरॉय, श्वेता तिवारी, निकितिन धीर, ऋतुराज सिंह और मुकेश ऋषि की मुख्य भूमिकाएं हैं।

सौरभ गांगुली का किरदार निभाएंगे आयुष्मान

सिनेमा में बीते कुछ सालों से बायोपिक का बोलबाला है। अलग-अलग क्षेत्र की नामचीन हस्तियों की कहानियों को पर्दे पर उकेरा जा चुका है। इसी कड़ी में पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली की बायोपिक रोमांचक परियोजनाओं में से एक है। रिपोर्ट के अनुसार, आयुष्मान खुराना इस बाएं हाथ के बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले हैं।

विक्रमादित्य मोटवानी को लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा समर्थित फिल्म का निर्देशन करने के लिए चुना गया है। पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली की बायोपिक को लेकर मेकर्स और आयुष्मान खुराना के बीच पिछले साल से ही चर्चा चल रही है। कथित तौर पर, अभिनेता ने हाल ही में औपचारिक रूप से इस परियोजना के लिए साइन अप किया है, और जल्द ही इसके लिए तैयारी शुरू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग, जो अपने लव फिल्म्स बैनर के तहत इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, उन्होंने आयुष्मान खुराना और विक्रमादित्य मोटवानी को साथ लाकर एक छक्का लगाया है।

आधिकारिक घोषणा का अभी भी इंतजार

रिपोर्ट की मानें तो, गांगुली की तरह बाएं हाथ के कलाकार आयुष्मान उनकी बायोपिक के लिए बिल्कुल फिट हैं, जबकि मोटवानी पहले ही उड़ान, लुटेरा, भावेश जोशी सुपरहीरो और जुबली जैसी फिल्मों में अपनी महारत साबित कर चुके हैं। इस रिपोर्ट मात्र ने मनोरंजन समेत खेल जगत के फैंस का भी उत्साह बढ़ा दिया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा का अब तक इंतजार है।

कब शुरू हो सकती है शूटिंग?

यह भी बताया गया है कि शूटिंग शुरू करने से पहले आयुष्मान जल्द ही अपनी गहन क्रिकेट ट्रेनिंग शुरू करेंगे। उम्मीद है कि फिल्म 2024 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर जाएगी। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि विक्रमादित्य ने पहले यह ऑफर छोड़ दिया था और यह तमिल निर्देशक ऐश्वर्या रजनीकांत के पास गया था, लेकिन बात नहीं बन पाई। आखिरकार विक्रमादित्य अब फिल्म करने के लिए राजी हो गए हैं। निर्माता जल्द ही आधिकारिक घोषणा करेंगे और फिल्म के शीर्षक का खुलासा करेंगे।

चंदू चैंपियन की शूटिंग से कार्तिक लेंगे ब्रेक

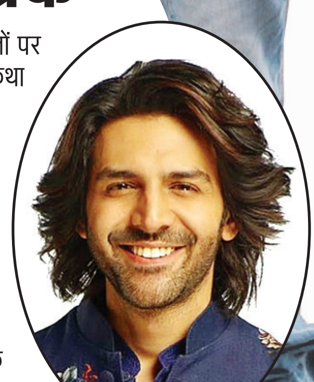

कार्तिक आर्यन अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करते हैं। रोमांटिक ड्रामा सत्य प्रेम की कथा के बाद वे जल्द ही चंदू चैंपियन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के लिए वे इन दिनों कड़ी मेहनत कर रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ वे फिल्म की लगातार शूटिंग कर रहे हैं। एक था टाइगर और बजरंगी भाईजान निर्देशक कबीर खान के साथ कार्तिक की यह पहली फिल्म भी है। इस फिल्म की शूटिंग के बीच अभिनेता को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा के अलावा, कार्तिक के पास भूल भुलैया 3 और आशिकी 3 भी है। पिछले साल कार्तिक के जन्मदिन पर, करण जौहर ने घोषणा की थी कि उन्होंने अभिनेता को भारतीय सेना पर आधारित एक युद्ध ड्रामा फिल्म के लिए चुना है। अपने झगड़े को खत्म करते हुए करण ने यह बात सोशल मीडिया पर साझा की थी।

मनोज बाजपेयी की जोरम ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी और मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म जोरम ने सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल की। हालांकि, यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, जिसके कारण अभिनेता बेहद निराश हुए थे। मनोज ने वास्तविक सिनेमा के बजाय मुख्यधारा के मनोरंजनकर्ताओं को प्राथमिकता देने के बारे में चिंता व्यक्त की थी। वहीं, अब मनोज बाजपेयी ने ट्वीट कर फैंस को खुशखबरी दी है। अभिनेता ने एक्स पर साझा किया कि उनकी फिल्म जोरम के स्क्रीनप्ले को एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज लाइब्रेरी के मुख्य संग्रह में शामिल किया जा रहा है। मनोज ने जोरम का एक पोस्टर साझा किया और लिखा, यहां जोरम के लिए एक और पेज-टर्निंग जीत है। स्क्रीनप्ले, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज लाइब्रेरी के मुख्य संग्रह का हिस्सा बन गई है। जैसे ही अभिनेता ने यह खबर साझा की फैंस, कलाकार और फिल्म की टीम को बधाई देने लगे। एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, बधाई हो सर।

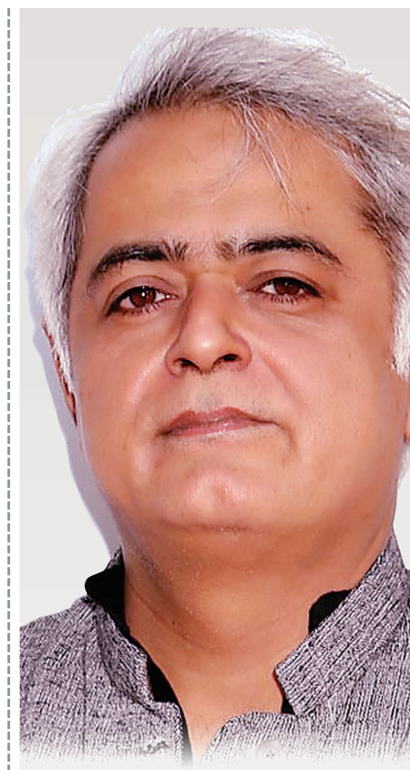

महारानी की शूटिंग पर उमर अब्दुल्ला की आपत्ति पर हंसल मेहता ने तोड़ी चुप्पी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विधान सभा परिसर के अंदर हुमा कुरेशी की महारानी की शूटिंग की निंदा की और इसे पूरी तरह से शर्मनाक बताया। इसके साथ ही सरकार पर लोकतंत्र के प्रतीक को एक सेट तक सीमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने उस दृश्य पर भी नाराजगी व्यक्त की, जिसमें एक अभिनेत्री को शो में मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते हुए दिखाया गया था।

महारानी शूट की तस्वीरें साझा करते हुए उमर ने एक्स पर लिखा, लोकतंत्र की जननी का असली चेहरा, जहां एक वक्त पर सभी दलों, धर्मों, पृष्ठभूमि और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों के लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि गंभीर मामलों पर कानून बनाते हैं। वहीं, अभिनेता और एक्स्ट्रा कलाकार इसे टीवी नाटकों के सेट के रूप में उपयोग करते हैं। कितनी शर्म की बात है कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा संचालित सरकार ने इसे दुखद स्थिति में पहुंचा दिया है। यहां तक कि उनके पास एक नकली सीएम भी है, जो उस कार्यालय से आ रहा है, जिस पर मुझे 6 साल तक रहने का विशेषाधिकार प्राप्त था। कितनी बड़ी शर्म की बात है! हंसल मेहता ने उमर के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, यह शर्म की बात क्यों है? किसी नाटक का फिल्मांकन किस प्रकार लोकतंत्र या लोकतंत्र की जननी का अपमान कर रहा है? फिल्म सेट पर अभिनेता, पृष्ठभूमि कलाकार सहित सभी लोग इस देश के नागरिक हैं और उन्हें सम्मान के साथ काम करने और सम्मान और समझ का पात्र होने का पूरा अधिकार है। उन्होंने आगे कहा, दुनिया भर के देशों में, हमें शूटिंग के लिए सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, काउंसिल हॉल आदि का उपयोग करने की अनुमति दी जाती है। इस अरुचिकर रवैये के कारण ही भारत को एक अनफ्रेंडली शूटिंग लोकेशन माना जाता है और हम अक्सर विदेश में शूटिंग करना पसंद करते हैं। मेरे मन में आपके लिए बहुत सम्मान है, लेकिन यह बहुत अपमानजनक है।

अगस्त्य नंदा ऐसे कर रहे इक्कीस की तैयारी

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने हाल ही में जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। अभिनेता के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर ने भी अभिनय करियर की शुरुआत की थी। पहली फिल्म के बाद अब अगस्त्य नंदा पूरी तरह से अपनी दूसरी फिल्म के लिए तैयार हैं। वे धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत के साथ श्रीराम राघवन की इक्कीस में नजर आएंगे। अब अगस्त्य ने दोनों दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव साझा किया है। साक्षात्कार में अगस्त्य नंदा ने भूमिका के लिए तैयार होने के बारे में बात की। वे इन दिनों ट्रेनिंग के लिए पुणे में हैं। खुद को सेना की जीवन शैली, उसके अनुशासन और निष्ठा का प्रशंसक बताते हुए उन्होंने कहा कि एक बोर्डिंग स्कूल में जाने से उन्हें लगभग पांच प्रतिशत का अनुभव हुआ कि सेना में जीवन कैसा हो सकता है। अगस्त्य ने यह भी बताया कि रेजिमेंट में उनकी भागीदारी से राष्ट्र और सेना के प्रति उनकी प्रशंसा बढ़ी है। अगस्त्य नंदा ने धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत जैसे अनुभवी अभिनेताओं के साथ काम करने को लेकर घबराहट महसूस होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वे बहुत वरिष्ठ हैं, खासकर जब वे धर्मेंद्र के सामने हों और उनके साथ बातचीत करना एक अवास्तविक क्षण है। अगस्त्य ने इन महान अभिनेताओं और लोगों से बहुत कुछ सीखने की उम्मीद जताई। उन्होंने जयदीप के बारे में बात करते हुए कहा कि लुक टेस्ट के दौरान जयदीप अहलावत ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया था। उन्हें सेट पर सकारात्मक और गर्मजोशी भरे माहौल की उम्मीद की है। अगस्त्य ने कहा कि वे सेट पर जाकर सबकुछ देखेंगे।

अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित फिल्म

यह बायोपिक परमवीर चक्र पाने वाले सबसे कम उम्र के अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म की कहानी 1971 के युद्ध के ऐतिहासिक पलों को उजागर करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीराम राघवन की फिल्म में अगस्त्य आर्मी ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। फिल्म इक्कीस की शूटिंग इस महीने शुरू की जाएगी। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान कर रहे हैं।

एनिमल की सफलता के बाद रणबीर ने डबल की फीस!

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कलेक्शन किया था। अब सुनने में आ रहा है कि इस फिल्म के सफल होने के बाद रणबीर ने अपनी फीस हाइक कर ली है। एक रिपोर्ट की मानें तो एनिमल की सफलता को देखते हुए रणबीर ने अपनी फीस 30 करोड़ रुपए से बढ़ाकर सीधा 65 करोड़ रुपए कर ली है। हालांकि, अभी तक इस पर एक्टर या उनकी टीम की तरफ से कोई कन्फर्मेशन नहीं आया है।

फैमिली को भी नहीं पता फीस डिटेल्स

रणबीर से जुड़े एक करीबी की मानें तो उनकी वाइफ आलिया और उनकी मां नीतू कपूर को भी नहीं पता कि एनिमल के बाद रणबीर अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए कितनी फीस ले रहे हैं।

8 करोड़ से बढ़कर 50 करोड़ हुई सनी की फीस

रिपोर्ट्स की मानें तो हर एक्टर अपनी फिल्म की सफलता के बाद अपनी फीस बढ़ाता है। इससे पहले सनी देओल ने भी 'गदर-2' के बाद फीस हाइक की थी। फिल्म रिलीज होने के पहले एक्टर मात्र 8 करोड़ रुपए चार्ज करते थे। अब चर्चा है कि एक्टर प्रति फिल्म 50 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं।